12 सितम्बर 2026
शनिवार, रायपुर
वर्ष : 26 अंक : 218
पृष्ठ : 12 मूल्य ₹ 2.00
RNI NO. CHH HIN/2001/05596

दैनिक सुप्रभात रायपुर
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी
pratidincg@gmail.com
+91 98060 44444
E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in

रायपुर — गणेश उत्सव समितियों से संवाद कर हल ... 03 पृष्ठ
खेल — भारत जूनियर हॉकी एशिया कप के ... 07 पृष्ठ
व्यापार — भारत में पहली बार BMW i5 लॉन्च... 08 पृष्ठ
देश — प्रधानमंत्री ने 9/11 हमलों के पीड़ितों ... 11 पृष्ठ

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

ब्रिक्स ने जी-7 को पीछे छोड़ा, वैश्विक आर्थिक वृद्धि में भी बढ़ी हिस्सेदारी : पुतिन

एजेंसी, नई दिल्ली

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ब्रिक्स और जी–7 के बीच आर्थिक प्रदर्शन की तुलना करते हुए शुक्रवार को कहा कि पिछले पांच वर्षों में विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में ब्रिक्स देशों की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक रही, जबकि जी–7 की हिस्सेदारी 29 प्रतिशत रही। इसी अवधि में वैश्विक आर्थिक वृद्धि में ब्रिक्स का योगदान आधे से अधिक रहा।

ब्रिक्स बिजनेस फोरम में पुतिन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा कई बार प्रतिबंधों, परिवहन मार्गों में बाधा और अन्य दबावों का रूप ले रही है। इसके बावजूद ब्रिक्स देशों के बीच व्यावसायिक सहयोग और निवेश वैश्विक आर्थिक संबंधों को अधिक मजबूत और लचीला बनाने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में आर्थिक वृद्धि के पुराने केंद्रों की जगह नए विकास केंद्र ले रहे हैं। इसका प्रमुख कारण ब्रिक्स देशों की बड़ी आबादी और उनके गतिशील घरेलू बाजार हैं।

पुतिन ने कहा कि रूस पर 30 हजार से अधिक प्रतिबंध लगाए गए हैं। यह दुनिया के अन्य सभी देशों पर लगाए गए प्रतिबंधों की कुल संख्या से करीब दोगुने हैं। इसके बावजूद रूस ने अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता को मजबूत किया और विश्वसनीय साझेदारों के साथ आर्थिक

संबंध बढ़ाए। पिछले तीन वर्षों में रूस की आर्थिक वृद्धि विश्व औसत से अधिक रही।

रूसी राष्ट्रपति के अनुसार, 2023–24 में रूस की अर्थव्यवस्था में 10.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई और बेरोजगारी दर घटकर रिकॉर्ड 2.3 प्रतिशत रह गई। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वायत्त प्रणालियों, डिजिटल मंचों और आधुनिक वित्तीय साधनों जैसे क्षेत्रों में तकनीकी बदलावों का भी उल्लेख किया। इनमें रूसी घरेलू तकनीक के साथ ब्रिक्स साझेदारों के समाधान भी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से पश्चिम एशिया पर चर्चा की, कूटनीति से समाधान पर दिया जोर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेज़ेश्कियान ने शुक्रवार को पश्चिम एशिया में हाल की घटनाओं पर विचारों का आदान–प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने भारत के इस लगातार रुख को दोहराया कि सभी मुद्दों को बातचीत और कूटनीति के ज़रिए सुलझाया जाना चाहिए। उन्होंने क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने, नेविगेशन और व्यापार की आज़ादी की रक्षा करने और समुद्री यात्रियों की सुरक्षा एवं भलाई के लिए लगातार कोशिशों की ज़रूरत पर भी ज़ोर दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट के दौरान ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेज़ेश्कियान से मुलाकात की। दो हफ़्ते से भी कम समय में दोनों नेताओं की यह दूसरी मुलाकात थी। इससे पहले वे 31 अगस्त को बिश्केक में एससीओ समिट के दौरान मिले थे।

मोदी ने पुतिन को भेंट किया 'तिरुक्कुरल' का रूसी अनुवाद

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान उन्हें महान तमिल कवि, दार्शनिक एवं संत तिरुवल्लुवर की अमर कृति 'तिरुक्कुरल' का रूसी अनुवाद भेंट किया। मोदी ने कहा कि यह पुस्तक महान तिरुवल्लुवर के शाश्वत ज्ञान परंपरा को भाषा और भौगोलिक सीमाओं के पार पहुंचाती है।

भारत मंडपम में हुई मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से एक–दूसरे का अभिवादन किया और विभिन्न द्विपक्षीय एवं साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने बाद में सोशल मीडिया मंच एक्स पर बैठक का वीडियो साझा करते हुए तिरुक्कुरल के रूसी अनुवाद को पुतिन को भेंट किए जाने की जानकारी दी।

मोदी ने कहा, ''राष्ट्रपति पुतिन को तिरुक्कुरल का रूसी अनुवाद भेंट किया, जो महान तिरुवल्लुवर के शाश्वत ज्ञान को भाषा और भौगोलिक सीमाओं से परे पहुंचाता है।

तिरुक्कुरल तमिल साहित्य की महान कृतियों में शामिल है। इसमें 1,330 दोहे हैं, जिनमें नैतिकता, सदाचार, शासन, सामाजिक जीवन और मानवीय मूल्यों से जुड़े विचारों को संक्षिप्त एवं गहन रूप में प्रस्तुत किया गया है। महान कवि–दार्शनिक तिरुवल्लुवर की यह कृति तमिल साहित्य की महत्वपूर्ण रचनाओं में शामिल है। पुतिन को इसका रूसी अनुवाद भेंट करना भारत और रूस के बीच लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत संबंधों को भी रेखांकित करता है।

संक्षिप्त समाचार

नौसेना प्रमुख का ऑस्ट्रेलिया दौरा पूरा, रक्षा साझेदारी के बढ़ते सामरिक संबंधों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ऑस्ट्रेलिया का दौरा पूरा करके अब न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो गए हैं। उन्होंने इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के वरिष्ठ रक्षा और नौसेना नेतृत्व के साथ बातचीत की, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स (सीडीएफ) एडमिरल मार्क हैमंड और रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी के चीफ एडमिरल मैथ्यू बकले शामिल थे। बातचीत में भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा साझेदारी की बढ़ती सामरिक गहराई पर फोकस किया गया।

नौसेना प्रमुख का 09 से 11 सितंबर तक ऑस्ट्रेलिया दौरा भारतीय नौसेना और रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी के बीच द्विपक्षीय समुद्री सहयोग को और मजबूत करने और बढ़ती इंडिया–ऑस्ट्रेलिया रक्षा और समुद्री साझेदारी को आगे बढ़ाने के मकसद से था। इस दौरे के दौरान नौसेना प्रमुख के साथ द्विपक्षीय समुद्री सहयोग में हुई प्रगति की समीक्षा की गई।

ईडी का बैंक धोखाधड़ी के दो केस में सात राज्यों में छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज बैंक धोखाधड़ी और ऋण के कथित दुरुपयोग से जुड़े दो मामलों में बिहार, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना में कई जगह छापा मारा है।

ईडी के पटना जोनल कार्यालय ने बिहार के गया स्थित रामनंदी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स लिमिटेड से जुड़े मामले में पीएमएलए की धारा 17 के तहत गया, गुरुग्राम और नई दिल्ली में नौ जगह छापा मारा है। कोलकाता जोनल कार्यालय ने ओडिशा के एआरएसएस समूह और एएमआर/एएमआरएल समूह से जुड़े प्रवर्तकों तथा संबंधित संस्थाओं के ठिकानों पर कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद में दबिश दी है।

ईडी दोनों मामलों में कथित तौर पर बैंक ऋण में धोखाधड़ी, धन के दुरुपयोग, ऋण की अदायगी में अनियमितता और लेनदेन के जरिए धन को इधर–उधर करने की जांच कर रहा है। पटना जोनल कार्यालय रामनंदी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स लिमिटेड के बैंक धोखाधड़ी मामले की जांच कर रहा है। कंपनी गया में संचालित है और अखौरी गोपाल तथा उनके बेटों निशांत और नितेश के नियंत्रण में है। जांच के दौरान एजेंसी को पता चला कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह ने कंपनी को करीब 85 करोड़ रुपये का ऋण दिया था। आरोप है कि इसमें से करीब 58 करोड़ रुपये को फर्जी या जाली परियोजना पूर्णता रिपोर्ट के आधार पर दूसरी जगह भेज दिया गया।

विकास को गति देने छग में भूमि उपयोग नियमों में बड़ा बदलाव

विकास को गति देने छत्तीसगढ़ में भूमि उपयोग नियमों में बड़ा बदलाव

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में विकास गतिविधियों को गति देने और भूमि उपयोग से जुड़ी प्रक्रियाओं को अधिक सरल, स्पष्ट एवं व्यावहारिक बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। आवास एवं पर्यावरण विभाग ने छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम, 1984 में संशोधन का प्रस्ताव तैयार किया है। प्रस्तावित संशोधन में विभिन्न भूमि उपयोग श्रेणियों के लिए Negative List आधारित व्यवस्था अपनाने का प्रावधान किया गया है। यह पहल केंद्र सरकार के डीरिगुलेशन और अनुपालन बोझ कम करने के व्यापक सुधारों के अनुरूप है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का निरंतर प्रयास है कि नागरिकों, उद्यमियों

और निवेशकों के लिए नियमों और प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाए तथा विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हो। भूमि उपयोग नियमों में प्रस्तावित संशोधन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे बदलती जरूरतों के अनुरूप विकास गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सुविधा होगी तथा प्रदेश में निवेश, रोजगार और अधोसंरचना विकास को गति मिलेगी।

आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य नियमन को समाप्त करना नहीं, बल्कि उसे अधिक स्पष्ट, सरल, लचीला और परिणामोन्मुख बनाना है। Negative List आधारित व्यवस्था के माध्यम से प्रतिबंधित गतिविधियों को स्पष्ट रूप से निर्धारित किया जाएगा, जबकि अन्य गतिविधियों के लिए अनावश्यक नियामकीय बाधाएं कम होंगी। इससे बदलती आर्थिक एवं सामाजिक जरूरतों के अनुरूप भूमि उपयोग व्यवस्था अधिक व्यावहारिक बनेगी।

खुले में कचरा फेंकने वालों पर सीसीटीवी की नजर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राजधानी रायपुर में सड़क, खाली स्थान, नाली और अन्य सार्वजनिक जगहों पर खुले में कचरा फेंकने वालों पर अब नगर निगम की पैनी नजर रहेगी। नगर निगम 70 वार्डों में करीब 160 सीसीटीवी कैमरे लगाने की तैयारी कर रहा है। इन कैमरों के माध्यम से कचरा फेंकने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम के उपायुक्त जसदेव सिंह बाबरा ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है। प्रथम चरण में करीब 160 कैमरे लगाए जाएंगे। आवश्यकता और मांग के अनुसार इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। करीब एक करोड़ रुपये की लागत वाले तीन वर्ष के ठेके की प्रक्रिया चल रही है। ठेके में कैमरों के संचालन एवं रखरखाव के साथ कंट्रोल रूम का संचालन भी शामिल रहेगा।

नगर निगम ने ऐसे स्थानों को चिन्हित किया है, जहां अक्सर खुले में कचरा फेंके जाने की शिकायतें मिलती हैं। इन्हीं स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। कैमरों के माध्यम से सड़क, खाली स्थान और

उल्लंघन पर होगा 50 हजार तक जुर्माना

अन्य सार्वजनिक जगहों पर कचरा फेंकने वालों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम के नियमों के तहत अलग–अलग प्रकार के कचरा प्रबंधन उल्लंघनों पर 50 रुपये से लेकर 50 हजार रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है।

इन मामलों में लगेगा जुर्माना

डायपर, सैनिटरी पैड और विशेष देखभाल वाले कचरे को गलत तरीके से फेंकने पर पहली बार 100 और दूसरी बार 200 रुपये जुर्माना।

घर के बगीचे से निकलने वाले पत्ते, घास आदि का निगम के निर्देशानुसार निपटान नहीं करने पर पहली बार 500 और दूसरी बार 750 रुपये।

गली, खुले स्थान, घर के बाहर, नाली, तालाब या नदी में कचरा फेंकने, जलाने या जमीन में गाड़ने पर पहली बार 500 और दूसरी बार 750 रुपये।

कचरा एकत्र करने वाली एजेंसी या ठेकेदार द्वारा कचरा जलाने पर पहली बार 25 हजार और दूसरी बार 50 हजार रुपये।

100 से अधिक लोगों के कार्यक्रम या समारोह की सूचना कम से कम तीन दिन पहले नगर निगम को नहीं देने पर पहली बार 2 हजार और दूसरी बार 3 हजार रुपये।

रेहड़ी–ठेला संचालकों द्वारा गीला और सूखा कचरा अलग–अलग नहीं देने अथवा खुले में फेंकने पर पहली बार 200 और दूसरी बार 400 रुपये।

5,000 वर्गमीटर से बड़े गेटेड सोसायटी, संस्थान या बल्क वेस्ट जनरेटर द्वारा खुले में कचरा फेंकने पर पहली बार 20 हजार और दूसरी बार 30 हजार रुपये।

समान नागरिक संहिता पर रायशुमारी के लिए विभिन्न संगठनों व सामाजिक प्रतिनिधियों से की गई चर्चा

उच्च स्तरीय समिति द्वारा आयोजित द्विपक्षीय चर्चा में आमंत्रित किए गए सुझाव

रायपुर(प्रतिदिन राजधानी)

समान नागरिक संहिता के क्रियान्वयन के पूर्व राज्य स्तर पर गठित उच्च स्तरीय समिति द्वारा विस्तृत चर्चा एवं सुझाव के लिए दो दिवसीय कार्यशाला 10 सितंबर से आयोजित की गई, जिसमें भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी एवं समिति के सदस्य एम. के. राउत की अध्यक्षता में पीपीटी के माध्यम से समान नागरिक संहिता के वर्तमान नियमों एवं कानूनों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर समिति के सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार उपस्थित थे।

समान नागरिक संहिता पर रायशुमारी के लिए विभिन्न संगठनों व सामाजिक प्रतिनिधियों से की गई चर्चा

पुराना सर्किट हाउस के सभाकक्ष में छत्तीसगढ़ में समान

नागरिक संहिता (UCC) को लेकर गठित राज्य स्तरीय समिति द्वारा आयोजित दो दिवसीय परामर्श बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस दौरान समिति के सदस्यों ने विभिन्न सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और राज्य आयोगों के प्रमुखों के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा की। दो दिनों तक चले इस गहन मंथन सत्र के दौरान मुख्य रूप से विवाह और तलाक, उत्तराधिकार और विरासत, भरण–पोषण तथा लिव–इन रिलेशनशिप जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषयों पर सभी पक्षों से खुलकर सुझाव लिए गए।

इस दौरान गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति के प्रांतीय सचिव श्री गजानंद नुरूटी ने आदिवासी समाज की रूढ़िगत परंपराओं और विशिष्ट सांस्कृतिक ताने–बाने की रक्षा का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने आदिवासी समुदाय की मौलिक पहचान और अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें समान नागरिक संहिता के दायरे से पृथक रखने का औपचारिक अनुरोध किया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और सीएम विष्णु देव साय ने 2 लाख परिवारों को कराया गृह प्रवेश

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने छग को दिए 3.65 लाख अतिरिक्त आवास

सक्ती (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले के जेठा में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास का ऐतिहासिक संगम देखने को मिला। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के अंतर्गत 2 लाख नवनिर्मित आवासों में गरीब परिवारों को गृह प्रवेश कराया और हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चाबियां सौंपीं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने छत्तीसगढ़ को 3.65 लाख नए अतिरिक्त आवासों का बड़ा तोहफा दिया। साथ ही सक्ती में नया 'कृषि

विज्ञान केंद्र' खोलने और बस्तर संभाग में छूटे हुए पात्र हितग्राहियों के लिए आवास सर्वे की समय–सीमा को 31 अक्टूबर 2026 तक बढ़ाने का बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि विष्णुदेव (मुख्यमंत्री) कहें और शिव (केंद्रीय मंत्री) मना कर दें, यह संभव नहीं है।

विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सक्ती धर्म, संस्कृति, प्रकृति और जन–ऊर्जा की पावन भूमि है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और स्थानीय सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े की मांग पर उन्होंने सक्ती में अत्याधुनिक कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित करने की घोषणा की। इससे क्षेत्र के किसानों को उन्नत तकनीक, फसल विविधीकरण और वैज्ञानिक परामर्श का सीधा लाभ मिलेगा।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की गति तेज करने पर जोर देते हुए श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सुरक्षा बलों ने नक्सलवाद को लगभग समाप्त कर दिया है। अब वहां बारूदी सुरंगों के बजाय विकास की धारा बह रही है। मुख्यमंत्री द्वारा बस्तर संभाग में छूटे हुए गरीबों के आवास सर्वे के लिए एक माह का समय मांगे जाने पर केंद्रीय मंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए इसे डेढ़ माह बढ़ाते हुए 31 अक्टूबर तक का समय दे दिया।

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

राप्रक्रमांक/अ-6/वर्ष 2025-26
रायपुर, दिनांक 8/2028
ग्राम पंडरीतराई पहन- 109/47

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण 01. मोहम्मद बसीर पिता स्व. मोहम्मद नजीर निवासी रोटरी नगर, टाटीबंध, रायपुर (छ.ग.), 02. शाहजहाँ बेगम पति स्व. मोहम्मद वजीर निवासी मकान नंबर 22/714, पंडरीतराई, बाबूलाल पान ठेला के पास, रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र वास्ते छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा-110 के अंतर्गत पेश कर लेख किया है कि ग्राम पंडरीतराई, पहन 109/47, तहसील व जिला रायपुर में स्थित परिवर्तित बंदोबस्त नंबर 137/306 रकबा 225 भूमि राजस्व अभिलेख में आवेदकगण के पिता/ससुर स्व. मोहम्मद नजीर के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज है। उक्त भूमि के खातेदार आवेदकगण के पिता/ ससुर स्व. मोहम्मद नजीर की मृत्यु दिनांक 11.12.1990 को हो चुका है। उनके मृत्यु उपरांत उनके विधिक वारिसान आवेदकगण है। इनके अतिरिक्त अन्य कोई विधिक वारिसान नही है। अतएव आवेदित भूमि से संबंधित राजस्व अभिलेखों में मृतक खातेदार का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया है।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 16/09/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

CGHIDB कार्यालय संपदा अधिकारी

छीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01 सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर
ई-मेल- eocghbzone1@gmail.com

आम सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजना के अतंर्गत, भवनों में से फ्लैट / भवन क्रमांक एल.आई.जी.-29/345 द्वितीयतल में श्रीमती आशा प्रजापति पति श्री योगेन्द्र प्रजापति को स्ववित्तीय / एकमुश्त आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 01.07.2026 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी के द्वारा उक्त फ्लैट / भवन के विक्रय हेतु दिनांक 07.08.2026 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट / भवन श्री जक्कम विकाश पिता श्री जक्कम कुशराज के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जायेंगी।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01 कबीर नगर, रायपुर

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

राप्रक्रमांक/ अ-5 / वर्ष 2025-26,
ग्राम बनचरौदा प.ह.नं.- 37

एतद द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है. आवेदक रामकुमार साहू पिता तुलसीराम साहू निवासी ग्राम बनचरौदा तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा भू.रा.स. की धारा 89 के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया है कि ग्राम बनचरौदा प.ह.नं 37 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 213 रकबा 0.30. हे. खातेदार रामकुमार साहू पिता तुलसीराम साहू वगैरह के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि का नक्शा का क्षेत्रफल बड़ा दर्शित हो रहा है। उक्त आवेदित भूमि का नक्शा रकबा अनुसार बटांकन कर बंदोबस्त में हुये त्रुटि नक्शा को सुधार किये जाने का निवेदन किया गया है।

अतः एवं इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो ता व इस न्यावालय में दिनाँक 17/09/2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 09/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर

तहसीलदार
आरंग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, मिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक/अ-6/वर्ष 2025-26
रायपुर, दिनांक 7/9/2026
ग्राम चिरहुलडीह पहन 52,
तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदिका श्रीमती पुष्पा राजपूत पति बिरेन्द्र बहादूर सिंह ठाकुर निवासी वीर सावकर नगर, हीरापुर, रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में धारा 109-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत नामांतरण बाबत आवेदन प्रस्तुत किया है कि, ग्राम चिरहुलडीह प.ह.नं. 52, तहसील व जिला रायपुर में स्थित परिवर्तित भूमि खसरा नं. 55/5 रकबा 0.0025 हें. एवं खसरा नं 57/4 रकबा 0.0005 कुल रकबा 0.0090 है. जिसे आवेदिका/क्रेता द्वारा विक्रेता योगेश्वर सिंह राजपुत पिता स्व. निरंजन सिंह ठाकुर निवासी सरगबुडिया, मौसामुदा कोरबा (छ.ग.) से पंजीकृत संशोधन विक्रय विलेख दिनांक 18/08/2028 की विधिवता क्रय कर स्वामित्व एवं आधिपत्य किया है जिसका पुस्तक क्रमांक अ-1 ग्रंथ क्रमांक- 77051 पृष्ठ क्र. 482 से 500 दस्तावेज क्रमांक- CG-2026-27-107-2810 है। अतः उक्त आवेदित भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर आवेदक अपने नाम पर नामांतरण दर्ज किये जाने का निवेदन किये हैं।

अतः आवेदिका द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 22/9/2026 तक स्वतः या अथवा बैंक प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा दिवार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 07/9/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

CGHIDB कार्यालय संपदा अधिकारी

छीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03 सेजबहार रायपुर (छ.ग.)
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा कालोनी बोरियाकला, जिला रायपुर, में स्थित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत निर्मित फ्लैट क. एल.आई.जी -546 ब्लॉक-35 भूतल श्री रवि भूषण तिवारी पिता श्री श्याम लाल तिवारी निवासीः- सेवा सदन, पचपेडी नाका गोयल काम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग.) के नाम पर इस कार्यालय के आंबटन आदेश क्र. 112 दिनांक 15.01.2010 के माध्यम से स्ववित्तीय आधार पर आंबटित है। आबंटी द्वारा फ्लैट का पूर्ण मूल्य जमा कर दिनांक 24.02.2011 को लीजडीड निष्पादित कराने के उपरांत पत्र क्रमांक 445 दिनांक 24.01.2012 को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। आंबटी श्री रवि भूषण तिवारी पिता श्री श्याम लाल तिवारी, उक्त फ्लैट को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त फ्लैट को क्रेता श्रीमती आशा नागवानी पिता श्री माधवदास नागवानी निवासीः- गुरूतेज बहादुर नगर, महावीर नगर, रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

संपदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, हार, रायपुर (छ.ग.)

CGHIDB कार्यालय संपदा अधिकारी

छीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03 सेजबहार रायपुर (छ.ग.)
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कॉलोनी सेजबहार-02, जिला- रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजनांतर्गत भवन क्रमांक एल.आई.जी. (ब्रांज)-159, श्रीमति अंजली विश्वास पति श्री विद्यनाथ विश्वास के नाम पर इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 508 दिनांक 06.02.2017 को स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण राशि जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 25.10.2021 को लीजडीड निष्पादित कर इस कार्यालय पत्र क्रमांक 3158 दिनांक 22.11.2021 को आधिपत्य आदेश प्राप्त किया जा चुका है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का दिनांक 05.09.2024 को हस्तांतरण विलेख (फ्रीहोल्ड) करा लिया गया है। हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त भवन को आबंटी श्रीमति अंजली विश्वास पति श्री विद्यनाथ विश्वास, पता- म.न. ए/15, सेक्टर-01, एकता नगर गुढियारी, रायपुर, तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.) द्वारा श्रीमति डॉली मिश्रा पति-स्व. श्री विवेक मिश्रा, पता- हनुमान मंदिर के पास, बुनगा, रायगढ़ (छ.ग.) के पक्ष में दिनांक 20.08.2026 को विक्रय कर दिया गया है, क्रेता श्रीमति डॉली मिश्रा पति-स्व. श्री विवेक मिश्रा, पता- हनुमान मंदिर के पास, बुनगा, रायगढ़ (छ.ग.) द्वारा भवन को फ्री-होल्ड पश्चात अपने नाम पर नाम दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भवन का फ्री-होल्ड पश्चात नाम दर्ज किये जाने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समायवधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

संपदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, हार, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

राप्रक्रमांक/अ-6/ वर्ष 2025-2026
रायपुर, दिनांक 08/09/2026
ग्राम मठपुरैना पहन 61

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोहम्मद रजा कादरी पिता मोहम्मद याकुब निवासी- म.नं. 40/590 आर.डी.ए. प्लाट संजय नगर सोहेल किराना स्टोर के पास रायपुर छ.ग. द्वारा इस न्यायालय में नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम मठपुरैना प.ह.नं. 61 रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 221/226 रकबा 1000 वर्गफुट अर्थात 92.93 वर्गमीटर भूमि को विक्रेता अशोक सिंघानिया पिता शंकर लाल सिंघानिया निवासी- म.नं. 1163 टिकरापारा संजय नगर ज्योति आटा चक्की वार्ड नं. 54 रायपुर तह व जिला रायपुर छ.ग. से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 18/03/2024 को क्रय के माध्यम से प्राप्त किया है। अतः उक्त भूमि को पंजीकृत बैनामा के आधार पर आवेदक अपना नाम पर दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। प्रकरण में हल्का पटवारी द्वारा प्रतिवेदन प्राप्त।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 24/09/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अति. तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 08)

मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्रं/35196/ न. पा. नि.
जोन क्रं 8/2026
रायपुर, दिनांक 11-09-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 35196
वार्ड का नाम 69 माधवराव सप्रे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR568C00903 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती DIGAMBAR SINGH RAJPUT पिता/पति श्री/श्रीमती YASH-WANT SINGH के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1.PRAKASH KUMAR PANDEY 2. VIKAS KUMAR PANDEY पिता / पति श्री श्रीमती KUBER PRASAD PANDEY ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"

श्रीमती राजेश्वरी पटेल (जोन कमिश्नर) जोन (8) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का अशोक बजाज ने विमानतल पर किया गर्मजोशी से किया स्वागत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू का सक्ति के कार्यक्रम से रायपुर वापस लौटने पर वरिष्ठ भाजपा नेता एवं प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

नई दिल्ली रवाना होने के पूर्व व्ही आई पी लाउंज केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के नेताओं से चर्चा की तथा युवा मोर्चा के दिनों का स्मरण साझा किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, विधायक पुरंदर मिश्रा, प्रदेश

महामंत्री अखिलेश सोनी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय, पूर्व विधायक देवजी पटेल, आलोक ठाकुर, डॉ? सलीम राज, अमित साहू, आकाश विग, पुष्पेन्द्र सिंह आदि नेता उपस्थित रहे.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और जनकल्याण के 25 वष

छग में एक माह चलेगा सेवा संकल्प अभियान : उप मुख्यमंत्री अरुण साव

जगदलपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन प्रमुख के रूप में (राज्य और केंद्र में) 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देशभर में 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री मोदी के 25 वर्षों के सेवा, सुशासन और जनकल्याण के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज जिला भाजपा कार्यालय, जगदलपुर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अभियान की विस्तृत जानकारी दी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि पहले प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़ा मनाया जाता था। इस बार शासन प्रमुख के रूप में उनके 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर इसे 'सेवा संकल्प अभियान' के रूप में व्यापक स्तर पर आयोजित किया जा

रहा है। 7 अक्टूबर को श्री मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के 25 वर्ष पूर्ण होंगे। उन्होंने कहा कि लगातार 25 वर्षों तक राज्य और देश की सेवा करना अपने आप में अद्वितीय उपलब्धि है।

श्री साव ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में श्री मोदी ने अनेक चुनौतियों के बीच विकास की मजबूत नींव रखी। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद देश ने भी परिवर्तन देखी। गरीबों के लिए पक्के मकान, शौचालय, घर-घर पेयजल, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने आम लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया। उन्होंने कहा कि 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं और देश की अर्थव्यवस्था, रक्षा, शिक्षा, खेल और आधारभूत सुविधाओं में व्यापक प्रगति हुई है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत रक्षा क्षेत्र में आयातक से निर्यातक देश बना है। देश की वैश्विक साख मजबूत हुई है। युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हुए हैं।

राजनांदगांव के प्रो. हसीन खान बने राहुल सांकृत्यायन शोधपीठ के समन्वयक

राजनांदगांव (प्रतिदिन राजधानी)

राजनांदगांव के प्रोफेसर एम. हसीन खान को महाराजा सुहेल देव विश्वविद्यालय, आजमगढ़ में स्थापित राहुल सांकृत्यायन शोधपीठ का समन्वयक बनाया गया है। कुलपति प्रो. संजीव कुमार ने उन्हें नियुक्ति आदेश सौंपा।

प्रो. खान की स्कूली शिक्षा राजनांदगांव में हुई। उन्होंने शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय से बीए राधाबल्लभ जानी स्वर्ण पदक के साथ पूरा किया। इसके बाद पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर से हिंदी में एमए गोल्ड मेडल हासिल किया। उन्होंने बीएड, नेट और पीएचडी की उपाधियां भी प्राप्त की हैं।

वर्तमान में प्रो. खान आजमगढ़ के श्री गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मालटारी में हिंदी विभाग के प्रोफेसर एवं अध्यक्ष हैं। साहित्य और भाषा के क्षेत्र में सक्रिय प्रो. खान की कई पुस्तकें प्रकाशित हैं। इनमें तुम युवा हो, जमीन पर उतरी कविता, समकालीन काव्य परिदृश्य और नागार्जुन का काव्य और साहित्य शास्त्र

और हिंदी आलोचना प्रमुख हैं।

राष्ट्रपति भवन में हो चुका है सम्मान

प्रो. खान को साहित्यिक और सामाजिक योगदान के लिए कई बार सम्मानित किया गया है। 2013 में राष्ट्रीय युवा महोत्सव के दौरान उन्हें राष्ट्रपति भवन में अतिथि के रूप में सम्मान मिला था। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक रहते हुए उन्होंने जरूरतमंदों की सहायता के लिए करीब 20 बापू बाजार के आयोजन में भी भूमिका निभाई।

राहुल सांकृत्यायन शोधपीठ के जरिए उनके साहित्य, दर्शन, यात्रा-वृत्तांत, इतिहास और संस्कृति से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर शोध एवं अकादमिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी प्रो. खान संभालेंगे।

छत्तीसगढ़ में तेज गति से हो रहा अन्त्योदय और ग्रामीण विकास की दिशा में काम : भाजपा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. किरण बघेल ने सक्ती जिले के ग्राम जेठा में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीण विकास, आवास, महिला सशक्तीकरण और आजीविका से जुड़ी दी गई विकासपरक सौगातों के लिए केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि-किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री द्वय विजय शर्मा व अरुण साव सहित केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. (श्रीमती) बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मूल मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास' को धरातल पर उतारते हुए छत्तीसगढ़ की 'डबल इंजन' सरकार जन-कल्याण के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। शुक्रवार को सक्ती में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत नवनिर्मित 2 लाख आवासों में हितग्राहियों का ससम्मान गृह प्रवेश कराया जाना राज्य के गरीब, वंचित और ग्रामीण परिवारों के जीवन में एक नए युग की शुरुआत है। हर गरीब के सिर पर अपनी पक्की छत का सपना साकार कर भाजपा सरकार ने सिद्ध कर दिया है कि उसकी प्राथमिकता सदैव अन्तिम पंक्ति के व्यक्ति का उत्थान रही है। श्रीमती बघेल ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान 122 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले 39 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है। यह अभूतपूर्व सौगात सक्ती क्षेत्र सहित पूरे प्रदेश में ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूती देगी और सामाजिक व आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगी। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश में ग्रामीण विकास, महिला सशक्तीकरण और आजीविका संवर्धन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास अभूतपूर्व हैं। प्रदेश सरकार के सतत प्रयासों से योजनाएँ त्वरित रूप से जनता तक पहुँच रही हैं।

जनप्रतिनिधियों के सवालों पर अधिकारियों से मांगा जवाब जनता से जुड़े मुद्दों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : नवीन अग्रवाल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जिला पंचायत रायपुर की सामान्य सभा की बैठक शुक्रवार को कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभा कक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। करीब चार घंटे चली बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष, सभापतिगण, जिला पंचायत सदस्य एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े विकास कार्यों, शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन और जनता की समस्याओं को लेकर जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों से जवाब मांगा।

बैठक की शुरुआत पूर्व बैठक के पालन प्रतिवेदन से हुई। इसके बाद पशु चिकित्सा सेवाओं के अंतर्गत टीकाकरण एवं व्यक्तिगत मूलक योजना कार्यक्रम, वर्ष 2026-27 के लिए प्राप्त राशि तथा उसके अनुरूप की गई कार्यवाही और विभागीय गतिविधियों पर चर्चा की गई। साथ ही अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण

के अंतर्गत वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 में स्वीकृत कार्यों की वर्तमान स्थिति और प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में श्रम विभाग की योजनाओं के तहत वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 में की गई कार्यवाही की विकासखंडवार जानकारी मांगी गई। वहीं मत्स्य पालन विभाग से वर्ष 2026-27 में विभिन्न मदों में प्राप्त राशि तथा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी सदन के समक्ष उपलब्ध कराने को कहा गया। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्राप्त प्रस्तावों को कार्ययोजना में शामिल करने और प्रस्तावों के अनुमोदन से संबंधित विषय पर भी चर्चा हुई।

पक्ष-विपक्ष के सवालों से घिरे अधिकारी

बैठक के दौरान पक्ष-विपक्ष के सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। अधिकारियों की कार्यप्रणाली, योजनाओं के क्रियान्वयन और लंबित विकास कार्यों को लेकर सदस्यों ने कई सवाल किए। सदस्यों का कहना था कि क्षेत्र की जनता अपनी समस्याओं के निराकरण की उम्मीद जनप्रतिनिधियों से करती है, ऐसे में अधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों की मांगों और शिकायतों को गंभीरता से लेना आवश्यक है।

CGHIDB कार्यालय संपदा अधिकारी

छीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01 सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर(छ.ग.)
Email Id: eocghbzone1@gmail.com

आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा वीर सावरकर नगर हीरापुर कालोनी, रायपुर में निर्मित LIG-II भवन योजना के अतंर्गत, दुकानों/भूखण्डों/ भवनों में से भूखण्ड/ भवन क्रमांक LIG-II/78 श्रीमती मेनका किरार (खटिक) पिता/ श्री भीमसेन किरार (खटिक) को भाड़ाक्रय/पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 16/01/2020 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 16/07/2026 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन श्रीमती विनीता अहिरवार पति श्री संतोष कुमार अहिरवार के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अंदर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

संपदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-01,कबीर नगर रायपुर (छ.ग.)

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
1st call

NIT NO: 171/PWD/Zone-9/2026-27 RAIPUR DATED: 11/09/2026
Online bids are invited for the following works of works up to Date 01/10/2026 at 17:30

Sr. No.	System Tender No.	Name of Work	Amount of the Estimate	Earnest Money Deposit	Eligible class of contractor /firm	Time allowed for Completion	SOR Applicable
1.	199331	नवीन आंगनबाडी निर्माण मोवा (मस्जिद के पास) (वार्ड क्रं 11 डॉ भीम राव अंम्बेडकर वार्ड)	1500000 –	11250 –	Class-D & above	06 माह	लोक निर्माण विभाग के भवन एस ओ आर 01.01.2015 से प्रभावशील एवं निविदा दिनांक तक संशोधित

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 11/09/2026 17.30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: -

1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in
3. कार्य के लिए निविदा शुल्क देना होगा निविदा शुल्क रु 750 00 का बैंक ड्रापट अथवा बैंकर चेक जो कि आयुक्त नगर पालिका निगम रायपुर के नाम से होगा तथा वापसी आयोग्य होगी

Zone Commissioner
ZONE-9
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

रायपुर नगर पालिक निगम

गणेश उत्सव समितियों से संवाद कर हल निकालें— महापौर मीनल चौबे

जनप्रतिनिधि,डीसीपी ट्रैफ़िक अर्चना झा,विभाग एवम निगम अधिकारियों की संयुक्त बैठक

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आगामी श्रीगणेश उत्सव को लेकर राजधानी रायपुर में बेहतर यातायात, सुरक्षा एवं नागरिक सुविधाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज नगर पालिक निगम रायपुर मुख्यालय के तृतीय तल सभाकक्ष में महापौर श्रीमती मीनल चौबे की अध्यक्षता में नगर निगम एवं रायपुर पुलिस प्रशासन की संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

बैठक में नगर निगम के सभापति,सभी जोन कमिश्नर, पुलिस एवं यातायात विभाग के अधिकारी, जोन अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। बैठक में श्रीगणेश उत्सव समितियों को अनुमति एवं अनिवार्य ह्ह्ष्ट, यातायात व्यवस्था, पार्किंग, पंडाल एवं झांकी व्यवस्था, सुरक्षा तथा आम नागरिकों की सुविधा सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि श्रीगणेश उत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सनातन परंपरा, आस्था और सामाजिक भावनाओं से जुड़ा पर्व है। नगर निगम की जिम्मेदारी है कि शासन एवं न्यायालय द्वारा निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने के साथ–साथ समितियों की भावनाओं और उनकी व्यावहारिक कठिनाइयों को भी समझे।

उन्होंने कहा कि गणेश उत्सव समितियों में बड़ी संख्या में युवा साथी जुड़े रहते हैं, जो अपनी पढ़ाई, व्यवसाय और अन्य कार्यों के बीच समय निकालकर पूरी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ भगवान श्रीगणेश की स्थापना और आयोजन की तैयारी करते हैं। ऐसे में उन्हें अंतिम समय पर अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

महापौर ने सभी जोन कमिश्नरों को निर्देशित किया कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में गणेश उत्सव समितियों के साथ सम्मानपूर्वक एवं सकारात्मक संवाद स्थापित करें। ह्ह्ष्ट अथवा अन्य किसी अनुमति की आवश्यकता होने पर समितियों को समय रहते इसकी जानकारी दी जाए तथा आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा कराने में सहयोग किया जाए। सभापति सूर्यकांत राठौर ने कहा कि नगर निगम और पुलिस प्रशासन की टीम वार्ड पार्षदों एवं संबंधित जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय रखते हुए समितियों से चर्चा करे और नगरहित को सर्वोपरि मानकर यातायात एवं सुरक्षा की ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करे, जिससे श्रद्धालुओं को भी सुविधा मिले और आम नागरिकों का आवागमन भी सुचारु बना रहे।

सभी जोन अध्यक्षों ने कहा कि नियमों का पालन करना आवश्यक है, लेकिन नियमों को लागू करने का तरीका भी संवेदनशील और व्यवहारिक होना चाहिए। यदि किसी समिति को किसी व्यवस्था में परिवर्तन की आवश्यकता है तो पहले समिति से बातचीत कर उसे स्थिति समझाई जाए और संभव हो तो आपसी सहमति से समाधान निकाला जाए। महापौर ने कहा कि पूजा–पाठ और भगवान श्रीगणेश के कारण किसी पड़ोसी, राहगीर न हो, यह भी हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए पंडालों एवं झांकियों की व्यवस्था करते समय यातायात, पार्किंग, पैदल आवागमन, अग्नि सुरक्षा, विद्युत व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

निगम द्वारा बकाया विद्युत बिलो का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर चरणबद्ध रूप से किया जायेगा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने छ.ग. राज्य विद्युत पावर कंपनी के संबंधित अधिकारियों को पत्र प्रेषित किया है कि नगर पालिक निगम रायपुर एक स्थानीय स्वशासी संस्था है जो शहर के नागरिकों को निरंतर आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराती है। निगम अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यालयों जलप्रदाय व्यवस्था, स्ट्रीट लाईट उद्यानों एवं जनोपयोगी संस्थानों में विद्युत आपूर्ति अत्यंत आवश्यक है।

वर्तमान में निगम के अधीन कुछ स्थानों के विद्युत बिलों का भुगतान निर्धारित समयावधि में नहीं हो पाया है, इसके कारण संबंधित विद्युत कनेक्शनों के विच्छेदन की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जिससे आम नागरिकों को मिलने वाली आवश्यक सेवाएं प्रभावित होंगी।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा है कि नगर पालिक निगम रायपुर के अंतर्गत आने वाले आवश्यक सेवा वाले संस्थानों एवं जनोपयोगी स्थलों के विद्युत कनेक्शन बकाया बिलों के कारण विच्देछित न किये जाएं।

थाना देवेन्द्र नगर क्षेत्रांतर्गत स्थित स्पॉ सेंटर के संचालक एवं मैनेजर के विरूद्ध पीटा एक्ट की कार्यवाही

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

विवरण – पुलिस उपायुक्त महोदय मध्य क्षेत्र कमिश्नर रायपुर, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त महोदय मध्य क्षेत्र रायपुर एवं सहायक पुलिस आयुक्त सिविल लाइन रायपुर के द्वारा दिये गये, के निर्देशन में एसीपी स्नेहिल साहू थाना सिविल लाइन और थाना देवेंद्र नगर की टीम द्वारा दिनांक 10.09.2026 को इशवा लग्जरी स्पा सेंटर में रेड कार्यवाही की गयी। चेकिंग के दौरान थाना देवेन्द्र नगर क्षेत्रांतर्गत स्थित इशवा लग्जरी स्पा सेंटर को चेक करने पर वहां आपत्तिजनक वस्तुएं प्राप्त हुई, साथ ही पाया गया कि स्पॉ के संचालक हरविंदर सिंग ग्रोवर निवासी – टिकरापारा एवं मैनेजर मुकेश कुमार वर्मा निवासी भिलाई 3 द्वारा अन्य राज्यों से युवतियों को बुलाकर देह व्यापार कराया जाता है। स्पॉ मे कार्य करने वाली युवतियों ने भी पूछताछ में संचालक एवं मैनेजर द्वारा उनसे जबरन देह व्यापार कराना बताया गया। जिस पर स्पॉ सेंटर के संचालक एवं मैनेजर के विरूद्ध थाना देवेन्द्र नगर में अपराध क्रमांक 152/2026 धारा 4, 5, 7 अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम 1956 का अपराध पंजीबद्ध किया गया द्य

IFAT इंडिया 2026 में रायपुर नगर पालिक निगम के नवाचारों की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना

कार्यपालन अभियंता योगेश कडु ने प्रदर्शनी और विचार-विमर्श कार्यक्रमों में हिस्सा लिया

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

विगत दिनांक 9 से 11 सितंबर 2026 तक मुंबई में आयोजित IFAT इंडिया 2026 में रायपुर नगर पालिक निगम ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, शहरी स्वच्छता एवं सतत शहरी विकास के क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों और नवाचारों को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में रायपुर नगर पालिक निगम की ओर से अपर आयुक्त विनोद कुमार पांडेय एवं स्वच्छ भारत मिशन के कार्यपालन अभियंता योगेश कडु ने सहभागिता करते हुए विभिन्न तकनीकी सत्रों, प्रदर्शनी और विचार–विमर्श कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

IFAT इंडिया को पर्यावरणीय प्रौद्योगिकी, स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंच माना जाता है। इस अवसर पर रायपुर नगर निगम अधिकारियों ने अनेक आधुनिक तकनीकों एवं नवाचारपूर्ण समाधानों का अध्ययन किया, जिन्हें भविष्य में रायपुर शहर में आवश्यकता एवं व्यवहार्यता के आधार पर लागू किया जा सकता है।

रायपुर नगर पालिक निगम अधिकारियों द्वारा अध्ययन किए गए प्रमुख तकनीकी समाधानों में नदियों एवं जल निकायों में तैरते हुए कचरे को रोकने के लिए फ्लोटिंग ट्रैश बैरियर, जल स्त्रोतों की वास्तविक समय में निगरानी हेतु जल गुणवत्ता सेंसर आधारित मोबाइल मॉनिटरिंग प्रणाली, अवसंरचना परियोजनाओं की प्रगति पर निगरानी रखने के लिए आईसीटी आधारित डिजिटल मॉनिटरिंग प्रणाली, तथा जलापूर्ति एवं सीवरेज नेटवर्क विस्तार के लिए ट्रेंचलेस पाइप लेइंग तकनीक शामिल हैं। इन तकनीकों से शहर में स्वच्छता प्रबंधन, जल संरक्षण, परियोजना निगरानी तथा नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकता है।

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित क्लीन सिटीज से सर्कुलर सिटीज तक ᆖ भारत में स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का भविष्य卐 विषयक उच्च स्तरीय गोलमेज चर्चा में रायपुर नगर निगम के अपर आयुक्त विनोद कुमार पांडेय ने पैनलिस्ट के रूप में सहभागिता कर रायपुर की सफल स्वच्छता पहलों एवं नवाचारों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया।

इस चर्चा का संचालन हिमांशु चतुर्वेदी, एसोसिएट पार्टनर, केपीएमजी द्वारा किया गया। पैनल में विभिन्न नगर निकायों, स्वच्छता विशेषज्ञ संस्थाओं एवं अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें किरण दिघावकर (उप आयुक्त, बृहन्मुंबई महानगरपालिका), यामिनी वर्मा (महाप्रबंधक, सृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विसेज), डॉ. अजीत साल्वी (निदेशक, आर सी यू ई एस – ए आ ई आईएलएसजी, मुंबई), महेश एल. नार्वेकर (निदेशक, आपदा प्रबंधन एवं कंट्रोल रूम विभाग), हर्षवर्धन (मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सीडीडी सोसायटी) तथा सुशोभा राघवन (मुख्य कार्यपालन अधिकारी, साहस ज़ीरो वेस्ट) शामिल रहे।

नगर निगम स्वास्थ्य विभाग ने जनशिकायत मिलते ही विभिन्न स्थानो पर सफाई करवाकर कायम की स्वच्छता

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर नगर पालिक निगम के स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन स्तर पर सफाई से संबंधित प्राप्त जनशिकायतो का संबंधित स्थलो पर तत्काल जोन स्वास्थ्य विभाग की सफाई मित्रो की टीमे भेजकर सफाई करवाकर कचरा उठवाकर स्वच्छता कायम करते हुए प्राप्त जनशिकायतो का त्वरित निदान जोन के स्तर पर किया गया। आज नगर निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा पचपेडीनाका चौक के पास डुमरतराई सब्जी बाजार क्षेत्र के पास गुढियारी कोटा मार्ग के किनारे सिंगापुर सिटी के पास कोटा मार्ग के किनारे सफाई करवाकर कंचरा उठवाकर स्वच्छता जनशिकायत मिलते ही जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा हेतु कायम की गई।

अधिकारियों ने गणेश समिति पदाधिकारियों से अनापत्ति प्रमाण पत्र की जानकारी मांगी

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर पालिक निगम जोन 3 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह, कार्यपालन अभियंता ईश्वर लाल टावरे, सहायक अभियंता नरेश कुमार साहू, उपअभियंता अक्षय भारद्वाज सहित पुलिस कमिश्नरेट के जोन क्षेत्र अधिकारियों की उपस्थिति में गणेश पंडाल तेलीबांधा ओव्हर ब्रिज के पास और तेलीबांधा जैतखंभ के पास सडक पर लगाये जाने की जानकारी मिलते ही तत्काल स्थल पर पहुंच गई एवं संबंधित गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारियों से स्थल पर चर्चा कर उन्हें सडक पर गणेश उत्सव पंडाल ना लगाने को लेकर समझाईश दी ।नगर निगम जोन 3 क्षेत्र में तेलीबांधा ओव्हर ब्रिज के पास तेलीबांधा जैतखंभ के पास सडक पर श्रीगणेश पंडाल लगाये जाने पर वहां पहुंचकर गणेश समिति पदाधिकारियों से चर्चा कर जोन 3 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह एवं अधिकारियों ने उन्हें समझाईश दी एवं राज्य शासन के निर्देशानुसार श्रीगणेश पंडाल की अनुमति लेने नियमो का पालन करने कहा नगर निगम जोन 3 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह ने गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारियों को गणेश उत्सव पंडाल सडक पर नहीं लगाने की समझाईश दी एवं इस संबंध में गणेश उत्सव पंडाल लगाने माननीय एनजीटी और राज्य शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमो एवं जारी दिशा निर्देशो का पूर्ण पालन करने कहा। जोन 3 जोन कमिश्नर सहित निगम जोन 3 अधिकारियों और पुलिस कमिश्नरेट अधिकारियों ने गणेश उत्सव समिति पदाधिकारियों से गणेश पंडाल सडक पर लगाने पर उनसे नियमानुसार आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र की जानकारी स्थल पर मांगी और इसमें शासन प्रशासन द्वारा नियमानुसार निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने कहा ।

जोन अधिकारियों ने गणेश समिति पदाधिकारियों से अनापत्ति प्रमाण पत्र की जानकारी देने कहा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर पालिक निगम जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक के मार्गनिर्देशन और जोन 5 सहायक अभियंता नागेश रामटेके सहित रायपुर पुलिस कमिश्नरेट पश्चिम जोन क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में लाखेनगर चौक से पुरानी बस्ती पुलिस थाना तक सडक पर गणेश पंडाल लगाये जाने की जानकारी मिलते ही तत्काल स्थल पर पहुंचकर जोन 5 सहायक अभियंता सहित संबंधित गणेश उत्सव समितियों के गणेश रामटेके ने गणेश उत्सव समितियों के सम्बंधित पर नहीं लगाने की स्थल पर पहुंचकर उन्हें समझाईश दी एवं गणेश पंडाल पंडाल लगाने माननीय एनजीटी और छत्तीसगढ़ शासन एवं रायपुर जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमो एवं जारी किये गए दिशा– निर्देशो का पूर्ण पालन करने कहा।

टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत सडक पर कब्जा करने वालो से ई चालान वसूला गया

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देशानुसार रायपुर नगर निगम क्षेत्र जोन कमांक 3 अंतर्गत जीई रोड में तेलीबांधा से मरीन ड्राइव तक नगर निगम जोन 3 नगर निवेश विभाग नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उडनदस्ता टीम और पुलिस कमिश्नरेट जोन क्षेत्र की टीम ने जनहित में जनसुविधा हेतु नागरिको को जीई मार्ग पर सुगम और सुव्यवस्थित यातायात उपलब्ध करवाने अभियान चलाकर कार्रवाई की और नागरिको की सुविधा की दृष्टि से तेलीबांधा से मरीन ड्राइव तक के मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त करवाया और नागरिको को त्वरित राहत इससे प्राप्त हुई। नगर निगम जोन 3 नगर निवेश विभाग, नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उडनदस्ता और रायपुर पुलिस कमिश्नरेट यातायात विभाग की टीम ने टीम प्रहरी अभियान के तहत तेलीबांधा से मरीन ड्राइव तक सडक को अतिक्रमण से मुक्त करवाया एवं सडक पर सामान रखकर व्यवसायरत सडक के कब्जाधारी दुकानदारो से स्थल पर तत्काल कुल 25000 रू. का ई चालान नागरिको को राजधानी शहरी यातायात उपलब्ध करवाने टीम प्रहरी अंतर्गत टीम प्रहरी अभियान आगे भी निरंतर मुख्य मार्गों में सतत जारी रहेगा।

जर्जर भवनो पर नोटिस चस्पा कर फोटोग्राफी विडियोग्राफी कराने एवं भवन स्वामियों से क्षतिपूर्ति शपथ पत्र प्राप्त करने के निर्देश

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर अपर आयुक्त नगर निवेश पंकज के. शर्मा ने रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 10 जोनों के जोन कमिश्नरों को जोन अंतर्गत जर्जर भवनो पर नोटिस चस्पा कर फोटोग्राफी विडियोग्राफी कराने एवं भवन स्वामियों से क्षतिपूर्ति शपथ पत्र प्राप्त करने के संबंध में निर्देश दिये है। नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के आदेशानुसार जर्जर भवन को नोटिस देने एवं कार्रवाई का अधिकार जोन स्तर पर प्रदान किया गया है। रायपुर निगम क्षेत्र अंतर्गत जर्जर भवनो से होने वाली संभावित दुर्घटनाओं और जन धन की हानि को रोकने हेतु जनसुरक्षा की दृष्टिकोण से समस्त जोन अंतर्गत स्थित सभी जर्जर एवं खतरनाक भवनो के विरूद्ध कार्रवाई करना अत्यंत जर्जर भवन के मालिक से स्टांप पेपर पर नोटरीकृत शपथ पत्र अनिवार्य रूप से लेने के निर्देश सभी जोन कमिश्नरो को दिये गये है (

राज्य शासन के निर्देशानुसार श्रीगणेश पंडाल की अनुमति लेने नियमो का पालन करने कहा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर पालिक निगम जोन 6 जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव के मार्गनिर्देशन और कार्यपालन अभियंता दिनेश सिन्हा, जोन 6 उप अभियंता सागर ठाकुर, अंकुर अग्रवाल सहित पुलिस कमिश्नरेट के जोन क्षेत्र अधिकारियों की उपस्थिति में गणेश पंडाल संतोषी नगर मार्ग, नया और पुराना धमतरी रोड, टिकरापारा चौक के पास सडक पर गणेश पंडाल लगाये जाने की जानकारी मिलते ही तत्काल स्थल पर पहुंचकर जोन 6 अभियंताओं ने संबंधित गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारियों से चर्चा कर उन्हें सडक पर गणेश उत्सव मनाने पंडाल ना लगाने को लेकर समझाईश दी । नगर निगम जोन 6 जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव के मार्गनिर्देशन में जोन 6 स्थल पर पहुंचकर उन्हें समझाईश दी एवं इस संबंध में गणेश उत्सव पंडाल लगाने माननीय एनजीटी और राज्य शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमो एवं जारी दिशा– निर्देशो का पूर्ण पालन करने कहा। जोन 6 जोन की जानकारी देने कहा और इसमें छत्तीसगढ़ शासन और जिला प्रशासन द्वारा नियमानुसार निर्धारित प्रक्रियाओं और नियमों का पालन करने कहा ।

लेख समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शनिवार, 12 सितम्बर 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

पनीर का अर्थशास्त्र

एक समय देश में विशिष्ट खाद्य पदार्थ माने जाने वाले पनीर को लेकर आज गहराता अविश्वास चिंता की बात है। मुनाफे के लिये उपभोक्ता के विश्वास से खिलवाड़ का यह धंधा पूरे देश में खूब चल रहा है। दिल्ली में सामने आया नकली पनीर का मामला इसी कड़ी का एक हिस्सा है। निस्संदेह, ये मामले हमारी खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की एक बड़ी कमजोरी को ही उजागर करते हैं। ये विडंबना ही है कि किसी उत्पाद की लागत, उसमें प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं और ग्राहक को इस बाबत दी जाने वाली जानकारी में अकसर विरोधाभास पाया जाता है। देश में एनालॉग पनीर की धड़ल्ले से बिक्री के पीछे भी मुनाफे का प्रलोभन ही है। जिसमें वेजिटेबल फैट,स्टार्च, प्लांट प्रोटीन और गैर डेयरी उत्पादों को मिलाया जाता है। दरअसल, यह पनीर, असली दूध वाले पनीर की तुलना में काफी सस्ता होता है और उत्पादकों के मुनाफे को बढ़ाता है। जानकारों का अनुमान है कि कीमतों का यह अंतर चालीस से पचास फीसदी तक हो सकता है। ऐसे में जब रेस्टोरेंट,कैटरर और खाने-पीने के दूसरे कारोबार कम मुनाफे पर करते हैं तो महंगे पनीर के जगह सस्ता पनीर इस्तेमाल करने का लालच होना एक स्वाभाविक बात है। दरअसल, इसका मतलब यह कतई नहीं है कि हर एनालॉग प्रोडक्ट वास्तव में खाने की दृष्टि से असुरक्षित ही होता है। वास्तव में मुख्य समस्या धोखा देने की है। यदि किसी डेयरी पदार्थों से मुक्त विकल्प की पहचान स्पष्ट तौर पर एनालॉग पनीर के तौर पर की जाती है, तो ग्राहक सोच-समझकर उसको खरीदने के बारे में फैसला स्वतंत्र रूप से ले सकते हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात इसको लेकर ईमानदारी न होना है। जब विक्रेता इसे दूध का पनीर बताकर बेचने लगते हैं तो उपभोक्ता निर्णय नहीं ले पाते। ऐसे में असली पनीर वाली पौष्टिकता उन्हें नहीं मिल पाती। निर्विवाद रूप से इस मामले में रेस्टोरेंट सबसे कमजोर कड़ी के रूप में सामने आते हैं। जिनका मुख्य मकसद अपने मुनाफे को प्राथमिकता देना ही होता है।

वास्तव में जब भी कोई रेस्टोरेंट अपने किचन में एनालॉग पनीर आदि का इस्तेमाल करना शुरू करता है और उससे कोई व्यंजन बना लेता है तो ग्राहक नहीं समझ पाता है कि असली पनीर है या नकली पनीर है। देश के खाद्य पदार्थों का नियमन करने वाली संस्था एफएसएसएआई ने फूड-सर्विस देने वाले संस्थानों को स्पष्ट निर्देश दे रखे हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि पनीर वाली डिश में एनालॉग पनीर का इस्तेमाल ग्राहकों को सही जानकारी दिए बिना न किया जाए। इस विवाद के चलते देश के कई राज्यों ने कृत्रिम पनीर के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। पंजाब सरकार ने इसके बनाने, संग्रहण करने, ट्रांसपोर्ट करने, बांटने और पनीर के नाम पर बेचने पर एक साल के लिये रोक लगा दी है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि एनालॉग पनीर के खिलाफ छापेमारी और उस पर प्रतिबंध लगाने मात्र से यह समस्या हल नहीं होने वाली है। दरअसल, नियामकों को उन आर्थिक कारणों पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा।

नशे की गिरफ्त में भारत : करोड़ों लोग कर रहे ड्रग्स का इस्तेमाल, युवाओं पर सबसे बड़ा संकट

भारत में 10 से 75 वर्ष की आयु वर्ग के बीच लगभग 16 करोड़ लोग शराब का सेवन करते हैं, जिनमें से 5.7 करोड़ से अधिक लोगों को तत्काल चिकित्सीय उपचार की आवश्यकता है। वहीं, लगभग 3.1 करोड़ लोग भांग, गांजा या चरस जैसे कैनबिस उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति ओपियोइड्स (अफीम, हेरोइन और सिंथेटिक ड्रग्स) के मामले में है। भारत में ओपियोइड का उपयोग वैश्विक औसत से लगभग तीन गुना अधिक है। देश में करीब 2.26 करोड़ ओपियोइड उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से साठ लाख से अधिक लोग इस लत के गंभीर दुश्चक्र में फंस चुके हैं। इससे भी अधिक विचलित करने वाला तथ्य यह है कि देश के लगभग 1.7 फीसद बच्चे और किशोर (यानी करीब अठारह लाख बच्चे) 'इन्हेलेंट्स' यानी सूंघने वाले नशे जैसे थिनर, फ्लूइड, सरेष आदि के जाल में फंस चुके हैं।

उस व्यक्ति की त्रासदी का बस अंदाजा ही लगाया जा सकता है, जिसका बेटा नशे का आदी हो चुका है। इसी वजह से उसकी पढ़ाई छूट चुकी है और अब वह दिन भर कंप्यूटर गेम खेलता रहता है या दिन भर ट्रक के अड्डे पर जुआ खेलता रहता है। पिता इसलिए परेशान हैं कि वह अब उसके मादक पदार्थों पर भी हाथ साफ करने लगा है और उसे अपने बेटे के भविष्य का अनुमान है और अब वह इसी को लेकर फिक्रमंद है। हालांकि खुद पचास का पिता भी नशे के जाल में इस कदर फंसा हुआ है, उसके हाथ कांपने लगे हैं और वह ठीक से खड़ा भी नहीं हो पाता है।

बीते कुछ महीने के भीतर ऐसे मामले अब तेजी से बढ़ने लगे हैं। जिनका नशे की लत की वजह से सब कुछ बर्बाद हो चुका है, वैसे लोग अब परामर्श और आपात हस्तक्षेप तक के लिए मनोचिकित्सकों या काउंसलरों के पास पहुंचने लगे हैं। संकट की भयावहता के चलते केंद्र सरकार अब नशा मुक्त भारत अभियान की बात कर रही है और राज्यों के मुख्यमंत्री भी नशाखोरी के विरुद्ध बड़ी-बड़ी रैलियां कर रहे हैं। युवाओं को शपथ दिलवाया जा रहा है, स्कूल-कालेजों को नशे के विरुद्ध माहौल बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। वहीं नशे के खिलाफ लड़ाई के लिए पुलिस प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त किया जा रहा है तथा बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों के तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मगर इसी बीच यह खबर भी आती है कि पंजाब में एक ग्रामीण ने जब मादक पदार्थों की धड़ल्ले से आपूर्ति पर सवाल उठाया, तो उसे प्रताड़ित किया गया और आखिर उसने आत्महत्या कर ली। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा एम्स के 'नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर' के सहयोग से जारी की गई आधिकारिक रिपोर्ट 'मैग्नीट्यूड आफ सब्सटेंस यूज इन इंडिया' के आंकड़े यह स्पष्ट करते हैं कि मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री और नशे की समस्या अब केवल कुछ महानगरों या सीमावर्ती क्षेत्रों तक सीमित नहीं रही। यह एक सर्वव्यापी राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल और सामाजिक संकट का रूप ले चुकी है। हाल के वर्षों में एमडीएमए, मेथमफेटामाइन और अवैध दवाओं (सिंथेटिक ओपियोइड्स) की मांग और जब्ती में आया भारी उछाल यह साबित करता है कि नशे का बाजार अब पारंपरिक से बदलकर अत्यधिक घातक रासायनिक स्वरूप अख्तियार कर चुका है। मादक पदार्थों की यह विभीषिका पूरे देश में फैली है, लेकिन भौगोलिक और सामरिक कारणों से कुछ राज्य इसके गढ़ बन गए हैं। मिजोरम, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और मणिपुर जैसे उत्तर-पूर्वी राज्य ओपियोइड और नशीली दवाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। दूसरी ओर, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सिंथेटिक मादक पदार्थों और हेरोइन का एक बड़ा केंद्र बन चुका है। दरअसल, भारत दुनिया के दो सबसे बड़े अवैध अफीम उत्पादक क्षेत्रों के बीच फंसा हुआ है। इसके पश्चिम में 'गोल्डन क्रिसेंट' (पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान) है और पूर्व में 'गोल्डन ट्रायंगल' (म्यांमार, लाओस और थाईलैंड) है। इससे भारत न केवल मादक पदार्थों की तस्करी के लिए एक प्रमुख 'ट्रांजिट रूट' बना, बल्कि धीरे-धीरे एक विशाल उपभोक्ता बाजार में भी तब्दील हो गया। वर्तमान में डार्कवेब, क्रिप्टोकरेंसी और ड्रोन तकनीक के माध्यम से होने वाली उच्च-तकनीक तस्करी के संजाल ने इस चुनौती को कई गुना बढ़ा दिया है। नशे की लत से पीड़ित व्यक्ति को केवल एक 'अपराधी' या 'चरित्रहीन' के चश्मे से देखना हमारी भूल होगी। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार मादक पदार्थों या ड्रग की लत एक मानसिक बीमारी है। शुरुआत में युवा वर्ग गलाकाट प्रतिस्पर्धा, करिअर की अनिश्चितता, बेरोजगारी जनित अवसाद या सहकर्मियों के दबाव के कारण अनजाने में इस दलदल में कदम रखता है, लेकिन धीरे-धीरे रासायनिक निर्भरता के कारण व्यक्ति का अपने मस्तिष्क पर नियंत्रण नहीं रहता। जब कोई व्यक्ति इस लत से बाहर निकलना चाहता है, तो सबसे बड़ी बाधा 'विड्राल सिम्प्टम्स' यानी तड़प और शारीरिक कष्ट तथा समाज में व्याप्त 'सामाजिक लांछन' बनते हैं। सामाजिक बहिष्कार के डर से पीड़ित या उसका परिवार समय पर मदद मांगने या नशामुक्ति केंद्र जाने से कतराता है। परिणामत: यह समस्या बंद कमरों के भीतर ही सुलगती रहती है और आखिरकार आत्महत्या या गंभीर अपराधों के रूप में सामने आती है। महंगी लत को पूरा करने के लिए युवा वर्ग चोरी, झपटमारी और यहां तक कि जघन्य अपराधों की राह पकड़ लेता है। इस महामारी से निपटने के लिए वर्तमान में आपूर्ति, मांग और नुकसान में कमी की त्रिआयामी रणनीति पर काम किया जा रहा है। एक ओर कड़े एनडीपीएस अधिनियम के तहत तस्करों की गिरफ्तारियां कर संपत्तियां कुर्क की जा रही हैं, तो दूसरी ओर देश में सरकारी ओर मान्यता प्राप्त नशामुक्ति केंद्रों की संख्या बढ़ा कर 780 से अधिक की गई है, जिनके माध्यम से 8.20 लाख से अधिक लोगों को इलाज और पुनर्वास का लाभ मिल चुका है। मगर कड़े कानूनों और पुलिसिया कार्रवाइयों की अपनी एक सीमा है। वे केवल आपूर्ति को बाधित कर सकते हैं। जब तक समाज के भीतर से नशीले पदार्थों की मांग समाप्त नहीं होगी, यह जंग अधूरी रहेगी। हमें 'जेल नहीं, इलाज' और 'सहानुभूति, न कि तिरस्कार' के सिद्धांत को अपनाना होगा। उत्तराखंड के देहरादून में एक गांव की महिलाओं ने जिस तरह मोर्चा थामा है, वह काबिले-तारीफ है। प्राथमिक स्तर पर ही स्कूलों और कालेजों में नियमित जांच और पेशेवर काउंसलरों की नियुक्ति अनिवार्य होनी चाहिए। खेलकूद, कला और रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देकर युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देना आवश्यक है। सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका परिवार की है। माता-पिता को अपने बच्चों के साथ भावनात्मक संवाद स्थापित करना होगा, ताकि बच्चे तनाव के क्षणों में मादक पदार्थ के बजाय परिवार का सहारा लें। सरकार, नागरिक समाज, मीडिया और परिवारों को एकजुट होकर 'नशे के विरुद्ध और जिंदगी को हां' का नारा बुलंद करना होगा।

बच्चों को बेहतर जिंदगी देने की चाह में छोटा हुआ परिवार, क्या बुजुर्गों का संसार भी सिमट गया?

माता-पिता जब बच्चे को बड़ा करते हैं, तो उनके सामने सबसे बड़ा सवाल यह नहीं होता कि आगे चलकर बच्चा उनके लिए क्या करेगा। उनकी चिंता यह होती है कि बच्चे को वह सब मिल जाए, जो वे उसे देना चाहते हैं। जो सुविधाएं उन्हें नहीं मिलीं, वे बच्चे को मिलें। जिस रास्ते पर उन्हें मुश्किलें आईं, बच्चे के लिए वह रास्ता कुछ आसान हो। शायद इसी इच्छा ने परिवारों की सोच भी बदली है। दो बच्चों के छोटे परिवार के बाद अब एक-संतान परिवार की धारणा भी इसी बदलाव का हिस्सा है। एक बच्चा हो, तो उसकी पढ़ाई-लिखाई पर अधिक खर्च किया जा सकता है, उसकी पसंद और जरूरतों को समझने के लिए अधिक समय दिया जा सकता है और उसके बेहतर भविष्य की तैयारी की जा सकती है। एक बच्चे को अधिक अवसर देने की इच्छा आज बहुत-से माता-पिता के फैसलों में दिखाई देती है। इसमें कुछ अस्वाभाविक भी नहीं है। मगर सवाल यह है कि परिवार छोटा होने के साथ क्या बच्चे का अपना संसार भी कुछ छोटा हो जाता है? एक समय घर में भाई-बहन होते थे और रिश्तेदारों की आवाजाही भी बनी रहती थी। दादा-दादी के पास बैठना, चाचा-चाची से झगड़ना, मामा-मौसी के घर जाना- इन सबका अपना महत्त्व था। बच्चा इन्हीं संबंधों के बीच बड़ा होता था। उसे समझने में ज्यादा समय नहीं लगता था कि हर बात अपनी इच्छा के अनुसार नहीं होती। कभी किसी की सुननी पड़ती थी, कभी अपनी चीज बांटनी पड़ती थी और कभी बिना किसी खास कारण के किसी के काम आना पड़ता था। एक बच्चे वाले परिवार में माता-पिता का ध्यान स्वाभाविक रूप से उसी पर अधिक रहता है। उसकी पढ़ाई, स्वास्थ्य,

पसंद और भविष्य घर की बातचीत का बड़ा हिस्सा बन जाते हैं। कभी-कभी माता-पिता अपनी अधूरी इच्छाओं को भी बच्चे के भविष्य से जोड़ देते हैं। बच्चा सफल होता है तो लगता है जैसे उनकी मेहनत सफल हुई। फिर वही बच्चा बड़ा होकर अपनी राह पर निकलता है। पढ़ाई के लिए बाहर जाता है, नौकरी दूसरे शहर में मिलती है और फिर अपनी गृहस्थी तथा जिम्मेदारियों में व्यस्त हो जाता है। माता-पिता उसके आगे बढ़ने से खुश होते हैं। आखिर उन्होंने उसे रोकने के लिए तो नहीं पाला था! बच्चों की जिंदगी जितनी फैलती जाती है, कई बार माता-पिता का संसार उतना ही सिमटता जाता है। फोन है, वीडियो काल है, कभी त्योहार पर मुलाकात हो जाती है। जरूरत हो, तो पैसे भेज दिए जाते हैं। बीमारी में डाक्टर से सलाह भी मिल जाती है। बहुत-सी चीजें आसान हुई हैं। फिर भी उम्र के एक पड़ाव पर शायद इंसान को केवल सुविधा नहीं, किसी अपने की मौजूदगी की जरूरत भी होती है। हाल में एक बुजुर्ग पिता की मृत्यु से जुड़ी एक घटना सामने आई। उनकी संतानें अपने-अपने जीवन में दूर थीं और अंतिम समय में उनके पास पहुंच पाना संभव नहीं हुआ। आर्थिक मदद और वीडियो काल के जरिए अंतिम विदाई की बात सामने आई। यह घटना एक सवाल छोड़ती है कि क्या रिश्तों की जगह धीरे-धीरे व्यवस्थाएं ले रही हैं? किसी बुजुर्ग की दवा का इंतजाम किया जा सकता है। पैसे भेजे जा सकते हैं। किसी देखभाल करने वाले को रखा जा सकता है। यह सब जरूरी भी है, लेकिन इन सबके बीच वह व्यक्ति कहां है, जो उसके पास बैठकर उसकी बात सुन सके? बीमारी का खर्च उठाना और बीमारी के समय पास बैठना एक ही बात नहीं है। तकनीक ने दूरियों को कम करने में बहुत मदद की है। आज हजारों किलोमीटर दूर बैठे बच्चे भी अपने माता-पिता को रोज देख सकते हैं, लेकिन स्क्रीन पर दिखाई देने वाला चेहरा और सामने बैठा हुआ व्यक्ति एक जैसा अनुभव नहीं देते। शायद इसलिए संपर्क बढ़ने के बावजूद अकेलापन हमेशा कम नहीं हुआ है। एकल-संतान परिवारों के संदर्भ में यह बात और महत्त्वपूर्ण हो जाती है। एक बच्चे के लिए माता-पिता बहुत कुछ कर पाते हैं। अपनी आय, समय और ध्यान का बड़ा हिस्सा उसी पर लगा सकते हैं, लेकिन आगे चलकर वही बच्चा अपनी दुनिया में व्यस्त हो जाए, तो माता-पिता के पास अपने भावनात्मक संसार को साझा करने वाले लोग भी कम हो सकते हैं। यह एक बच्चे के होने की समस्या नहीं, बल्कि छोटे होते पारिवारिक दायरे की एक चुनौती है। जीवन बदल चुका है। लोगों के रहने और काम करने के तरीके बदल गए हैं। मगर रिश्तों का अर्थ शायद इतना नहीं बदला है कि उनमें उपस्थिति की जरूरत ही न रहे। माता-पिता अगर बच्चे को अपना पूरा संसार बना लें, तो उसके दूर जाने पर उनका अकेलापन बढ़ सकता है।

भूमिगत संरचना का मानचित्रण : संपूर्ण प्रणाली और संपूर्ण सरकार दृष्टिकोण के ज़रिए किस प्रकार आईसीएआर की 'मृदा आसूचना' भारत के विशाल अवसंरचना विस्तार को नया रूप दे रही है

एम.एल. जाट

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग के सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक

एन.जी. पाटिल

आईसीएआर-राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो (एनबीएसएस एवं एलयूपी), नागपुर के निदेशक

भारत अभूतपूर्व और ऐतिहासिक गति से अपने डिजिटल, फिजिकल (भौतिक) और फिजिटल (फिजिकल+डिजिटल) भविष्य का निर्माण कर रहा है। देश हर वर्ष औसतन 4.5 लाख से अधिक रूट किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क का विस्तार कर रहा है, जबकि साथ ही लगभग 11,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण और 6,500 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण किया जा रहा है और हर वर्ष लगभग 5,000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक जोड़े जा रहे हैं। इस व्यापक विस्तार का अर्थ है कि देशभर में डिजिटल कनेक्टिविटी के 22.8 लाख किलोमीटर के आश्चर्यजनक विस्तार वाले बहुवर्षीय राष्ट्रीय विस्तार के साथ-साथ, देश प्रतिदिन लगभग 30 किलोमीटर राजमार्ग और 12 से 15 किलोमीटर नई रेल लाइनों का निर्माण कर रहा है। फिर भी, जैसे-जैसे ये विस्तृत परिवहन गलियारे, अल्ट्रा-मेगा सौर पार्क और विशाल डिजिटल नेटवर्क विस्तार पा रहे हैं, कृषि विज्ञान के नेतृत्व में एक शांत तकनीकी सहयोग भूमि की सतह के ठीक नीचे हो रहा है। बड़े परियोजनाओं के लिए बोली लगाने वालों को अक्सर पहले से मिट्टी की खुदाई की लागत का अनुमान तैयार करना पड़ता है, भले ही पहले से कोई भूवैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध न हो। चूंकि परियोजनाओं की निविदा प्रक्रिया की समय-सीमा बहुत कम होती है, इसलिए त्वरित और विश्वसनीय मृदा संबंधी आंकड़े इस जोखिम को काफी हद तक कम कर सकते हैं-विशेषकर तब, जब परियोजना भारत के बाहर स्थित हो और स्थानीय भू-भाग संबंधी आंकड़ों तक पहुंच कठिन हो। इसके अलावा, बोली जीतने के बाद, परियोजना क्रियान्वयन-कर्ताओं को बार-बार आने वाली करोड़ों रुपये की समस्या का सामना करना पड़ता है: नरम मिट्टी में आसानी से खुदाई करते हुए इंजीनियरिंग दल अचानक भूमिगत चट्टान की कठोर दीवार से टकरा जाता है, या भ्रामक काली कपास मिट्टी पर बनाई गई नई सड़क में दरारें पड़ने लगती हैं और वह उखड़ने लगती है। काम रुक जाता है, मशीनरी बेकार खड़ी रहती है और परियोजना की लागत आसमान छूने लगती है। इस महत्वपूर्ण सूचना अंतराल को पाटने के लिए, नागपुर स्थित आईसीएआर-राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो (एनबीएसएस एवं एलयूपी) के वैज्ञानिकों ने एक क्रांतिकारी प्रतिमान विकसित किया है: मृदा आसूचना-आधारित पूर्वानुमानात्मक इंजीनियरिंग। दशकों से उपलब्ध मृदा विज्ञान संबंधी आंकड़ों को उन्नत मशीन लर्निंग के साथ जोड़कर, आईसीएआर बुनियादी ढांचा योजनाकारों को जमीन में पहली फावड़ी लगने से पहले ही पृथ्वी के बारे में 'एक्स-रे दृष्टि' प्रदान कर रहा है-यह सिद्ध करते हुए कि कृषि अनुसंधान खेतों से कहीं आगे राष्ट्रीय विकास का एक आधारभूत चालक है।

गति और विस्तार की अनदेखी की गई चुनौतियां : भारत में वर्तमान अवसंरचना विस्तार की अत्यधिक तीव्र गति के कारण पारंपरिक नियोजन स्वयं एक बाधा बन गया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल डिजिटल फुटप्रिंट लगभग 19.35 लाख रूट किलोमीटर से बढ़कर 42.36 लाख रूट किलोमीटर से अधिक हो गया है, जो कई वर्षों में हुए व्यापक विस्तार को दर्शाता है। इसी हालिया पांच-वर्षीय अवधि में, देश ने 57,125 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है। इसी दौरान, भारतीय रेलवे ने 33,000 से अधिक रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण किया है, जो औसतन लगभग 6,600 किलोमीटर प्रतिवर्ष है और ब्रॉड गेज नेटवर्क के विद्युतीकरण को लगभग 99.6% तक पहुंचाता है, जिसकी दर प्रतिदिन 15 से अधिक रूट किलोमीटर के विद्युतीकरण की है। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में, भारत ने अपनी प्रमुख सौर योजना के तहत 54 से 56 बड़े पैमाने के सौर पार्कों को मंजूरी दी है, जिनकी स्वीकृत क्षमता लगभग 39.5 गीगावाट है, जिससे 100 से अधिक सार्वजनिक और निजी पार्कों में कुल ग्राउंड-माउंटेड सौर क्षमता 122 गीगावाट से अधिक हो गई है।

इन विशाल कार्यों में शामिल कई सरकारी और निजी एजेंसियां-चाहे वे भूमिगत संचार लाइनों को बिछाने, विद्युत पारेषण टावर खड़े करने या विशाल सौर संरचनाओं को आधार प्रदान करने का काम कर रही हों-सटीक भूमिगत आंकड़ों पर अत्यधिक निर्भर रहती हैं। फिर भी, पारंपरिक प्रारंभिक भू-तकनीकी सर्वेक्षण में काफी समय और लागत लगती है। चूँकि, परियोजनाएं इतनी तेजी से आगे बढ़ रही हैं, ये महत्वपूर्ण मृदा जांच अक्सर छोड़ दी जाती हैं या सीमित कर दी जाती हैं। इसका परिणाम अनिश्चित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), भ्रामक लागत अनुमान और बोलीदाताओं के लिए गंभीर वित्तीय जोखिम।

कृषि-अवसंरचना संबंध : आईसीएआर-एनबीएसएस एवं एलयूपी ने इस सूचना-अंतराल को एक प्रमाणित, समय-परीक्षित प्रौद्योगिकी के माध्यम से दूर किया है, जो पूरे भारत और कई अन्य देशों में काम करती है। उपग्रह रिमोट सेंसिंग और मशीन लर्निंग का उपयोग करके, आईसीएआर स्थल-विशिष्ट भू-तकनीकी मृदा गुणों, जैसे मृदा की गहराई, अंतिम वहन क्षमता (सिविल इंजीनियरिंग संरचना को सहारा देने में निर्णायक कारक), स्थू,ल घनत्व आदि का पूर्वानुमान लगाता है, जिसके लिए भूमि की धीमी, महंगी और विघटनकारी ड्रिलिंग की आवश्यकता नहीं होती।

यह पद्धति पूरी तरह स्वचालित पाइपलाइन के अंतर्गत बहु-स्रोत भू-स्थानिक इनपुट पर मशीन-लर्निंग रिग्रेशन मॉडल का उपयोग करती है। उपग्रह चित्रों, डिजिटल एलिवेशन मॉडल, भू-भाग की ढलान संबंधी व्युत्पन्न आंकड़ों, लिथोलॉजी और भूजल स्तर को संसाधित करके, आईसीएआर का मृदा वर्गीकरण इंजन सटीक, स्थल-विशिष्ट पूर्वानुमान तैयार करता है। यह प्रणाली मृदा की गहराई (नरम, कठोर या मिश्रित परतों की गहराई) और अन्य मापदंडों का सटीक पूर्वानुमान लगाती है। इन मापदंडों का उपयोग इंजीनियरिंग एजेंसियों द्वारा प्रारंभिक भू-तकनीकी डिजाइन, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने और बोली-पूर्व लागत अनुमान के लिए सीधे किया जाता है। पारंपरिक क्षेत्र सर्वेक्षणों की तुलना में, यह डिजिटल समाधान लागत और समय दोनों में 75% की कमी करता है। तीन सदस्यों की एक छोटी टीम प्रतिदिन लगभग 1,000 किलोमीटर लंबे मार्ग को संसाधित कर सकती है, जिससे यह बड़े पैमाने पर, समयबद्ध राष्ट्रीय नियोजन के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बन जाता है। भारतभर में 50,000 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में इस पूर्वानुमानात्मक दृष्टिकोण का सत्यापन करने के बाद, क्षेत्र में सत्यापित आंकड़ों के मुकाबले लगभग 80% की पूर्वानुमान सटीकता (ऋ मान लगातार 0.78 से अधिक) प्राप्त हुई है, यहां तक कि कम आंकड़ों वाले क्षेत्रों में भी। अब इन परिकलन विधियों (एल्गोरिदम) को मानकीकृत कर दिया गया है।

वैश्विक उपस्थिति और वाणिज्यिक विश्वसनीयता : इस प्रणाली का भारत के अत्यंत विविध भौगोलिक क्षेत्रों में कठोर क्षेत्र-परीक्षण किया गया है-उत्तराखंड और असम के हिमालयी पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर राजस्थान के थार मरुस्थल तथा दक्कन के पठार और सिंधु-गंगा के मैदानों तक। क्षेत्रीय आंकड़ों के आधार पर मानकीकृत की गई यह प्रौद्योगिकी अब राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़ चुकी है। प्रमुख सार्वजनिक और निजी अवसंरचना कंपनियां भारत और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में 2,00,000 से अधिक रूट-किलोमीटर का मानचित्रण करने के लिए इस प्रणाली को अपना चुकी हैं, जिससे आईसीएआर के अनुसंधान पारितंत्र के लिए संसाधन जुटाने के साथ-साथ बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की बचत भी हो रही है और भारतीय कंपनियों को आगे बढ़ने तथा वैश्विक कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाया जा रहा है। अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड, स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड और केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड सहित प्रमुख वैश्विक अवसंरचना कंपनियों ने इस समाधान को अपनाया है। केईसी इंटरनेशनल जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनी, जो 100 से अधिक देशों में पारेषण लाइनों को डिजाइन और इनका निर्माण करती है, के लिए मृदा संबंधी आंकड़े वित्तीय अस्तित्व के लिए एक महत्वपूर्ण निर्धारक हैं। नींव संबंधी गतिविधियां और परियोजना जोखिम पूरी तरह से मृदा के प्रकार पर निर्भर करते हैं। ऐसे उद्योग में जहां 6,000 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व आधार पर मार्जिन में मामूली 0.1% की कमी भी 6 करोड़ रुपये के वार्षिक नुकसान में बदल जाती है, सटीक मृदा आसूचना अत्यंत महत्वपूर्ण है। संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, नाइजर, रूस, केन्या, मोरक्को, मोल्दोवा, मैक्सिको, मलेशिया, अबू धाबी, नेपाल, बांग्लादेश और ट्यूनीशिया जैसे भौगोलिक रूप से जटिल देशों में पारेषण लाइन परियोजनाओं के लिए बोली लगाते समय, मृदा संबंधी आंकड़ों की कमी या वास्तसविक स्थिति का निष्प क्ष/सही प्रतिनिधित्वद न करने वाले आंकड़े लाभप्रदता को प्रभावित कर सकते हैं। आईसीएआर की प्रौद्योगिकी विश्वसनीय तृतीय-पक्ष सत्यापन प्रदान करती है, जो ग्राहकों या परियोजना प्रबंधकों द्वारा मृदा की स्थिति के संबंध में किए गए दावों की जांच के लिए एक निष्पक्ष सत्यापनकर्ता के रूप में कार्य करती है, जिससे बोली लगाने में विश्वास बढ़ता है। छोटी लागत वाली निविदाओं के मामले में, जहां समय या वित्तीय सीमाओं के कारण भौतिक सर्वेक्षण संभव नहीं होते, यह पूर्वानुमानात्मक आंकड़ा इस कमी को पूरा करता है।

राष्ट्रीय प्रगति की प्रेरक : इस आंकड़े और विश्लेषण की सफलता ने अवसंरचना क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों को आईसीएआर की प्रौद्योगिकी को विभिन्न व्यावसायिक इकाइयों में व्यापक रूप से लागू करने के लिए प्रेरित किया है, जिससे इसकी उपयोगिता विद्युत पारेषण लाइनों से आगे बढ़कर रेलवे, सौर ऊर्जा प्रतिष्ठानों और भूमिगत केबलिंग तक विस्तृत हो गई है। उन्नत मृदा विज्ञान का उपयोग करके राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निर्माण गलियारों के जोखिम को कम करते हुए, कृषि अनुसंधान ने स्वयं को भारत की व्यापक आर्थिक वृद्धि के एक अपरिहार्य चालक के रूप में सिद्ध कर दिया है। यह प्रौद्योगिकी दर्शाती है कि मृदा विज्ञान में निवेश केवल देश का पेट नहीं भरता, बल्कि उसके वैश्विक भविष्य की आधारशिला भी तैयार करता है।

इस सफलता के आधार पर, आईसीएआर के वैज्ञानिक अब 90 मीटर रिजॉल्यूशन वाले मृदा गहराई मानचित्र और हाल ही में इसी रिजॉल्यूशन वाले मृदा बनावट मानचित्र जैसे पूर्वानुमानात्मक डिजिटल मृदा मानचित्र भी आत्मविश्वास के साथ तैयार कर रहे हैं। ये मानचित्र निकट भविष्य में भारत को डिजिटल कृषि की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ाएंगे, विशेष रूप से भारत के किसानों को भूखंड-विशिष्ट समाधान उपलब्ध कराने में।

सेवा संकल्प अभियान और राष्ट्रीय पोषण माह की गतिविधियों की मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने की समीक्षा

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज खैरागढ़ स्थित कलेक्ट्रेट सभाकक्ष से महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती शहला निगार एवं संचालक डॉ. रेणुका श्रीवास्तव सहित प्रदेश के सभी जिलों के जिला कार्यक्रम अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभागीय बैठक ली। बैठक में सेवा संकल्प अभियान तथा 9वें राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत प्रदेशभर में

संचालित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अभियानों को जनभागीदारी से जोड़ते हुए प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जनसेवा की भावना को मजबूत करने के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास और सेवा कार्यों से जोड़ना है। उन्होंने अधिकारियों को अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने तथा सेवा की भावना को जन–जन तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

उन्होंने 9वें राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत 卐हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी卐 की भावना के अनुरूप आंगनबाड़ी केंद्रों को पोषण, स्वास्थ्य, देखभाल और प्रारंभिक बाल विकास की गतिविधियों का प्रभावी केंद्र बनाने पर जोर दिया। मंत्री ने बच्चों, माताओं एवं महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार के लिए आहार विविधता, पर्याप्त प्रोटीन, संतुलित आहार एवं स्थानीय पोषण स्त्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। राजवाड़े ने कहा कि पोषण संबंधी अभियानों की सफलता केवल विभागीय गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों और स्थानीय समुदाय को जोड़कर पोषण जागरूकता की गतिविधियों को व्यापक स्वरूप देने के निर्देश दिए। बैठक में जिलों में संचालित पोषण एवं जनभागीदारी संबंधी गतिविधियों की प्रगति की जानकारी ली गई तथा आगामी दिनों में आयोजित होने वाली गतिविधियों की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दोनों अभियानों की गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए इनके उद्देश्यों और संदेश को प्रदेश के प्रत्येक गांव और परिवार तक पहुंचाया जाए।

रायपुर व गरियाबंद जिले की 4 सिंचाई योजनाओं के लिए 16.03 करोड़ स्वीकृत

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग ने किसानों को सिंचाई सुविधा का बेहतर लाभ देने के उद्देश्य से रायपुर और गरियाबंद जिले की चार प्रमुख सिंचाई योजनाओं के लिए 16 करोड़ 03 लाख 38 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है। यह स्वीकृति जल संसाधन विभाग मंत्रालय (महानदी भवन) द्वारा मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रदान की गई है।

स्वीकृत राशि से नहरों की लाइनिंग, मरम्मत और जीर्णोद्धार के कार्य कराए जाएंगे, जिससे क्षेत्र में जल प्रबंधन में सुधार होगा और कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। स्वीकृत योजनाओं में गुजरा व्यपवर्तन योजना (रायपुर) के लिए 4 करोड़ 99 लाख 15 हजार रूपए स्वीकृत किया गया हैं, इस स्वीकृत राशि से नहर लाइनिंग एवं जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण होने पर 141 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। इसी तरह पतोरा व्यपवर्तन योजना (गरियाबंद) के लिए स्वीकृत राशि 2 करोड़ 2 लाख 50 हजार रूपए से शीर्ष जीर्णोद्धार एवं नहर लाइनिंग कार्य से 84.27 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई जल का लाभ मिलेगा।

29वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता के लिए दुर्ग वृत्त स्तरीय चयन ट्रायल संपन्न

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

29वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता 2026 के लिए दुर्ग वृत्त स्तरीय खिलाड़ियों के चयन एवं ट्रायल की प्रक्रिया आज दुर्ग में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के चयन के लिए विभिन्न खेल विधाओं में वन विभाग के अधिकारी–कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। चयन ट्रायल का शुभारंभ मुख्य वन संरक्षक, दुर्ग वृत्त श्रीमती एम. मर्सीबेला तथा वनमंडलाधिकारी दुर्ग चंद्र कुमार अग्रवाल द्वारा किया गया। अधिकारियों ने प्रतिभागी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। खेलों में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम दुर्ग के प्रथम

दुर्ग वृत्त के छह वनमंडलों के करीब 200 अधिकारी–कर्मचारियों ने लिया हिस्सा

दुर्ग वृत्त के छह वनमंडलों के करीब 200 अधिकारी-कर्मचारियों ने लिया हिस्साविभिन्न खेल विधाओं में प्रतिभागियों ने दिखाया दमखम, चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में करेंगे प्रतिनिधित्व

वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल मैदान में विभिन्न मैदानी खेलों के लिए चयन ट्रायल आयोजित किए गए। यहां एथलेटिक्स, गोला फेंक, तवा फेंक, लंबी कूद, ऊंची कूद, वॉलीबॉल और क्रिकेट सहित अन्य खेल विधाओं में खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा और शारीरिक दक्षता का प्रदर्शन किया।

इनडोर खेलों और तैराकी के लिए भी हुआ चयन

वन परिसर, दुर्ग में इनडोर खेलों की चयन प्रक्रिया आयोजित की गई। इसमें शतरंज, कैरम, टेबल टेनिस और बैडमिंटन के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वहीं जटार क्लब में तैराकी के खिलाड़ियों का चयन ट्रायल आयोजित किया गया।

छह वनमंडलों के करीब 200 अधिकारी-कर्मचारी हुए शामिल

दुर्ग वृत्त स्तरीय चयन प्रक्रिया में दुर्ग वृत्त कार्यालय, दुर्ग वनमंडल कार्यालय सहित दुर्ग, राजनांदगांव, खैरागढ़, कवर्धा, मोहला और बालोद वनमंडल के लगभग 200 वन अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। विभिन्न खेल विधाओं में प्रतिभागियों ने उत्साह और खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में करेंगे दुर्ग वृत्त का प्रतिनिधित्व

दुर्ग वृत्त स्तरीय ट्रायल के बाद चयनित खिलाड़ी आगामी राज्य स्तरीय चयन प्रतियोगिता में दुर्ग वृत्त का प्रतिनिधित्व करेंगे। राज्य स्तर पर चयनित खिलाड़ी आगे 29वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता 2026 में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे।

नारायणपुर के 13 हजार से अधिक स्कूली बच्चों को अब रोजाना मिलेगा मुफ्त पौष्टिक नाश्ता

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले क अबूझमाड़ के प्रवेश द्वार नारायणपुर में बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और नियमित शिक्षा की दिशा में एक नई और क्रांतिकारी शुरुआत हुई है। शैक्षणिक सत्र 2026–27 के तहत जिले के प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत 13 हजार से अधिक विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क पौष्टिक नाश्ता योजना का शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को कुपोषण से पूरी तरह मुक्त करने के उद्देश्य से पौष्टिक लड्डू वितरण कार्यक्रम की भी शुरुआत की गई। जिले के प्रभारी मंत्री श्री टंक राम वर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप ने इस दूरगामी पहल का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ किया और स्वयं अपने हाथों से नन्हे–मुन्ने बच्चों को स्वादिष्ट एवं

पौष्टिक नाश्ता परोसकर उनका उत्साहवर्धन किया।

यह महत्वाकांक्षी पहल नारायणपुर और ओरछा (अबूझमाड़) विकासखंड के कुल 476 विद्यालयों में लागू की जा रही है, जिससे 13 हजार 15 स्कूली बच्चे सीधे लाभान्वित होंगे। योजना के तहत हर विद्यार्थी को प्रतिदिन 150 ग्राम ताजा और सेहतमंद नाश्ता दिया जाएगा। बच्चों के स्वाद और पोषण का विशेष ध्यान रखते हुए दिन के हिसाब से एक संतुलित मेन्यू तय किया गया है, जिसमें पोहा–फलीदाना, सूजी का उपमा, दलिया, चना, खड़ा मूंग और मूंगफली जैसे प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थ शामिल हैं। भोजन तैयार करने वाली व्यवस्था को मजबूती देने के लिए जिले के 676 रसोइयों को 800 रुपये प्रतिमाह का अतिरिक्त मानदेय भी दिया जा रहा है, जिससे उनका मनोबल बढ़ा है। यह कार्यक्रम न केवल नौनिहालों को कुपोषण के चक्र से बाहर निकालेगा, बल्कि दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों के विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने, ठहराव सुनिश्चित करने और उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़े रखने में मील का पत्थर साबित होगा।

अपराध नियंत्रण को लेकर ग्राम केंद्री में पुलिस एवं ग्रामीणों की संयुक्त बैठक

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर ग्रामीण पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम एवं आमजन में सुरक्षा की भावना को

मजबूत करने के उद्देश्य से थाना अभनपुर अंतर्गत ग्राम केंद्री में आज दिनांक 11/09/2026 को पंचायत पदाधिकारियों, समाज प्रमुखों एवं ग्रामीणों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में ग्राम में बढ़ रही चाकूबाजी की घटनाओं, बदमाश प्रवृत्ति के व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से चाकू एवं अन्य हथियार रखने तथा अवैध शराब के विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

पुलिस अधिकारियों द्वारा उपस्थित पंचायत पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों से अपील की गई कि ग्राम में किसी भी व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से चाकू अथवा अन्य हथियार रखने की जानकारी होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। साथ ही, ऐसे हथियारों को स्वेच्छा से संबंधित थाने में जमा कराने हेतु ग्राम स्तर पर व्यापक प्रचार–प्रसार एवं जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया गया।

बैठक में ग्रामीणों एवं पंचायत पदाधिकारियों ने ग्राम में अवैध शराब के विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने तथा अवैध शराब का निर्माण, परिवहन अथवा बिक्री करने वाले व्यक्तियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने पर सहमति व्यक्त की। पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया कि अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों की रोकथाम में आमजन की सक्रिय सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा सूचना देने वाले व्यक्तियों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

बैठक के दौरान पुलिस एवं ग्रामीणों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने, संदिग्ध एवं असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखने तथा ग्राम में शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के संबंध में भी आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

रायपुर ग्रामीण पुलिस द्वारा अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जन–जागरूकता एवं सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है।

बैठक में मुख्य रूप से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण अभिषेक झा, उप पुलिस अधीक्षक नवा रायपुर तुलसी राम लेकाम, थाना प्रभारी अभनपुर सत्येंद्र सिंह श्याम, ग्राम पंचायत केंद्री के सरपंच नेतराम साहू, उपसरपंच, पंचायत पदाधिकारी, समाज प्रमुख एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सर्वे भद्राणि पश्यंतु सुषमा के स्नेहिल सृजन

विधा–क्षणिकाएँ

1)– मौन चित्र

निःशब्द चित्र ने कह दी मन की बात,
रंगों में खिल उठे कल्पनाओं के जज़्बात।।
झंकृत हुए हृदय में स्मृतियों के तार,
मौन कैनवास पर उतर आया प्यार।।

2)– मन का दर्पण

चित्र भले मौन था, पर बोल उठे भाव,
रंगों ने सहला दिए मन के सभी घाव।
जो बात अधरों पर आकर ठहर गई,
वह रंगों की धड़कन बनकर उभर गई।।

3)– रंगों की भाषा

शब्द ठहर गए, रंग बोलते रहे,
मन के कोरे पन्नों पर सपने डोलते रहे।
कूची ने छेड़ दिया 'सुषमा' के भावों का साज़,
नीले कैनवास पर जाग उठा परवाज़।। सुषमा प्रेम पटेल रायपुर छ ग
सुप्रभात सौम्य अभिवादन

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में 17 अगस्त से 16 नवंबर 2026 तक तीन माह का सतर्कता निवारक अभियान

रायपुर,. (प्रतिदिन राजधानी)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल में 17 अगस्त से 16 नवंबर 2026 तक 03 माह का सतर्कता निवारक अभियान के अंतर्गत दिनांक 11 सितंबर 2026 को महानदी रेल विहार डब्ल्यू आर एस कॉलोनी में निवारक सतर्कता अभियान में बिलासपुर मुख्यालय के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (स्हुलरू) विजिलेंस श्री सुरेश चंद्रा, मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद, मुख्य कारखाना प्रबंधक वैगन रिपेयर शॉप रायपुर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में सतर्कता से संबंधित हुए विषयों पर डिटेल स्टडी की गई। शिकायतों का तुरंत निदान हो संबंधितों की ग्रीवांस पर तुरंत ध्यान देने, लंबित सतर्कता मामलों का तुरंत निदान, कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम, डिजिटल पहल, कांट्रैक्ट मैनेजमेंट, आदि विषयों पर चर्चा की गई। तीन माह का निवारक सतर्कता अभियान का उद्देश्य रेल संगठन में ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना तथा भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों के प्रति अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन को जागरूक करना है। कर्मचारियों को नियमों के अनुपालन, पारदर्शी कार्यप्रणाली तथा सार्वजनिक सेवा में सत्यनिष्ठा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल में केंद्रीय सतर्कता आयोग एवं रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2026 का आयोजन 26 अक्टूबर से 01 नवंबर 2026 तक किया जाएगा। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह की थीम 卐सत्यनिष्ठा से समृद्धि" (Probity for Prosperity) रखी गई है।

रेल प्रशासन द्वारा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की गई है कि वे अपने कार्यों में ईमानदारी, निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संगठन को और अधिक सुदृढ़ बनाने में अपना योगदान दें।

मिशन अमृत 2.0 चार शहरों में तालाबों के पुनर्जीवन के लिए 22.18 करोड़ स्वीकृत

पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण और भूजल संवर्धन को मिलेगी मजबूती

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के 4 शहरों में तालाबों के पुनर्जीवन के लिए 22 करोड़ 18 लाख रुपए मंजूर किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद नगरीय क्षेत्रों में जल संरक्षण और पारंपरिक जल स्रोतों को सहेजने मिशन अमृत 2.0 के तहत बेमेतरा, जशपुर, डोंगरगढ़ और कांकेर के लिए यह राशि स्वीकृत की गई है। राज्य शहरी विकास अभिकरण

(स्ष्ठ) द्वारा चारों शहरों में इन कार्यों के लिए आज प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी गई है।

राज्य शासन द्वारा शहरों में तालाबों को पुनर्जीवित करने और उनके जीर्णोद्धार के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मिशन अमृत 2.0 के वॉटर बॉडी रिज्यूविनेशन घटक के अंतर्गत 4 शहरों के लिए कुल 22 करोड़ 18 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। सूडा द्वारा स्वीकृत इन परियोजनाओं से शहरों के पारंपरिक जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने और भूजल संवर्धन की मजबूती के काम किए जाएंगे। मिशन अमृत (अटल शहरी नवीकरण एवं परिवर्तन मिशन) 2.0 के तहत सूडा द्वारा जशपुर नगर पालिका के वार्ड क्रमांक–9 में सती तालाब के पुनर्जीवन के लिए 4 करोड़ 17 लाख रुपए, कांकेर नगर पालिका के वार्ड क्रमांक–19, अघननगर में दुधावा तालाब के लिए 5 करोड़ 4 लाख रुपए, अहिवारा नगर पालिका में छटवा तालाब के लिए 9 करोड़ 60 लाख रुपए तथा डोंगरगढ़ नगर पालिका में सिंघोला बांधा तालाब के पुनर्जीवन के लिए 3 करोड़ 38 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं। स्वीकृत राशि में इन परियोजनाओं के 5 वर्षों के संचालन एवं संधारण (ह्र×रू) के प्रावधान भी शामिल है। इनके निर्माण कार्यों की निगरानी भारत सरकार द्वारा नियुक्त थर्ड पार्टी इंडिपेंडेंट रिव्यू एंड मॉनिटरिंग एजेंसी (ढ्ढक्रू) द्वारा की जाएगी।

स्मार्ट मीटर को लेकर भ्रम दूर, विद्युत मंत्रालय ने दिए तेजी से स्थापना के निर्देश

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, राजनांदगांव क्षेत्र ने चार जिलों में स्मार्ट मीटर स्थापना को लेकर उपभोक्ताओं के बीच बनी असमंजस की स्थिति को दूर करते हुए स्पष्ट किया है कि स्मार्ट मीटर की स्थापना केंद्र सरकार के विद्युत मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुरूप की जा रही है। विद्युत मंत्रालय ने 12 अगस्त 2026 को सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को स्मार्ट मीटर स्थापना के कार्य में तेजी लाने के निर्देश जारी किए हैं।

विद्युत मंत्रालय के निर्देशानुसार, जहां संचार नेटवर्क उपलब्ध है, वहां सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं को भारतीय मानकों के अनुरूप स्मार्ट मीटर के

माध्यम से विद्युत आपूर्ति की जानी है। इसके तहत स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य निरंतर जारी रखते हुए इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं।

सटीक और पारदर्शी बिलिंग का माध्यम

स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को बिजली खपत के आधार पर सटीक एवं पारदर्शी बिलिंग की सुविधा मिलेगी। साथ ही उपभोक्ता अपनी बिजली खपत पर बेहतर तरीके से नजर रख सकेंगे। स्मार्ट मीटर व्यवस्था भविष्य में समय आधारित बिजली दर (ज्पउम वि क्ंल द्र ज्वक) जैसी सुविधाओं के उपयोग में भी सहायक होगी। इसके माध्यम से उपभोक्ता अधिक दर वाले समय में बिजली का उपयोग कम तथा कम दर वाले समय में उपयोग बढ़ाकर अपने बिजली बिल में संभावित कमी ला सकेंगे। स्मार्ट मीटर से विद्युत वितरण कंपनी को भी बिजली खपत का सटीक लेखा–जोखा, बेहतर निगरानी एवं वितरण व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी।

इससे विद्युत आपूर्ति एवं उपभोक्ता सेवाओं की कार्यप्रणाली को आधुनिक और अधिक पारदर्शी बनाने में मदद मिल रहा है।

लोहंडीगुड़ा में इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर ब्रीडिंग सेंटर से 15 किसानों को मिले 600 चूजे

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी) ग्रामीण अंचल में स्वरोजगार और आजीविका संवर्धन की दिशा में संचालित इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर परियोजना अंतर्गत लोहंडीगुड़ा ब्लॉक में स्थापित ब्रीडिंग सेंटर स्थानीयस्तर पर ग्रामीण उद्यमिता और बैकयार्ड कुक्कुट पालन का एक सशक्त मॉडल बनकर उभरा है।

इस केंद्र के माध्यम से स्थानीय उद्यमी वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाते हुए एक दिन के नवजात चूजों को पंद्रह दिनों तक विशेष देख-रेख और रूडिंग कर रहे हैं। इस नाजुक शुरुआती दौर में नियंत्रित तापमान, समयबद्ध टीकाकरण और संतुलित पौष्टिक आहार उपलब्ध कराकर चूजों की मृत्यु दर को न के बराबर रखने में सफलता मिली है।

इसी वैज्ञानिक प्रबंधन की बदौलत तैयार बैच से पंद्रह स्थानीय किसानों को 600 स्वस्थ एवं टीकाकृत चूजों का सफल वितरण किया गया है। सुचारू पालन-पोषण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किसानों को चूजों के साथ फीडर और ड्रिंकर भी मुहैया कराए गए हैं। सामान्यतः एक दिन के अत्यंत नाजुक चूजों के पालन में किसानों को भारी जोखिम और मृत्यु दर का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब पंद्रह दिन के मजबूत चूजे सीधे गांव में ही मिलने से उनका आर्थिक जोखिम घट गया है और देखरेख भी काफी आसान हो गई है।

इस नवाचार से जहां एक ओर स्थानीय महिला किसानों को गांव में ही टीकाकृत व स्वस्थ चूजे मिलने से समय और परिवहन खर्च की बचत हो रही है, वहीं दूसरी ओर केंद्र का संचालन कर रहे उद्यमी के लिए यह नियमित व स्थायी आय का एक मजबूत जरिया साबित हुआ है।

तकनीक और स्थानीय उद्यमिता के इस बेहतरीन तालमेल ने इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर से जुड़े गांवों में पारंपरिक बैकयार्ड पोल्ट्री को नई मजबूती प्रदान करते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया है।

बस्तर में कड़ी सुरक्षा व निगरानी के बीच हुई यूजीसी-नेट परीक्षा

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी) राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा देश भर के लगभग 274 शहरों में आयोजित यूजीसी-नेट परीक्षा बस्तर जिले में कड़े सुरक्षा प्रबंधों और पारदर्शी व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशानुसार जिले में चित्रकोट रोड स्थित छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीआईटी), धरमपुरा नं.-03 को इस राष्ट्रीयस्तर की परीक्षा के लिए एकमात्र केंद्र बनाया गया था, जहां प्रतिदिन दो पालियों में परीक्षा का सफल संचालन किया गया।

परीक्षा के दौरान केंद्र पर उपस्थिति के आंकड़ों पर नजर डालें तो 9 सितंबर को प्रथम पाली में पंजीकृत 61 में से 38 परीक्षार्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई और 23 अनुपस्थित रहे, जबकि इसी दिन दूसरी पाली में 60 में से 47 अभ्यर्थी शामिल हुए और 13 गैरहाजिर रहे। वहीं 10 सितंबर की प्रथम पाली में कुल 51 अभ्यर्थियों में से 22 उपस्थित रहे, जिनमें एक दिव्यांग परीक्षार्थी भी शामिल था, जबकि 29 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

परीक्षा की शुचिता, गोपनीयता और संवेदनशीलता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन और केंद्र प्रबंधन द्वारा त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। परीक्षा लैब तथा सर्वर रूम में कुल 12 सीसीटीवी कैमरों के जरिए हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी गई, वहीं किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक अवांछित संचार को रोकने के लिए 3 एक्टिव सिग्नल जैमर लगाए गए थे। अभ्यर्थियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए 3 बायोमेट्रिक डिवाइस और जांच के लिए 4 सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था, साथ ही महिला परीक्षार्थियों के लिए अलग से कवर्ड फ्रिस्किंग एरिया की सुविधा दी गई थी। तकनीकी दृष्टि से 90 कार्यशील कंप्यूटर सिस्टम, 10 प्रतिशत बैकअप सिस्टम और निर्बाध बिजली आपूर्ति हेतु जनरेटर की पुख्ता व्यवस्था रही, जिससे समूची परीक्षा बिना किसी तकनीकी बाधा के निष्पक्ष और सुव्यवस्थित वातावरण में पूरी हुई।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सली डंप से ग्रेनेड, तीर बम, बीजीएल कलपुर्जे बरामद

बीजापुर, (प्रतिदिन राजधानी) छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में लगातार चलाए जा रहे सर्चिंग अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने आज गुरुवार को बरामद नक्सली डंप से दो ग्रेनेड और पांच तीर बम, बीजीएल (बैरल ग्रेनेड लॉन्चर) के कलपुर्जे, ग्रेनेड, तीर बम, डेटोनेटर और नॉन-इलेक्ट्रिक वायर सहित अन्य नक्सल सामग्री मिली है। बरामद विस्फोटक सामग्री में से संवेदनशील सामग्री को सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए बीडीएस की टीम ने मौके पर ही सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया। बीजापुर एसपी उमेश कुमार गुप्ता ने इसकी पुष्टि की है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीजापुर के एफओबी ताड़पाल क्षेत्र में सीआरपीएफ की 196वीं बटालियन ने ताड़पाल पहाड़ी इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया। सर्चिंग के दौरान पत्थरों और जमीन के नीचे छिपाकर रखी गई नक्सल सामग्री बरामद हुई। सुरक्षा बलों ने यहां से 105 नग बीजीएल राउंड कंपोनेंट्स, एक बीजीएल नोज, दो लोहे के पाइप, एक एल्युमिनियम पतीला और लेथ मशीन का हैंडल बरामद किया। वहीं डीआरजी एवं थाना मिरतुर की संयुक्त टीम ने इंडरीपाल जंगल में सर्चिंग अभियान के दौरान मिले नक्सली डंप से दो ग्रेनेड और पांच तीर बम बरामद किए गए। बरामद विस्फोटक सामग्री को सुरक्षा मानकों के तहत बीडीएस की टीम द्वारा मौके पर ही सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया गया।

'हमारी आंगनबाड़ी हमारी जिम्मेदारी' थीम पर पोषण माह शुरू

बलरामपुर, (प्रतिदिन राजधानी) बलरामपुर जिले में राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ आज गुरुवार को 'हमारी आंगनबाड़ी हमारी जिम्मेदारी' थीम के साथ किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से सेक्टर कुसमी में वेबकास्ट के माध्यम से कार्यक्रम का सजीव प्रसारण हितग्राहियों को दिखाया गया। इसके बाद पोषण और स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी दी गई तथा उपस्थित लोगों को कुपोषण दूर करने की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में गर्भवती और शिशुवती माताओं को स्तनपान के महत्व, संतुलित आहार और महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की जानकारी दी गई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को केंद्रों की साज-सज्जा के तरीके भी बताए गए, ताकि बच्चों के लिए केंद्रों में आकर्षक और सीखने योग्य माहौल तैयार किया जा सके। जिले में अभियान को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों को स्थानीय समुदाय से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों और स्व-सहायता समूहों की सहभागिता बढ़ाने के साथ केंद्रों में पोषण वाटिका विकसित करने की पहल की जा रही है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक अनाज और मोटे अनाज को भोजन में शामिल करने, गोद भराई और अन्नप्राशन जैसे आयोजनों को उत्सव के रूप में मनाने तथा आंगनबाड़ी केंद्रों के नियमित निरीक्षण पर भी जोर दिया गया है। इसी क्रम में परियोजना कार्यालय रामचन्द्रपुर में बैठक सह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें पोषण माह और स्वस्थ संकल्प अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं को बच्चों के वजन और लंबाई की सही तरीके से माप करने का प्रशिक्षण दिया गया। उन्हें वजन मशीन को समतल स्थान पर रखने, उसकी सटीकता जांचने, बच्चों की ऊंचाई और लंबाई मापने तथा पोषण ट्रैकर में सही आंकड़े दर्ज करने की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान कुपोषित बच्चों की समुदाय स्तर पर देखभाल, गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्र भेजने, गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन और स्वास्थ्य परीक्षण कराने तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ दिलाने पर भी जोर दिया गया। कार्यकर्ताओं को ऑनलाइन प्रविष्टियों का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने कहा कि पोषण माह केवल एक महीने का आयोजन नहीं, बल्कि लोगों की आदतों और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने का अवसर है। बच्चों के स्वस्थ भविष्य की पहली सीढ़ी है। इसलिए प्रत्येक बच्चे का नियमित मापन और उसका सही रिकॉर्ड रखना जरूरी है। उन्होंने माताओं, अभिभावकों और समुदाय से अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास से ही जिले को कुपोषण मुक्त बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

सड़क पर उतरे ग्रामीण व भाजपाई, 150 से अधिक हाइवा लौटाए

धमतरी, (प्रतिदिन राजधानी) जिले में वर्षाकाल शुरू होने के बाद 10 जून से सभी रेत खदानें बंद हैं। वहीं रेत भंडारण केंद्रों से भी स्टॉक समाप्त होने के बावजूद अवैध उत्खनन और परिवहन का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने खनिज विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। कार्रवाई नहीं होने से नाराज ग्रामीणों और भाजपाइयों ने बुधवार रात कोलियारी के पास मोर्चा संभाल लिया। रेत लेकर जाने वाले हाइवा वाहनों को एक-एक कर रोकते हुए बिना रेत के वापस लौटाया गया।

कोलियारी-खरेंगा सड़क संघर्ष समिति के संयोजक हिरेन्द्र साहू ने गुरुवार को बताया कि करीब 150 से अधिक हाइवा वाहनों को लौटाया गया, जिसके चलते रात में क्षेत्र से रेत का परिवहन नहीं हो सका। बीती रात ग्राम कोलियारी में बड़ी संख्या में ग्रामीण और भाजपाई एकत्र हुए। कोलियारी चौक से दानीटोला चौक तक हाइवा वाहनों की लंबी कतार लग गई।

जानकारी के अनुसार हाइवा रोके जाने की सूचना पर नायब तहसीलदार दुर्गेश तंवर और दीपेश साव मौके पर पहुंचे तथा आक्रोशित ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया। ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से क्षेत्र की सड़कें खराब हो रही हैं। जब रेत खदानें बंद हैं और भंडारण केंद्रों में भी रेत उपलब्ध नहीं है, तो रात के समय बड़ी संख्या में हाइवा आखिर रेत लेने कहां जा रहे हैं, यह जांच का विषय है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सारंगपुरी, अमेठी, खरेंगा और दर्री क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन का खेल चल रहा है, लेकिन खनिज विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है।

कोलियारी-खरेंगा सड़क संघर्ष समिति के संयोजक हिरेन्द्र साहू, दयाराम साहू, भाजपा नेता ऋषभ देवांगन, सरपंच संघ अध्यक्ष हिमांशु साहू, हेमंत चंद्राकर, उपसरपंच निरंजन साहू, जनपद सदस्य गीतेश्वरी साहू, भगवती विश्वकर्मा, देवधर देवांगन, गोल्डी देवांगन, निर्मल रूब, गौतम साहू, शंकर साहू, गगनदीप साहू, लवन किशोर साहू और कुंदन साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व भाजपाई मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने भी पहले रोके थे हाइवा- 26 अगस्त को शहर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष गौतम वाधवानी ने कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ दानीटोला चौक पहुंचकर रेत से भरे हाइवा वाहनों को रोककर पीटपास की जांच की थी। बताया गया कि किसी वाहन में पीटपास नहीं मिला। इसके बाद आठ सितंबर को ब्लाक शहर कांग्रेस अध्यक्ष योगेश शर्मा और गौतम वाधवानी ने कलेक्टोरेट पहुंचकर अवैध रेत भंडारण के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। क्षेत्र की जिला पंचायत सदस्य मोनिका देवांगन ने भी खनिज अधिकारी से अवैध रेत उत्खनन को लेकर नाराजगी जताई थी। उनका कहना है कि यदि ग्रामीणों को खुद सड़क पर उतरकर हाइवा रोकने पड़ रहे हैं तो खनिज विभाग की जिम्मेदारी पर सवाल उठना स्वाभाविक है। ग्रामीणों ने अवैध उत्खनन और परिवहन की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने तथा क्षेत्र की सड़कों को भारी वाहनों से होने वाले नुकसान से बचाने की मांग की है।

फौती नामांतरण कराने किसान ने जनदर्शन में लगाई गुहार

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी) जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर सिल्ली थॉमस ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी।

उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 109 आवेदन प्राप्त हुए।

इसी कड़ी में पाटन तहसील के ग्राम औंधी निवासी कृषक ने अपने मृतक बहन के नाम दर्ज भूमि का फौती नामांतरण वैध वारिसों के नाम दर्ज कराने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि फौती नामांतरण के लिए नायब तहसीलदार पाटन के समक्ष आवश्यक दस्तावेज एवं प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। ग्राम औंधी की भूमि ईस्ट-वेस्ट डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना के कारण इस क्षेत्र में प्रतिबंध लगा हुआ है। नामांतरण प्रक्रिया पूरी नहीं होने से वारिसों का एग्रीस्टैक पंजीयन एवं सेवा सहकारी समिति में धान विक्रय प्रभावित हो रहा है। उन्होंने अनुमति प्रदान कर फौती नामांतरण आदेश पारित कराने की मांग की है। इस पर अपर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

राज्यपाल पहुंचे पद्म विभूषण स्व. डॉ. तीजन बाई के गृह ग्राम गनियारी, परिजनों से की चर्चा

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी) प्रदेश के राज्यपाल रमेन डेका ने अपने दुर्ग जिले के प्रवास के दौरान गनियारी पहुंचकर प्रख्यात पंडवानी गायिका पद्म विभूषण स्व. डॉ. तीजन बाई को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने स्व. तीजन बाई के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर लोक कला और संस्कृति के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान का स्मरण किया। राज्यपाल ने उनके परिजनों से आत्मीय भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने कहा स्व. डॉ. तीजन बाई ने अपनी विशिष्ट कापालिक शैली से 'पंडवानी' को समूचे देश में और

वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा और वे हमेशा छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर के रूप में याद की जाएंगी। इस अवसर पर वैशाली नगर विधानसभा विधायक रिकेश सेन, पंडवानी गायिका पद्मश्री उषा बारले, स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और ग्रामीणजन उपस्थित थे।

भिलाई : 70 वार्डों का हुआ आरक्षण, दावेदार सक्रिय

भिलाई नगर, (प्रतिदिन राजधानी) नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के 70 वार्डों के लिए वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया बुधवार को कला मंदिर, सिविक सेंटर सेक्टर-06 में पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई। वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया के दौरान जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह, निगम आयुक्त सुरुचि सिंह, अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह, रिसाली निगम आयुक्त मोनिका वर्मा, अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, उपायुक्त डी के कोसरिया, जनप्रतिनिधि, मीडिया, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक मौजूद रहे।

राज्य शासन के निर्धारित नियमों के तहत वार्डों के आरक्षण के लिए लॉटरी प्रक्रिया अपनाई गई। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों के बीच निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पर्चियां निकाली गईं और 70 वार्डों का आरक्षण तय किया गया। पूरी प्रक्रिया सार्वजनिक रूप से संपन्न होने के कारण नागरिकों को आरक्षण प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने का अवसर मिला। वार्ड आरक्षण में 35 सामान्य वर्ग, 23 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), 09 अनुसूचित जाति (एससी) एवं 03 अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग को शामिल किया गया। आरक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित आरक्षित वार्डों से पात्र नागरिक अपने वर्ग के आरक्षण के अनुरूप आगामी नगरीय निकाय चुनाव में पार्षद पद के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ सकेंगे।

आरक्षण प्रक्रिया के दौरान अधिकारियों ने निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों के अनुरूप पूरी प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया। मौके पर मौजूद जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने भी लॉटरी प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा। नगर निगम क्षेत्र के 70 वार्डों के आरक्षण के साथ अब आगामी नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर राजनीतिक एवं सामाजिक स्तर पर गतिविधियां तेज होने की संभावना है। आरक्षण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विभिन्न वार्डों में संभावित प्रत्याशियों द्वारा चुनावी तैयारियां शुरू की जाएंगी।

युवराज सोनी के परिजनों से मिले भूपेश बघेल और अरुण वोरा

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी) दिल्ली के सत्य निकेतन क्षेत्र में हुए दर्दनाक पीजी हादसे में दुर्ग निवासी छात्र युवराज सोनी की दुखद मृत्यु हो गई। युवराज परिवार का इकलौता बेटा था और दिल्ली में रहकर सीए बनने की तैयारी कर रहा था। हादसे से कुछ दिन पहले ही वह नए पीजी में शिफ्ट हुआ था। युवराज के निधन की खबर से दुर्ग में शोक की लहर है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पंचशील नगर दुर्ग पहुंचे और

शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा भी उनके साथ मौजूद रहे। भूपेश बघेल एवं अरुण वोरा ने युवराज के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया और इस कठिन समय में उन्हें संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में एक होनहार युवा का इस तरह असमय चले जाना बेहद पीड़ादायक है। इस दौरान पूर्व महापौर आर.एन. वर्मा, पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल, राजेंद्र साहू, संदीप वोरा, राजकुमार पाली और ऋषि साहू सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे और परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। युवराज परिचितों में गहरा शोक है। इस दर्दनाक हादसे ने दिल्ली में पीजी एवं छात्रावासों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

खेल समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444

भारत जूनियर हॉकी एशिया कप के फाइनल में

मलेशिया को 3-1 से हराया, कप्तान अनमोल एक्का ने दो गोल किए

चीन। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने जूनियर एशिया कप के फाइनल में जगह बना ली है। चीन के मोकी में शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने मलेशिया को 3-1 से हराया। कप्तान अनमोल एक्का ने दो गोल किए। भारत अब 13 सितंबर को होने वाले फाइनल में पाकिस्तान और साउथ कोरिया के बीच दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से खेलेगा। भारत इस टूर्नामेंट का डिफेंडिंग चैंपियन है और अब उसके पास लगातार तीसरी बार खिताब जीतने का मौका है।

अनमोल के गोल ने बढ़त दिलाई

पूल-ए में टॉप करने के बाद भारत का सामना सेमीफाइनल में पूल-बी की दूसरे नंबर की टीम मलेशिया से हुआ। मलेशिया ने अपने पूल में कजाकिस्तान और बांग्लादेश को हराया था, जबकि पाकिस्तान से उसे 5-2 से हार मिली थी। चीन के खिलाफ 1-0 की जीत के बाद उसने सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत ने सेमीफाइनल में मलेशिया को 3-1 से हराया। कप्तान अनमोल एक्का ने दो गोल कर टीम को बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सुखविंदर ने भी गोल किया। मलेशिया की ओर से एम. राहुल ने एक गोल किया।

भारत फाइनल तक कैसे पहुंचा? भारत को टूर्नामेंट के पूल-ए में साउथ कोरिया, जापान, चीनी ताइपे और इंडोनेशिया के साथ रखा गया था। टीम ने चार लीग मैचों में 3 जीत और 1 ड्रॉ के साथ 10 अंक हासिल किए और पूल में टॉप किया। साउथ कोरिया 9 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। भारत ने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के खिलाफ 14-0 की बड़ी जीत से की। इस मैच में कप्तान अनमोल एक्का ने 4 और अजीत यादव ने 3 गोल किए, जबकि प्रभदीप सिंह ने 5 गोल दागे। दूसरे मैच में भारत का सामना जापान से हुआ। मुकाबला 3-3 से ड्रॉ रहा। इसके बाद टीम ने साउथ कोरिया को 7-3 से हराया। इस मैच में भी अनमोल एक्का ने 2 गोल किए और भारत ने आखिरी क्वार्टर में लगातार तीन गोल कर मुकाबला अपने नाम किया। पूल स्टेज के आखिरी मैच में भारत ने चीनी ताइपे को 15-0 से हरा दिया। अनमोल एक्का ने अकेले 6 गोल किए और सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए। इस जीत के साथ भारत 10 अंकों के साथ पूल में पहले स्थान पर रहा। भारत ने पूल स्टेज में 39 गोल किए और सिर्फ 6 गोल खाए। एक मैच ड्रॉ रहा, जबकि बाकी तीनों में उसे जीत मिली।

भारत लगातार तीसरी बार चैंपियन बनना चाहेगा

भारत ने 2023 में पाकिस्तान को 2-1 से हराकर जूनियर एशिया कप का खिताब जीता था। इसके बाद 2024 में भी पाकिस्तान को फाइनल में 5-3 से हराकर लगातार दूसरी बार चैंपियन बना। 2024 का खिताब भारत का कुल पांचवां जूनियर एशिया कप खिताब था। भारत इससे पहले 2004, 2008 और 2015 में भी चैंपियन बन चुका है। 2023 की जीत के साथ उसने सबसे ज्यादा खिताब के मामले में पाकिस्तान को पीछे छोड़ा था और 2024 में अपना रिकॉर्ड पांचवां खिताब जीता।

गीत सेठी 65 की उम्र में बिलियर्ड्स में लौटेंगे

छह साल बाद इंग्लैंड में वर्ल्ड चैंपियनशिप खेलेंगे, 19 अक्टूबर से शुरू होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली। भारतीय क्यू स्पोर्ट्स दिग्गज गीत सेठी 65 साल की उम्र में बिलियर्ड्स में वापसी करने जा रहे हैं। वे अगले महीने 19 से 22 अक्टूबर तक इंग्लैंड के ग्रेट वाइर्ली में वर्ल्ड बिलियर्ड्स चैंपियनशिप खेलेंगे। यह छह साल बाद वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनकी वापसी होगी। अहमदाबाद में रहने वाले सेठी ने 1974 में पहली बार क्यू थामा था। वे 2018 की चैंपियनशिप के नॉकआउट स्टेज तक पहुंचे थे। सेठी मानते हैं कि उनकी उम्र उनके चेहरे से नजर नहीं आती। उन्होंने हंसते हुए कहा, मैं उम्र का नहीं दिखता, लेकिन महसूस अपनी उम्र का ही करता हूं।

साल की शुरुआत में वापसी का मन बनाया : सेठी की वापसी की कहानी इस साल की शुरुआत में शुरू हुई। उनके साथी और पूर्व क्यू खिलाड़ी अशोक शांडिल्य ने उन्हें मुंबई के दादर में हुई क्यू स्पोर्ट्स लीग खेलने के लिए तैयार किया। सेठी ने कहा, मैंने उस टूर्नामेंट में बिना ज्यादा अभ्यास के हिस्सा लिया। लेकिन बहुत मजा आया। घर लौटने के बाद मैंने खुद से कहा, 'शुरू करते हैं। थोड़ा-सा ही खेलता हूं।

गीत सेठी 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन रहे : गीत सेठी भारत के सबसे सफल बिलियर्ड्स खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने प्रोफेशनल लेवल पर 5 बार वर्ल्ड बिलियर्ड्स चैंपियनशिप जीती। सेठी ने 1992, 1993, 1995, 1998 और 2006 में वर्ल्ड प्रोफेशनल बिलियर्ड्स चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। इसके अलावा वे 1985, 1987 और 2001 में वर्ल्ड एमेच्योर बिलियर्ड्स चैंपियन भी बने।

जून में गुजरात स्पोर्ट्स क्लब में फिर खेला टूर्नामेंट : उन्होंने जून में गुजरात के स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। यह टूर्नामेंट मुंबई में हुए मुकाबले के फॉर्मेट जैसा ही था। सेठी ने कहा, गाने बजते हुए खेलना और पूरी क्यू स्पोर्ट्स बिरादरी से मिलना बहुत अच्छा लगा। यह अनुभव काफी मजेदार रहा।

एशियन गेम्स में पांच मेडल्स जीते : एशियन गेम्स में भी सेठी ने भारत को पांच मेडल्स दिलाए। 1998 बैंकॉक एशियन गेम्स में उन्होंने टीम इवेंट में गोल्ड और सिंगल्स में सिल्वर जीता। 2002 बुसान एशियन गेम्स में उन्होंने टीम इवेंट में सिल्वर और सिंगल्स में ब्रॉन्ज जीता, जबकि 2006 दोहा एशियन गेम्स में टीम इवेंट में ब्रॉन्ज हासिल किया।

आईएसएसओ शतरंज खेलों का अहमदाबाद में आगाज

प्रज्ञानानंद और हर्ष सांघवी ने युवा खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

अहमदाबाद। अदाणी इंटरनेशनल स्कूल, अहमदाबाद में आईएसएसओ शतरंज खेलों का शुक्रवार को आगाज हुआ। दो दिवसीय प्रतियोगिता में देशभर के 102 इंटरनेशनल स्कूलों के 427 युवा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता 11 और 12 सितंबर को आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में अंडर-11, अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग में लड़कों और लड़कियों के अलग-अलग मुकाबले हो रहे हैं। इन खेलों के जरिए विद्यार्थियों को देशभर के अपने हमउम्र खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है। उद्घाटन के मौके पर भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद भी मौजूद रहे। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें आत्मविश्वास तथा उत्साह के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रज्ञानानंद के साथ गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने भी प्रतियोगिता में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और युवा प्रतिभाओं को प्रतिस्पर्धी खेलों के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के महत्व पर जोर दिया। हर्ष सांघवी ने कहा, 'प्रतिभाओं की शुरुआती पहचान करना और स्कूल स्तर पर उन्हें निखारने तथा विकसित करने के लिए सही मंच उपलब्ध कराना भारत के खेल भविष्य के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। आईएसएसओ शतरंज खेल जैसी प्रतियोगिताएं युवा खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा करने, अनुभव हासिल करने और अपने खेल सफर में अगले कदम की ओर बढ़ने का अवसर देती हैं।' ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने कहा, 'यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि देशभर के स्कूलों से इतने युवा खिलाड़ी एक साथ आए हैं और उन्हें इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिल रहा है। इस तरह की प्रतियोगिताएं युवा

खिलाड़ियों को दबाव में अपना खेल विकसित करने और प्रतिस्पर्धी माहौल में खुद को ढालने में मदद करती हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि सभी खिलाड़ी इस अनुभव का आनंद लेंगे, हर मुकाबले से सीखेंगे और कड़ी मेहनत करते हुए शतरंज के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाएंगे। मैं यहां उनका उत्साह बढ़ाने के लिए आकर खुश हूं और सभी को शुभकामनाएं देता हूं। 'दो दिवसीय प्रतियोगिता में चार आयु वर्गों में लड़कों और लड़कियों के अलग-अलग मुकाबले आयोजित किए जा रहे हैं। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों में रणनीतिक सोच, एकाग्रता, निर्णय लेने की क्षमता और चुनौतियों से जूझने की क्षमता विकसित करने के साथ-साथ उन्हें उच्च स्तर की अंतर-स्कूल प्रतियोगिता का अनुभव देना है। आईएसएसओ की संस्थापक आकांक्षा थपक ने कहा, '102 स्कूलों के 427 खिलाड़ियों की भागीदारी स्कूल स्तर पर प्रतिस्पर्धी शतरंज में बढ़ती रुचि को दर्शाती है। ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंद का खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए हमारे बीच मौजूद रहना इस आयोजन के उद्घाटन को और खास बनाता है। हम आईएसएसओ और युवा छात्रों के लिए सार्थक खेल अवसर उपलब्ध कराने के प्रयासों में लगातार सहयोग के लिए अदाणी समूह के आभारी हैं।

दलीप ट्रॉफी में लंबे स्पेल से सिराज की लय लौटी

बोले-दो महीने के ब्रेक से शरीर सुस्त पड़ा, श्रीलंका में रन-अप बिगड़ गया था

नई दिल्ली। चेन्नई में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि दलीप ट्रॉफी में लंबे स्पेल करने के बाद उनकी लय और रफ्तार वापस आ गई है। सिराज ने बताया कि 8 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट खत्म होने के बाद उन्होंने दो महीने का ब्रेक लिया था। ब्रेक के बाद शरीर सुस्त महसूस कर रहा था, जिसका असर श्रीलंका दौरे पर रन-अप और गेंदबाजी की रफ्तार पर पड़ा था। सिराज ने कहा -दो महीने के ब्रेक के बाद सीधे श्रीलंका मैच में उतरने से मेरी लय पूरी तरह नहीं बन पाई थी। मैं पूरी तरह लय पर निर्भर गेंदबाज हूं। अगर मेरा तालमेल सही नहीं होता, तो क्रीज से पूरी ताकत के साथ गेंद नहीं निकाल पाता।

श्रीलंका दौरे पर सामान्य रफ्तार से स्लो बॉलिंग की : श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट की सीरीज में सिराज करीब 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे थे, जबकि उनकी सामान्य रफ्तार 140 से 145 किलोमीटर प्रति घंटे रहती है। उन्होंने श्रीलंका दौरे पर चार पारियों में 44 ओवर गेंदबाजी की और 4 विकेट लिए। हालांकि, इस दौरान वह अपनी सामान्य रफ्तार और लय में नजर नहीं आए।

41 ओवर के स्पेल से लय वापस आई : सिराज ने कहा कि चेपॉक में दलीप ट्रॉफी फाइनल के दौरान 41 ओवर गेंदबाजी करने से उन्हें काफी फायदा हुआ। उन्होंने कहा, यहां सब कुछ अपनी जगह पर आ

गया और रफ्तार अपने आप लौट आई। यह बहुत मुश्किल था। हम श्रीलंका से सीधे आए थे। उन्होंने आगे कहा, दूसरे टेस्ट में हमने साढ़े तीन दिन फील्डिंग की थी। इसके एक हफ्ते के भीतर हम चेन्नई की तेज गर्मी में खेल रहे थे। लेकिन मेरे लिए बात जुनून की है। जब आप देश का प्रतिनिधित्व करते हैं, तो बहाने नहीं बना सकते। आपको अपनी टीम और देश के लिए पूरी ताकत लगानी होती है।

पहली पारी में 25 ओवर, 140 रन दिए : दलीप ट्रॉफी फाइनल की पहली पारी में ईस्ट जोन के बल्लेबाजों ने सिराज के खिलाफ तेजी से रन बनाए। उन्होंने 25 ओवर में 140 रन दिए और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। हालांकि, सिराज ने कहा कि पहली पारी में विकेट नहीं मिलने से वह ज्यादा चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा, भले ही आज मेरे खाते में विकेट नहीं आए, लेकिन यह मेहनत इंटरनेशनल लेवल पर काम आएगी।

सिराज के लिए दलीप ट्रॉफी खेलने का मुख्य लक्ष्य विकेट लेना नहीं, बल्कि अपनी लय हासिल करना था। उन्होंने कहा, इस मैच से पहले मेरा मुख्य लक्ष्य अपना फ्लो हासिल करना था। यह मैच मेरे लिए बहुत फायदेमंद रहा। उन्होंने आगे कहा, दो महीने के ब्रेक के बाद शरीर पहले की तरह रिएक्ट नहीं करता। हर चीज थोड़ी धीमी लगती है। इस मैच को पूरा करने से मेरा शरीर फिर चलने लगा और मेरी लय वापस आ गई।

लंबे ब्रेक के बजाय लगातार गेंदबाजी पसंद : 32 साल के सिराज ने कहा कि उनका शरीर लंबे ब्रेक के बजाय लगातार मेहनत का आदी है। उन्होंने बताया कि ब्रेक के दौरान फिटनेस के दूसरे पहलुओं पर काम करने का मौका मिला, लेकिन गेंदबाजी की लय वापस पाने के लिए मैच खेलना जरूरी था। सिराज ने कहा, मेरा शरीर लंबे ब्रेक को अच्छी तरह नहीं अपना पाता। छोटा ब्रेक ठीक है, लेकिन 10 साल के करियर में मैंने कभी दो महीने का पूरा ब्रेक नहीं लिया था। उन्होंने कहा, मैं जितने ज्यादा ओवर करता हूं, उतना बेहतर होता जाता हूं। अगर मैं लंबे स्पेल नहीं करूंगा, तो मेरी लय वापस नहीं आएगी।

ब्रेक के बाद शरीर सुस्त महसूस कर रहा था : सिराज ने बताया कि दलीप ट्रॉफी में 10 और 11 ओवर के स्पेल करने से उन्हें अपनी लय वापस पाने में मदद मिली। उन्होंने कहा, ब्रेक के बाद क्रीज पर मेरा शरीर सुस्त महसूस कर रहा था। मैंने 10 और 11 ओवर के स्पेल किए। इसी से मेरी लय पूरी तरह वापस आई।

सिराज ने कहा, मैंने खुद से कहा कि नतीजे के बारे में भूलकर अच्छी और स्वाभाविक लय के साथ रन-अप लेना है। जिस पल मैंने ऐसा किया, पुराना सिराज फिर से एक्शन में आ गया और गेंद बहुत अच्छी तरह निकलने लगी।

काउंटी मैच में कुलदीप को 10 विकेट : फर्स्ट क्लास क्रिकेट में ऐसा पहली बार किया, यॉर्कशायर ने एसेक्स को पारी और 106 रन से हराया

नई दिल्ली। कुलदीप यादव ने लीड्स के हेडिंग्ले में एसेक्स के खिलाफ काउंटी चैंपियनशिप मैच में 10 विकेट लिए। यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनके प्रदर्शन से यॉर्कशायर ने एसेक्स को पारी और 106 रन से हराया। यॉर्कशायर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 390 रन बनाए। कुलदीप ने 94 गेंदों पर 36 रन भी बनाए। इसके जवाब में एसेक्स की पहली पारी 171 रन पर सिमट गई। कुलदीप ने 23 ओवर में 70 रन देकर 4 विकेट लिए।

दूसरी पारी में 6 विकेट, एसेक्स 113 रन पर सिमटा : फॉलोऑन खेलते हुए एसेक्स की दूसरी पारी में कुलदीप ने 16 ओवर में 50 रन देकर 6 विकेट लिए। उनकी गेंदबाजी के सामने एसेक्स की टीम 40 ओवर में 113 रन पर ऑलआउट हो गई। कुलदीप ने मैच में कुल 10 विकेट लिए और 120 रन दिए। यॉर्कशायर ने तीसरे दिन ही मुकाबला पारी और 106 रन से अपने नाम कर लिया।

हेडिंग्ले की पिच ने कुलदीप को दिया फायदा : कुलदीप ने मैच से पहले हेडिंग्ले की पिच को अपनी गेंदबाजी के लिए बेहतर बताया था। उन्होंने कहा था कि विकेट में पहले से तेजी थी, इसलिए उन्हें गेंद को ज्यादा तेज फेंकने की जरूरत नहीं पड़ी। गेंद में अच्छी स्पिन और सही टप्पा उनकी रणनीति का हिस्सा रहा। उन्होंने भारतीय पिचों से तुलना करते हुए कहा था

कि भारत में विकेट धीमे होते हैं और बल्लेबाजों को गेंद खेलने के लिए ज्यादा समय मिलता है। हेडिंग्ले की तेजी के कारण बैकफुट पर जाने वाले बल्लेबाजों के खिलाफ विकेट मिलने के मौके ज्यादा बने।

काउंटी में कुलदीप के अलावा 8 और भारतीय खिलाड़ी : 2026 काउंटी चैंपियनशिप में कुलदीप यादव के अलावा 8 भारतीय खिलाड़ी अलग-अलग काउंटी टीमों के लिए खेल रहे हैं। इनमें मानव सुथार, युजवेंद्र चहल, जयदेव उनादकट, मयंक अग्रवाल, राहुल चाहर, आर साई किशोर, महिपाल लोमरोर और जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी शामिल हैं।

टेस्ट टीम में दावेदारी मजबूत : कुलदीप का यह प्रदर्शन ऐसे समय आया है जब भारतीय टेस्ट टीम में स्पिन विभाग को लेकर विकल्प बढ़े हैं। आर अश्विन के संन्यास के बाद रवींद्र जडेजा टीम के अनुभवी स्पिन विकल्प हैं, जबकि वॉशिंगटन सुंदर और मानव सुथार भी अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। कुलदीप ने अब लाल गेंद से इंग्लैंड में मैच जिताने वाला प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी फिर मजबूत की है। खास तौर पर 10 विकेट का यह प्रदर्शन बताता है कि वह सिर्फ सीमित ओवरों के क्रिकेट में ही नहीं, बल्कि फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी लंबे स्पेल में मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं।

मानव सुथार अब तक 21 विकेट ले चुके हैं

मानव सुथार ने वारविकशायर के लिए इस सीजन में शानदार गेंदबाजी करते हुए चार राउंड में 21 विकेट लिए हैं। हाल ही में हैम्पशायर के खिलाफ उन्होंने पहली पारी में 3/42 और दूसरी पारी में 4/52 के साथ मैच में सात विकेट लिए, जिससे वारविकशायर ने पारी और 129 रन से जीत दर्ज की। ग्लैमरगन के खिलाफ भी उन्होंने दोनों पारियों में तीन विकेट लिए और एक भी रन नहीं दिया। युजवेंद्र चहल ने नॉर्थम्पटनशायर के लिए डरहम के खिलाफ मैच में नौ विकेट लिए, जिसमें पहली पारी में 4/36 और दूसरी पारी में 5/84 शामिल रहे। वहीं, जयदेव उनादकट ने ससेक्स के लिए खेलते हुए इस सीजन में 12 विकेट लिए हैं। राहुल चाहर सरे टीम का हिस्सा हैं और उन्होंने अब तक नौ विकेट लिए हैं। युजवेंद्र चहल ने नॉर्थम्पटनशायर के लिए खेलते हुए नौ विकेट लिए हैं। मयंक अग्रवाल ने डरहम के लिए डेब्यू मैच में 36 और 48 रन की पारियां खेलीं। वहीं, आकिब नबी ने सरे के लिए काउंटी डेब्यू करते हुए दोनों पारियों में एक-एक विकेट लिया और अपने पहले काउंटी विकेट के रूप में कुलदीप यादव को आउट किया।

सबालेंका यूएस ओपन फाइनल में...लगातार तीसरे खिताब की तलाश, रायबकिना से खिताबी मुकाबला

नई दिल्ली। बेलारूस की आर्यना सबालेंका और कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना ने यूएस ओपन महिला सिंगल्स के फाइनल में जगह बना ली है। सबालेंका ने न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को 7-5, 6-2 से हराया। वहीं, रायबकिना ने अमेरिका की कोको गॉफ को 3-6, 6-4, 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। गॉफ ने पहला सेट जीतकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन रायबकिना ने लगातार दो सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सबालेंका के पास सेरेना और एवर्ट की बराबरी का मौका

शनिवार को जीत दर्ज करते ही सबालेंका ओपन ऐरा में लगातार तीन यूएस ओपन खिताब जीतने वाली खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो जाएंगी। सेरेना विलियम्स ने 2012 से 2014 तक लगातार तीन यूएस ओपन खिताब जीते थे, जबकि क्रिस एवर्ट ने 1975 से 1978 के बीच लगातार चार बार यह ट्रॉफी अपने नाम की थी। ओपन ऐरा की शुरुआत 1968 में हुई थी। इसके बाद पहली बार प्रोफेशनल खिलाड़ियों

को ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में खेलने की अनुमति मिली थी।

यूएस ओपन में लगातार 19वीं जीत

इस जीत के साथ सबालेंका की यूएस ओपन में लगातार जीत का सिलसिला 19 मैचों का हो गया। वह 2023 के फाइनल में गॉफ से हारने के बाद से इस टूर्नामेंट में अजेय हैं।

चौथी बार यूएस ओपन के फाइनल में पहुंची

यह सबालेंका का यूएस ओपन में लगातार चौथा फाइनल है। वह 2023 में भी खिताबी मुकाबले तक पहुंची थीं, लेकिन कोको गॉफ से हार गई थीं। इसके बाद उन्होंने 2024 और 2025 में लगातार खिताब जीते। अब शनिवार को जीत उन्हें न्यूयॉर्क में लगातार तीन खिताब जीतने वाली दूसरी महिला खिलाड़ी बना देगी, जिसने ओपन एरा में यह उपलब्धि हासिल की है।

दूसरे सेट में सबालेंका का दबदबा

पहले सेट में एक समय स्कोर 6-5 तक पहुंच गया था। इसके बाद सबालेंका ने लगातार दबाव बनाया और 0-40 की बढ़त हासिल कर ली और पहला सेट 7-5 से जीत लिया। दूसरे सेट में सबालेंका ने शुरू से दबदबा बनाए रखा और 3-1 की बढ़त बना ली और दूसरा सेट 6-2 से अपने नाम किया।

डब्ल्यूएसपीएस विश्व चैंपियनशिप : सृष्टि अरोड़ा और मनीष नरवाल ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में जीता कांस्य

चांगवोन। भारतीय जोड़ी सृष्टि अरोड़ा और पेरिस पैरालंपिक के पदक विजेता मनीष नरवाल ने शुक्रवार को चांगवोन में चल रही डब्ल्यूएसपीएस विश्व चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का कांस्य पदक जीत लिया। फाइनल में सृष्टि ने 195.3 अंक का स्कोर किया, जबकि मनीष ने 208.7 अंक हासिल किए। भारतीय जोड़ी का कुल स्कोर 404.0 रहा और उसने तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की डांग युहोंग और हुआंग शिंग की जोड़ी ने 472.1 अंक के संयुक्त विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया की मून एइक्युंग और जो जियोंगदू ने 466.0 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया। इससे पहले सृष्टि और मनीष ने क्वालीफिकेशन में कुल 565 अंक हासिल कर फाइनल में जगह बनाई थी। सृष्टि ने 279 अंक, जबकि मनीष ने 286 अंक का योगदान दिया। एक अन्य भारतीय जोड़ी भक्ति शर्मा और रुद्रांश खंडेलवाल क्वालीफिकेशन में 557 अंक के साथ 10वें स्थान पर रही और फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी।

एशियन गेम्स स्क्वॉड से अन्नू रानी बाहर : क्वालिफिकेशन मार्क नहीं छू पाईं, चोट से लौटे अविनाश साबले ने स्टीपलचेज में जगह पक्की की

नई दिल्ली। हांगझोउ एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट अन्नू रानी जापान एशियन गेम्स के भारतीय स्क्वॉड से बाहर हो गई हैं। वे महिलाओं की जैवलिन थ्रो में क्वालिफिकेशन मार्क हासिल नहीं कर सकीं। अन्नू ने जेएलएन स्टेडियम में इंडियन एथलेटिक्स फाइनल सीरीज में 57.50 मीटर का थ्रो किया। वह 57.62 मीटर के क्वालिफिकेशन मार्क से 12

सेंटीमीटर पीछे रह गईं। इसी इवेंट में चोट से लौटे अविनाश साबले ने 3,000 मीटर स्टीपलचेज में गोल्ड जीता। उन्होंने 8:32.39 सेकेंड का समय निकालकर 8:36.57 सेकेंड का क्वालिफिकेशन मार्क हासिल किया। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने प्रतियोगिता से पहले खिलाड़ियों को साफ कर दिया था कि एशियन गेम्स में जाने के लिए क्वालिफिकेशन मार्क हासिल करना जरूरी है। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया प्लानिंग कमेटी के चेयरमैन ललित भनोत ने कहा, जिसने क्वालिफिकेशन मार्क हासिल नहीं किया है, उसे एशियन गेम्स में नहीं भेजा जाएगा। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का रुख बिल्कुल साफ था। उन्होंने कहा, अगर अन्नू रानी क्वालिफाई नहीं कर पाई हैं, तो वे नहीं जाएंगी। जिन खिलाड़ियों ने मार्क हासिल नहीं किया है, वे दल का हिस्सा नहीं होंगे। 31 साल के अविनाश साबले 14 महीने तक चोट के कारण बाहर रहने के बाद अपनी 3,000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में लौटे। उन्होंने 8:32.39 सेकेंड के समय के साथ गोल्ड जीता। उनका समय 8:36.57 सेकेंड के एशियन गेम्स क्वालिफिकेशन मार्क से बेहतर रहा। एशियन गेम्स 2026 का 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची-नागोया में खेला जाएगा।

व्यापार समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करें : 9806044444

भारत में पहली बार BMW i5 लॉन्ग व्हीलबेस लॉन्च

BMW इंडिया की पहली स्थानीय रूप से निर्मित इलेक्ट्रिक सेडान अपने सेगमेंट में आकार, पीछे की सीट की विशाल जगह और इलेक्ट्रिक रेंज के मामले में अग्रणी है

गुरुग्राम। BMW इंडिया ने देश में पहली बार BMW i5 लॉन्ग व्हीलबेस लॉन्च की है। इस कार की बुकिंग देशभर के BMW डीलरशिप्स और www.bmw.in पर की जा सकती है। पहली BMW i5 लॉन्ग व्हीलबेस का उत्पादन अब BMW ग्रुप के चेन्नई प्लांट में स्थानीय स्तर पर किया जाएगा और इसकी डिलीवरी जल्द शुरू होगी। BMW ग्रुप इंडिया के प्रेसिडेंट एवं CEO हरदीप सिंह ब्रार ने कहा- 'पहली BMW i5 लॉन्ग व्हीलबेस की पेशकश हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह भारत के लिए विशेष रूप से विकसित लॉन्ग व्हीलबेस और इलेक्ट्रिक वाहनों की हमारी रणनीति को और मजबूत बनाती है। हमारी पहली स्थानीय रूप से निर्मित इलेक्ट्रिक सेडान के रूप में यह कार हमारी बढ़ती स्थानीय उत्पादन क्षमता और सस्टेनेबल मोबिलिटी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बाहर से आकर्षक और अंदर से शांत व शानदार अनुभव देने के लिए तैयार की गई यह कार गतिशील ड्राइविंग और प्रथम श्रेणी की चालक-चालित लक्ज़री के बीच बेहतरीन संतुलन स्थापित करती है। पीछे बैठने वालों के लिए असाधारण आराम और शानदार प्रदर्शन के साथ यह कार एक बिल्कुल नया सेगमेंट तैयार करती है और आधुनिक एग्जीक्यूटिव सेडान के अनुभव को नई परिभाषा देती है।'

प्रारंभिक एक्स-शोरूम कीमत : BMW i5 eDrive35L M Sport : 79,60,000।

BMW i5 eDrive35L M Sport : 79,60,000।

पहली BMW i5 लॉन्ग व्हीलबेस : नई BMW i5 लॉन्ग व्हीलबेस का एक्सटीरियर आधुनिक सुंदरता और दमदार व्यक्तित्व का बेहतरीन संयोजन प्रस्तुत करता है। इसकी लंबाई 5,175 मिमी, चौड़ाई 2,156 मिमी, ऊंचाई 1,520 मिमी और 3,105 मिमी व्हीलबेस इसे अपने सेगमेंट की सबसे बड़ी और सबसे विशाल केबिन वाली कार बनाते हैं। कार के फ्रंट में प्रमुख BMW किडनी ग्रिल दी गई है, जिसे चौड़े बॉर्डर और BMW Iconic Glow Contour Line लाइटिंग के साथ सजाया गया है। ब्लैक साइड स्कर्ट्स, फ्लश-माउंटेड डोर हैंडल, 5-पैटर्न वेलकम कार्पेट लाइट और ट्यूबलेस टायरों के साथ 20-इंच M अलॉय व्हील्स इसकी आकर्षक उपस्थिति को और निखारते हैं। चार-आंखोंवाले डिजाइन और वर्टिकल एलिमेंट्स से लैस Adaptive LED हेडलाइट्स नई और आकर्षक डे-टाइम रनिंग लाइट्स प्रदान करती हैं। इंटीरियर को दैनिक उपयोग और लंबी यात्राओं दोनों के लिए आरामदायक और प्रीमियम बनाया गया है। इसमें BMW Curved Display के साथ 12.3-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट डिस्प्ले और 14.9-इंच कंट्रोल डिस्प्ले दिया गया है, जो मिलकर एक हाई-रिज़ॉल्यूशन डिजिटल स्क्रीन बनाते हैं। Illuminated BMW Interaction Bar, Sky Lounge Panoramic Glass Sunroof और स्वच्छ एम्बिएंट लाइटिंग केबिन को शानदार अनुभव देते हैं। Bowers & Wilkins Surround Sound System कॉन्सर्ट हॉल जैसा उत्कृष्ट ऑडियो अनुभव प्रदान करता है।

एक्सक्लूसिव फर्स्ट एडिशन : BMW इंडिया ने भारत में BMW i5 LWB के आगमन का जश्न मनाने के लिए विशेष First Edition पेश किया है। इसे केवल पहले 99 ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराया गया था और ग्राहकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया के चलते लॉन्च से पहले ही इसकी सभी यूनिट्स बिक गईं। इस संस्करण में Rear Seat Entertainment Package दिया गया है, जिसमें टैबलेट और टैबलेट होल्डर शामिल हैं। इंटीरियर में BMW Individual Silver Bronze Accent, Fine-Line Open-Pored Fine-Wood Trim और Silver Bronze Inlay दिए गए हैं। डैशबोर्ड पर 'FIRST EDITION' की लेज़र एनग्रेविंग इसकी विशिष्ट पहचान को और उभारती है। यह संस्करण Carbon Black Metallic एक्सटीरियर और Titanium Bronze एक्सटीरियर एक्सेंट्स के साथ उपलब्ध है।

प्रदर्शन और रेंज : BMW i5 eDrive35L केवल 6.7 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ती है। इसकी अधिकतम गति 195 किमी/घंटा है। यह 268 hp की शक्ति और 410 Nm का अधिकतम टॉर्क उत्पन्न करती है। इसमें 81.6 kWh क्षमता वाली हाई-वोल्टेज बैटरी दी गई है, जो MIDC टेस्ट साइकिल के अनुसार 669 किलोमीटर तक की ड्राइविंग रेंज प्रदान करती है।

भारतीय सड़कों के लिए विशेष रूप से तैयार : पहली BMW i5 लॉन्ग व्हीलबेस को भारतीय सड़क परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। इसमें Adaptive Rear-Axle Air Suspension और बढ़ा हुआ Ground Clearance दिया गया है, जिससे हर तरह की सड़क पर बेहतर राइड कम्फर्ट, स्थिरता और BMW के प्रसिद्ध ड्राइविंग अनुभव का आनंद मिलता है। इसका Comfort Suspension कम बॉडी रोल के साथ शानदार राइड क्वालिटी प्रदान करता है और स्पोर्टी डायनेमिक्स के साथ उच्च स्तर की स्थिरता सुनिश्चित करता है।

स्टॉक मार्केट में क्वालिएंस इंटरनेशनल की धमाकेदार शुरुआत, आईपीओ निवेशक हुए खुश

नई दिल्ली। सरकारी और बड़ी विदेशी कंपनियों के लिए टेक्निकल गारमेंट्स की डिजाइनिंग और प्रोडक्शन का काम करने वाली कंपनी क्वालिएंस इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयरों ने शुक्रवार को स्टॉक मार्केट में धमाकेदार शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 127 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। शुक्रवार को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 77.09 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 224.90 रुपये के स्तर पर हुई। मजबूत लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 236.10 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 109.10 रुपये यानी 85.91 प्रतिशत का फायदा हो गया। इस आईपीओ में एक लॉट 1,000 शेयर का था। इस तरह पहले दिन ही आईपीओ निवेशकों को प्रति लॉट 1,09,100 रुपये तक का फायदा हो गया। इस कंपनी का 45.11 करोड़ रुपये का आईपीओ चार से आठ सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 459.22 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 299.60 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 699.59 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 447.13 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 35.52 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ में शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी तमिलनाडु के तिरुपुर में नया मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, आईपीओ से जुड़े खर्च की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। क्वालिएंस इंटरनेशनल लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए

गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.84 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 4.90 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 11.87 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 38.14 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 55.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 80.95 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 19.17 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 29.71 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ मामूली गिरावट के साथ 28.50 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 8.92 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ बढ़ कर 13.82 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में ये 24.74 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो इस अवधि में कंपनी इस मोर्चे पर भी बढ़त हासिल करने में सफल रही। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 10.41 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

सेंसेक्स 120 अंक गिरकर 74,781 पर बंद : निफ्टी भी 79 अंक गिरा, रियल्टी-मेटल शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को पूरे दिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की चाल के आधार पर कारोबार करता रहा। कच्चे तेल की कीमत में आए उछाल की वजह से शुक्रवार को कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। कच्चे तेल की कीमत जैसे जैसे बढ़ती गई, वैसे-वैसे शेयर बाजार की कमजोरी भी बढ़ती चली गई। हालांकि, भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10 बजे के करीब 108.77 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंचने के बाद कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आ गई, जिससे शेयर बाजार की चाल में भी सुधार होने लगा।

इंट्रा-डे में सेंसेक्स 756.99 अंक की रिकवरी करने में सफल रहा। इसी तरह निफ्टी भी दिन के निचले स्तर से 216.70 अंक तक उछल गया। शाम तीन बजे के करीब कच्चे तेल की कीमत में आई हल्की तेजी की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल एक बार फिर कमजोर पड़ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.16 प्रतिशत और निफ्टी 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स शुक्रवार को 593.43 अंक यानी 0.79 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,309.16 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक 742.43 अंक यानी 0.99 प्रतिशत फिसल कर 74,160.16 अंक के स्तर तक चला गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स की चाल में सुधार होने लगा। बाजार में शेयरों की लगातार हो रही खरीदारी के कारण शुक्रवार को कारोबार खत्म होने के कुछ देर पहले यह सूचकांक दिन के निचले स्तर से 756.99 अंक की रिकवरी कर 14.56 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ हरे

निशान में 74,917.15 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, आखिरी 10 मिनट के कारोबार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 135.39 अंक लुढ़क कर 120.83 अंक यानी 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,781.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने शुक्रवार को 207.50 अंक यानी 0.88 प्रतिशत टूट कर 23,270.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से यह सूचकांक 246.40 अंक यानी 1.05 प्रतिशत फिसल कर 23,231.40 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार से कच्चे तेल की कीमत में रिकवरी होने की खबर आते ही निफ्टी की चाल में भी सुधार होने लगा। कच्चे तेल की कीमत में रिकवरी की खबर से उत्साहित निवेशकों ने बाजार में चौतरफा खरीदारी शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी का रुख बन गया। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से शुक्रवार को कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक दिन के निचले स्तर से 216.70 अंक सुधर कर 23,448.10 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इस स्तर पर एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से निफ्टी करीब 50 अंक फिसल कर 79.70 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,398.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों की लगातार बिकवाली होती रही। बिकवाली के दबाव की वजह से बीएसई का मेटल इंडेक्स 2.40 प्रतिशत टूट गया।

इसी तरह रियल्टी इंडेक्स ने भी दो प्रतिशत से अधिक का गोता लगाया। इसके अलावा ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। दूसरी ओर, बैंकिंग और आईटी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी के सपोर्ट से शुक्रवार को लगातार तेजी का रुख बना रहा। चौतरफा बिकवाली का माहौल होने के बावजूद निफ्टी का बैंकिंग इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी के आईटी इंडेक्स ने 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ शुक्रवार को कारोबार का अंत किया। ब्रॉडर मार्केट में भी शुक्रवार को लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ शुक्रवार को कारोबार का अंत किया। शुक्रवार को ब्रॉडर मार्केट में बने बिकवाली के दबाव की वजह से स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी आ गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन शुक्रवार को कारोबार के बाद घट कर 481.56 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 485.07 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को शुक्रवार को कारोबार से करीब 3.51 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

शुक्रवार को दिन भर के कारोबार के दौरान एनएसई में 3,226 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,220 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,006 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में, 37 शेयर लाल निशान में और एक शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। शुक्रवार को पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एचडीएफसी बैंक 2.08 प्रतिशत, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज 1.97 प्रतिशत, टेक महिंद्रा एक प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 0.73 प्रतिशत और विप्रो 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ शुक्रवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 3.21 प्रतिशत, जेएसडब्ल्यू स्टील 2.99 प्रतिशत, आयशर मोटर्स 2.17 प्रतिशत, टाटा स्टील 2.02 प्रतिशत और ओएनजीसी 2.01 प्रतिशत की कमजोरी के साथ शुक्रवार को टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

स्टर्लिंग ने अपने नए रेसॉर्ट के शुभारंभ के साथ बस्तर को ट्रैवलर्स मैप पर दिलायी पहचान

जगदलपुर में पहले नेशनल हॉस्पीटेलिटी ब्रैंड ने भारत में जल प्रपातों, जंगलों, गुफाओं, शिल्प, संस्कृति और व्यंजनों के अद्भुत संसार की राह खोली

बस्तर। भारत के अग्रणी हॉस्पीटेलिटी ब्रैंड्स में से एक स्टर्लिंग हॉलीडे रेसॉर्ट्स ने स्टर्लिंग नमन बस्तर, जगदलपुर के लॉन्च के साथ छत्तीसगढ़ में अपनी पारी शुरू करने की घोषणा की है। देश में स्टर्लिंग का यह 80वां और जगदलपुर में पहला रेसॉर्ट है जिसका संचालन नेशनल हॉस्पीटेलिटी ब्रैंड के बैनर तले किया जाएगा। इसके साथ ही, स्टर्लिंग ने भारत के सर्वाधिक आकर्षक लेकिन अपेक्षाकृत कम लोकप्रिय क्षेत्रों में से एक के गेटवे यानि बस्तर में अपनी पारी शुरू की है। बस्तर के मनमोहक जंगलों का आलिंगन करते जल प्रपात; प्राकृतिक परिदृश्यों के बीच स्थित चूना पत्थर की गुफाएं; रंगों से भरपूर स्थानीय हाट बाजारों में स्थानीय समुदायों की भागीदारी, सदियों पुराना ढोकरा शिल्प, और यहां की विशिष्ट खाद्य परंपराएं मिलकर ट्रैवलर्स के लिए ऐसे अद्भुत अनुभवों को बुनते हैं जो अन्य जाने-पहचान हॉलीडे सर्किट से हटकर होते हैं। लॉन्च के मौके पर, श्री विक्रम लालवानी, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, स्टर्लिंग हॉलीडे रेसॉर्ट्स ने कहा: 'कुछ डेस्टिनेशंस पहले से ही लोगों के दिलो-दिमाग में होते हैं। कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें तलाशा जाना है। हमारा मानना है कि बस्तर इसी दूसरी श्रेणी में आता है। यहां कुदरत की शानदार सौगात है, जैसे कि जल प्रपात, वन, गुफाएं, शिल्प, व्यंजन और एक समृद्ध जीवित संस्कृति। प्रकृति की इतनी देन के बावजूद बस्तर आज भी मुख्यधारा वाले भारतीय ट्रैवलर की निगाहों से दूर छिपा हुआ है। इस पार्टनरशिप के बारे में, स्टर्लिंग नमन बस्तर (दिशी रेसॉर्ट प्रा.लिमि. की यूनिट) के मालिक जयेश संगानी और रचित संगानी ने कहा- 'बस्तर के पास एक लोकप्रिय डेस्टिनेशन के तौर पर पहचान बनाने के लिए बहुत कुछ है, यहां का प्राकृतिक लैंडस्केप और बेहद विशिष्ट सांस्कृतिक विरासत अद्भुत है। स्टर्लिंग के साथ हमारे जुड़ाव ने इस इलाके की स्थानीय समझ और ब्रैंड की पहुंच, वितरण तथा सत्कार क्षेत्र में विशेषज्ञता का मेल करवाया है। हम मिलकर स्टर्लिंग नमन बस्तर को उन ट्रैवलर्स का पसंदीदा ठिकाना बना सकते हैं जो जगदलपुर और बस्तर के व्यापक इलाके को एक्सप्लोर करना चाहते हैं।

क्रूड ऑयल के तीखे हुए तेवर, बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत लगातार रॉकेट की रफ्तार से ऊपर चढ़ रही है। ब्रेंट क्रूड शुक्रवार को 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी शुक्रवार को 105 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के काफी करीब पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमत में आई इस जोरदार तेजी से भारत की अर्थव्यवस्था पर काफी नकारात्मक असर पड़ने की आशंका बन गई है। माना जा रहा है कि कच्चे तेल की कीमत में आए इस उछाल के कारण महंगाई बढ़ने के साथ ही रुपये के कमजोर होने की आशंका भी बनी हुई है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सीधे सैन्य संघर्ष और होर्मुज स्ट्रेट में ऑयल टैंकर्स पर हुए हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल पिछले चार महीने के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गया है।

भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि एक प्रमुख ऑयल इंपोर्टर देश होने की वजह से कच्चे तेल की

कीमत में आई तेजी का सीधा असर शेयर बाजार, भारतीय मुद्रा रुपये की कीमत और घरेलू बाजार पर नजर आने लगा है। टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि कच्चे तेल के महंगे होने का सबसे पहला और बड़ा झटका भारतीय मुद्रा को लगा है। ऑयल इंपोर्ट बिल का भुगतान करने के लिए भारतीय तेल कंपनियों को डॉलर की मांग में भारी बढ़ोतरी करना पड़ा है। डॉलर की मांग में आई तेजी के कारण डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया रिकॉर्ड कमजोरी के साथ 95.80 के स्तर तक गिर गया। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक लगातार अपने विदेशी मुद्रा भंडार से मुद्रा बाजार में डॉलर जारी करके रुपये को संभालने की कोशिश कर रहा है, लेकिन यदि क्रूड की कीमत इसी स्तर पर बनी रहीं, तो रुपये पर दबाव और अधिक बढ़ सकता है। बड़ी बात तो ये है कि अगर रिजर्व बैंक ने मुद्रा बाजार में डॉलर का प्रवाह ज्यादा बढ़ाया तो इससे देश का विदेशी मुद्रा भंडार बुरी तरह से प्रभावित हो सकता है। वैष्णव का कहना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव की वजह से बने तेल संकट का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी साफ साफ नजर आ रहा है।

उच्च लागत और मार्जिन घटने के डर से कई प्रमुख सेक्टर्स में जबरदस्त बिकवाली का दबाव बना हुआ है। शुक्रवार को भी बीएसई का सेंसेक्स इंट्रा-डे में 740 अंक से अधिक की गिरावट का शिकार हो गया था। बाद में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाकर बाजार की स्थिति को कुछ हद तक सहारा भी दिया। हालांकि कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी के कारण ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों को सीधा फायदा भी मिल रहा है।

अमेजन डॉट इन पर एआई-संचालित फेस्टिव स्टोर के साथ गणेश चतुर्थी की खरीदारी हुई आसान

रायपुर। अमेजन डॉट इन ने आज अपने गणेश चतुर्थी स्टोर को लॉन्च करने की घोषणा की, जो ग्राहकों को बप्पा का स्वागत करने और अपने घरों को उत्सव के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक सभी चीजें एक ही जगह उपलब्ध कराता है। यह एआई-संचालित स्टोर ग्राहकों की त्योहारी जरूरतों के अनुसार उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला को एक साथ लाकर त्योहारी सीजन की खरीदारी को अधिक आसान और सुविधाजनक बनाता है। पर्यावरण-अनुकूल गणेश मूर्तियों और पूजा सामग्री से लेकर उत्सव की सजावट, पारंपरिक फैशन, होम डेकोर, लाइटिंग, मिठाइयों और बहुत कुछ तक, ग्राहक एक ही सुविधाजनक स्थान पर उत्पादों और नए आइडिया की खोज कर सकते हैं। ग्राहक सेम-डे, नेक्स्ट-डे और कुछ ही घंटों के भीतर डिलीवरी का लाभ भी उठा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, प्राइम मेंबर्स 2 लाख से अधिक उत्पादों

पर अतिरिक्त 5% की छूट के साथ अधिक बचत का लाभ उठा सकते हैं। हर खरीदारी पर अपनी बचत को अधिकतम करने के लिए प्राइम से जुड़ें। अंतिम समय की तैयारियों के लिए, ग्राहक अमेज़न नाउ पर त्योहारी जरूरी सामान खरीद सकते हैं और 55 से अधिक शहरों में उन्हें मिनटों में डिलीवर पा सकते हैं। चाहे पूजा की तैयारी करनी हो, घर को त्योहारी रंग देना हो, या सही त्योहारी पोशाक चुननी हो, ग्राहक परिवार और प्रियजनों के साथ जश्न मनाने के लिए अमेजन डॉट इन पर आसानी से उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला देख सकते हैं।

इंडियन ऑयल ने एनपीसीआई और टोनटैग के सहयोग से टाटा डॉट कार्स के लिए भारत का पहला इन-कार फ्यूल पेमेंट सॉल्यूशन लॉन्च किया

रायपुर। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एनपीसीआई और टोनटैग के सहयोग से टाटा डॉट कार्स के लिए इंडियनऑयल रिटेल आउटलेट्स पर भारत का पहला इन-कार पेमेंट सॉल्यूशन लॉन्च किया है।

यह लॉन्च ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2026 के दौरान किया गया। इस पहल के माध्यम से ग्राहक अपने कनेक्टेड वाहनों के डैशबोर्ड के माध्यम से सीधे और सुरक्षित रूप से ईंधन का भुगतान कर सकेंगे। यह पहल मोबिलिटी क्षेत्र में डिजिटल पेमेंट अनुभव को और अधिक उन्नत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सॉल्यूशन एनपीसीआई के यूपीआई सर्किल फ्रेमवर्क के तहत 'इंट्रोडक्शन ऑफ आईओटी डिवाइसेस एंड सॉफ्टवेयर ऑन द यूपीआई इकोसिस्टम' पहल का लाभ उठाते हुए कनेक्टेड वाहनों के माध्यम से भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराता है। ईंधन भरवाने के बाद ग्राहक किसी अलग मोबाइल ऐप, कार्ड या किसी अन्य भुगतान पद्धति का उपयोग किए बिना अपने वाहन के इंटरफेस के माध्यम से ही लेनदेन पूरा कर सकेंगे।

इस सॉल्यूशन में इंडियनऑयल के एक्स्ट्रारिवॉर्ड्स लॉयल्टी कार्यक्रम को भी एकीकृत किया गया है। इससे पात्र ग्राहक लेनदेन के दौरान अपना मोबाइल नंबर साझा किए बिना रिवॉर्ड पॉइंट्स प्राप्त कर सकेंगे।

इंडियनऑयल के व्यापक ईंधन रिटेल नेटवर्क, टाटा डॉट कार्स की कनेक्टेड वाहन इकोसिस्टम और एनपीसीआई के विश्वसनीय डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर को एक साथ लाकर, इस पहल को ईंधन भरने की प्रक्रिया को अधिक तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।

मनोरंजन समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित
हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शनिवार, 12 सितम्बर 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

750+ फिल्में कीं, स्टार बने, गरीबी का डर नहीं गया, सेवन स्टार होटल में अच्छा खाना ऑर्डर करने से डरता हूं : रवि किशन

एक मिट्टी के घर से निकला लड़का, परिवार पर जिम्मेदारियों का बोझ, खेत गिरवी और पेट भरने के लिए 12 लोगों के बीच एक खिचड़ी। फिर मुंबई का सफर, जहां वड़ा पाव और चाय के सहारे दिन गुजरे और 15 साल तक काम के बदले सम्मानजनक पैसे नहीं मिले। यही रवि किशन की उस जिंदगी की तस्वीर है, जिसे वे आज भी भूल नहीं पाए हैं। कभी काम पाने के लिए संघर्ष करने वाले रवि किशन ने भोजपुरी सिनेमा में स्टारडम हासिल किया, हिंदी फिल्मों और ओटीटी में पहचान बनाई और अब राजनीति में भी सक्रिय हैं। 750 से ज्यादा फिल्मों का सफर तय कर चुके रवि किशन आज गोरखपुर से दूसरी बार लोकसभा सांसद हैं।

मिट्टी के घर से शुरू हुई कहानी

रवि किशन का जन्म 17 जुलाई 1969 को मुंबई (तब बॉम्बे) में हुआ, लेकिन आर्थिक परिस्थितियों के कारण उनका बचपन उत्तर प्रदेश के जौनपुर में बीता। परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा था। खेत गिरवी था और घर की जिम्मेदारियां बढ़ती जा रही थीं। बाद में अभिनय को अपना सपना बनाकर उन्होंने मुंबई का रुख किया। रवि किशन ने अपने संघर्ष को याद करते हुए बताया है कि उनका परिवार बेहद गरीबी में रहा। एक समय ऐसा था जब 12 लोगों के लिए एक ही खिचड़ी बनती थी और उसमें पेट भरने के लिए पानी मिला दिया जाता था। शुभांकर मिश्रा से बातचीत में रवि किशन ने कहा था- घनघोर गरीबी देखी। हम लोग घनघोर गरीबी वाले। एक ही खिचड़ी बन रही है, उसमें 12 लोग खा रहे हैं, पानी भर के।' उनके मुताबिक गरीबी सिर्फ आर्थिक स्थिति नहीं थी, बल्कि वह अनुभव उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन गया।

17 साल की उम्र में मुंबई पहुंचे

रवि किशन को बचपन से एक्टिंग का शौक था। गांव में रामलीला में वो मां सीता का रोल निभाते थे और इसके लिए मां की साड़ी पहनते थे। जब उनके पुजारी पिता ने उन्हें सीता के रोल में देखा तो बेल्ट से बहुत मारा, जिससे उनकी चमड़ी छिल गई। इसके बाद मां ने डरकर 500 रुपए दिए और कहा कि बेटा भाग जा, नहीं तो आज मारा जाएगा। अपनी जान बचाने के लिए वो घर से भागे और ट्रेन पकड़कर मुंबई पहुंच गए। उस समय रवि 17 साल के थे।

'लोग चलकर आते हैं, मैं रेंग कर आया हूं'

मुंबई में फिल्म इंडस्ट्री की चमक के पीछे का संघर्ष उन्होंने करीब से देखा। यहां न कोई बड़ा फिल्मी बैकग्राउंड था, न मजबूत आर्थिक सहारा और न ही इंडस्ट्री में पहचान। रवि किशन कहते हैं- लोग चलकर आते हैं, मैं रेंगकर आया हूं। जब मैं मुंबई आया था, तब ये बंबई हुआ करता था। पापा मेरे ऐक्टिंग करियर के खिलाफ थे। वे कहते थे- 'नचनिया बनबे का रे'। वे चाहते थे कि मैं खेती करूं, सरकारी नौकरी करूं या दूध बेचूं। लेकिन मुझे इन चीजों में दिल नहीं लगता था। मुझे बस डांस में मजा आता था। ये मेरा गॉड गिफ्ट था। मैं इसी राह पर चलता गया। इसमें बहुत वक्त लगा।

हिंदी सिनेमा में काम मिला, लेकिन पहचान नहीं

रवि किशन ने 1990 के दशक में हिंदी फिल्मों से अभिनय करियर की शुरुआत की। 'पीतांबर' आग का तूफान', 'रानी और महारानी', 'जख्मी दिल', 'उधार की जिंदगी,' आतंक, कोई किसी से कम नहीं, अग्नि मोर्चा जैसी फिल्में कीं। लेकिन इन फिल्मों से न तो खास पहचान मिली, न सम्मानजनक मेहनताना। रवि किशन के मुताबिक, फिल्म इंडस्ट्री में करीब 15 साल तक उन्हें काम के बदले वह पैसा नहीं मिला, जिसे वे सम्मानजनक मेहनताना मानते थे।

फिल्म 'तेरे नाम' से रवि किशन को मिली पहचान

हिंदी फिल्मों में रवि किशन ने दर्शकों का ध्यान तब खींचा, जब वो फिल्म 'तेरे नाम' में पंडित रमेश्वर के रोल में नजर आए थे। रवि किशन ने बताया था कि यह फिल्म उन्हें कैसे मिली। एक बार वे नितिन मनमोहन के ऑफिस में डायरेक्टर सतीश कौशिक से मिले। सतीश कौशिक ने कहा था कि उन्हें ऐसा लड़का चाहिए जो पंडित का किरदार निभाए और भूमिका चावला का मंगेतर बने। रवि किशन ने बिना देर किए हामी भर दी। उन्होंने बताया था कि सतीश कौशिक ने बाल कटवाने को कहा तो भी वे तुरंत तैयार हो गए। 'तेरे नाम' के लिए रवि किशन को नेशनल अवॉर्ड का नॉमिनेशन मिला था।

बार-बार अपमानित होना पड़ता था

लेकिन लगातार काम मिलने के बावजूद रवि किशन को वह पहचान नहीं मिल रही थी, जिसकी उन्हें तलाश थी। यही वह दौर था जब एक अभिनेता के तौर पर खुद को साबित करने के साथ-साथ उन्हें समझना पड़ा कि इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए सिर्फ प्रतिभा काफी नहीं होती। भाषा, बैकग्राउंड, पहचान और मौके भी मायने रखते हैं। रवि किशन ने अपने अनुभवों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने हजारों बार अपमान झेला है। रवि किशन कहते हैं- 'लोग एक-दो बार ह्यूमिलिएट होते हैं, मैं हजारों बार हुआ हूं। ये सब अद्भुत है जीवन का रंग।

भोजपुरी सिनेमा ने बदल दी जिंदगी

हिंदी फिल्मों में लंबे संघर्ष के बाद रवि किशन को भोजपुरी सिनेमा में बड़ा मौका मिला। 2003 में उन्होंने मोहनजी प्रसाद की फिल्म 'सैयां हमार' से भोजपुरी सिनेमा में कदम रखा। हालांकि, शुरुआत में वे इस इंडस्ट्री को लेकर आश्वस्त नहीं थे, लेकिन परिवार के प्रोत्साहन ने उन्हें भोजपुरी फिल्मों की ओर जाने के लिए तैयार किया। यही फैसला उनके करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट बना। भोजपुरी सिनेमा में उन्हें ऐसा दर्शक मिला, जिसने उन्हें स्टार बना दिया। वे लगातार फिल्मों में नजर आने लगे और उनकी लोकप्रियता उत्तर भारत के बड़े हिस्से तक पहुंच गई। खुद रवि किशन के मुताबिक, एक समय ऐसा भी आया जब उन्हें लगातार फिल्मों के ऑफर मिलने लगे और वे एक दिन में कई फिल्मों की शूटिंग तक करते थे। जिस अभिनेता को हिंदी सिनेमा में लंबे समय तक पहचान के लिए इंतजार करना पड़ा था, वही भोजपुरी सिनेमा में बड़ा नाम बन गया। यहीं से उनके करियर का दूसरा अध्याय शुरू हुआ।

भोजपुरी स्टार से मल्टी-लैंग्वेज अभिनेता

भोजपुरी में स्टार बनने के बाद रवि किशन ने खुद को सिर्फ एक भाषा की फिल्मों तक सीमित नहीं रखा। हिंदी के साथ उन्होंने तेलुगु, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में भी काम किया। 'फिर हेरा फेरी', 'वेलकम टू सज्जनपुर', 'रावण', 'तनु वेड्स मनु', 'बुलेट राजा', 'मुक्केबाज', 'बटला हाउस' जैसी फिल्मों में उनके अलग-अलग किरदार नजर आए। हिंदी फिल्मों के अलावा रवि ने 'रेस गुर्रम', 'ओक्का अम्मई तप्पा', 'साक्ष्यम', 'हेब्बुली', 'स्केच' जैसी कई साउथ की फिल्मों में काम किया। रवि के करियर की खासियत यही रही कि उन्होंने सिर्फ हीरो बनने पर जोर नहीं दिया। उन्होंने सपोर्टिंग रोल, विलेन और कैरेक्टर रोल भी स्वीकार किए। यही वजह है कि समय के साथ उनकी पहचान सिर्फ भोजपुरी स्टार की नहीं रही, बल्कि ऐसे अभिनेता की बनी जो किसी भी किरदार में अपनी छाप छोड़ सकता है।

टीवी और ओटीटी ने दिखाई अभिनय की नई रेंज

फिल्मों के साथ रवि किशन ने टीवी और ओटीटी पर भी काम किया। रंगबाज, हसमुख, मत्स्य कांड, द व्हिसलब्लोअर, खाकी: द बिहार चैप्टर और मामला लीगल है जैसे प्रोजेक्ट्स ने उनके अभिनय के अलग-अलग रंग दिखाए। खासकर मामला लीगल है में वीडी त्यागी के किरदार ने उन्हें डिजिटल दर्शकों के बीच मजबूत पहचान दी। इसके बाद लापता लेडीज में पुलिस अधिकारी श्याम मनोहर के किरदार ने उनके अभिनय की नई रेंज सामने रखी। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से सराहना मिली और रवि किशन के प्रदर्शन की खूब चर्चा हुई। जिस अभिनेता का करियर कभी सिर्फ भोजपुरी स्टार के तौर पर देखा जाता था, उसने धीरे-धीरे खुद को हिंदी सिनेमा और ओटीटी के मजबूत कैरेक्टर आर्टिस्ट के तौर पर स्थापित किया।

750 से ज्यादा फिल्मों का सफर

रवि किशन के करियर का सबसे बड़ा आंकड़ा उनकी फिल्मों की संख्या है। वे कई भाषाओं में 750 से ज्यादा फिल्मों में काम करने का दावा करते हैं और उनकी फिल्मोग्राफी में हिंदी, भोजपुरी के अलावा तेलुगु, तमिल और कन्नड़ सिनेमा भी शामिल है। लेकिन उनके लिए सफलता सिर्फ फिल्मों की संख्या नहीं है। उनकी कहानी का सबसे अहम हिस्सा यह है कि उन्होंने असफलता, रिजेक्शन और आर्थिक संघर्ष के बावजूद काम करना नहीं छोड़ा। जिस दौर में काम के बावजूद उनके पास पर्याप्त पैसा नहीं था और जिस दौर में एक फिल्म के किरदार के लिए उनकी तारीफ हुई, इन दोनों के बीच उन्होंने खुद को लगातार बदला।

गरीबी आज भी रवि किशन के साथ है

रवि किशन की कहानी का सबसे दिलचस्प हिस्सा यह है कि करोड़ों की संपत्ति, स्टारडम और सांसद बनने के बाद भी उनके अंदर का संघर्षरत लड़का पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। वे बताते हैं कि आज भी सेवन स्टार होटल में जाने पर महंगा खाना ऑर्डर करने में उन्हें संकोच होता है। वे खिचड़ी खाना पसंद करते हैं। यहां तक कि कपड़े लॉन्ड्री में देने में भी उन्हें हिचक होती है। रवि किशन कहते हैं- 'अभी भी सेवन स्टार होटल में जाता हूं, तो मैं अच्छा भोजन ऑर्डर नहीं करता, अभी भी खिचड़ी ऑर्डर करता हूं।' वे बताते हैं कि खुद पर खर्च करने की तुलना में परिवार पर खर्च करने में उन्हें ज्यादा खुशी मिलती है।

अपमान को कमजोरी नहीं, ताकत बनाया

रवि किशन की सफलता में एक और चीज अहम रही- उन्होंने अपने संघर्ष को लेकर कड़वाहट नहीं रखी। वे मानते हैं कि जिंदगी में मिले अपमान और रिजेक्शन ने उन्हें मजबूत बनाया। उनके मुताबिक, छोटी उम्र में संघर्ष इंसान को जल्दी परिपक्व करता है। वे कहते हैं- 'कच्ची उम्र में बेइज्जती भी सही होती है। बड़ा मजबूत बना देती है, परिपक्व कर देती है। जो संघर्ष नहीं देखता, वो बाद में कहीं न कहीं पैनिक कर जाता है।' यही सोच उनके करियर में दिखाई देती है। उन्होंने अपने खिलाफ जाने वाली परिस्थितियों को अपनी पहचान बनने नहीं दिया। हिंदी में सीमित मौके मिले तो भोजपुरी में गए, वहां स्टार बने तो वापस हिंदी और दूसरी भाषाओं की फिल्मों में अपनी जगह बनाई। ओटीटी आया तो वहां भी नए किरदार स्वीकार किए।

राजनीति में एंट्री, पहली हार और फिर वापसी

फिल्मों में सफलता के बाद रवि किशन ने राजनीति में कदम रखा। 2014 में कांग्रेस के टिकट पर जौनपुर से लोकसभा चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें सिर्फ करीब 4.25% वोट मिले और हार का सामना करना पड़ा। फरवरी 2017 में बीजेपी में शामिल होने के बाद 2019 में गोरखपुर से चुनाव लड़ा और बड़ी जीत के साथ पहली बार लोकसभा पहुंचे। 2024 में उन्होंने सपा की काजल निषाद को हराकर लगातार दूसरी बार गोरखपुर सीट जीती।

यह ऐसी कहानी है, जिसे सिर्फ देखा ही नहीं जाना चाहिए बल्कि इस पर बात भी होनी चाहिए : इमरान हाशमी

1. जब आप 'हक़' की कहानी को देखते हैं, तो आपको क्या लगता है कि दर्शकों को इससे क्या मिलेगा?

आखिरकार, जब आप दो घंटे की फिल्म बना रहे होते हैं, तो कहानी को कुछ खास पहलुओं तक सीमित करना पड़ता है, ताकि उसका ड्रामा और इमोशन दर्शकों तक सही तरह पहुँचे। इस केस के कई पहलू रहे हैं, लेकिन 'हक़' में हमने इन दो लोगों के बीच की इंसानी और इमोशनल कहानी पर फोकस किया है। यह एक ऐसी शादी है, जो एक खूबसूरत हनीमून फेज से शुरू होती है, फिर इसमें अच्छे और बुरे दौर आते हैं, रिश्ता मुश्किल दौर से गुजरता है और आखिरकार उस मोड़ पर पहुँचता है, जो हमेशा मुश्किल होता है- तलाक। मेरे लिए यह फिल्म असल में दो टूटे हुए लोगों की कहानी है। इस निजी कहानी के साथ एक बड़ा टकराव भी है- एक आदमी उस चीज के लिए लड़ रहा है, जिस पर उसका गहरा विश्वास है, वहीं एक महिला अपने गुजारे और सम्मान जैसे बुनियादी हक़ के लिए लड़ रही है। हमने इन पहलुओं को फिल्म में किस तरह दिखाया है, इसके बारे में मैं ज्यादा कुछ नहीं बताना चाहता। लेकिन, जब आपके पास कहानी कहने के लिए सिर्फ दो घंटे होते हैं, तो आपको उसे एक ऐसी कहानी में समेटना पड़ता है, जो दर्शकों को एक मजबूत इमोशनल अनुभव दे। मेरे लिए 'हक़' आखिरकार इसी इमोशनल अनुभव के बारे में है।

2. ऐसे किरदार को निभाना कैसा रहा, जिसकी सोच और दुनिया को देखने का नजरिया आपसे बिल्कुल अलग है? क्या उसके नजरिए को समझने की कोशिश ने आपको भी उसे अलग तरह से समझने में मदद की?

एक एक्टर के तौर पर कुछ सबसे दिलचस्प किरदार वही होते हैं, जो आपकी अपनी सोच और नजरिए से बिल्कुल अलग हों। कभी-कभी आप ऐसे किरदार निभाते हैं, जिनकी सोच आपसे काफी मिलती-जुलती होती है, लेकिन ऐसे इंसान के दिमाग को समझने में एक अलग ही रोमांच होता है, जिसे आप शुरुआत में पूरी तरह समझ नहीं पाते। जब आप स्क्रिप्ट पढ़ते हैं, उसे दोबारा पढ़ते हैं और फिर उन पलों को असल में जीना और उन्हें इमोशन के साथ निभाना शुरू करते हैं, तो धीरे-धीरे समझ आने लगता है कि किरदार ऐसा क्यों सोचता है। आप उसकी अपनी सच्चाई को समझने लगते हैं, भले ही वो आपकी सोच से कितनी भी अलग क्यों न हो।

मुझे लगता है कि एक्टिंग को दिलचस्प बनाने वाली यही बात है। आपको ऐसे नजरियों को समझने का मौका मिलता है, जिन्हें शायद आपने पहले कभी नहीं समझा था। अगर आप अपने जैसे ही किसी किरदार को निभा रहे हैं, तो उसमें एक तरह की पहचान होती है। लेकिन जब आप ऐसे किरदार को निभाते हैं, जिसकी सोच आपकी अपनी समझ को चुनौती देती है, तो असली चुनौती वहीं होती है। और इसी दौरान आप अपने बारे में भी कुछ नया सीखते हैं। मेरे लिए ऐसे किरदार को निभाने से मिलने वाला यही असली जागना है।

3. 'हक़' अब एंड पिक्चर्स पर प्रीमियर हो रही है। दर्शकों को इस फिल्म को टेलीविजन पर देखने का मौका मिलने को लेकर आप कितने उत्साहित हैं?

मैं बहुत उत्साहित हूँ कि 20 सितंबर को रात 8 बजे एंड पिक्चर्स के जरिए 'हक़' और भी बड़े दर्शक वर्ग तक पहुँचेगी। यह ऐसी कहानी है, जिसे देखा जाना चाहिए और जिस पर बात भी होनी चाहिए। मुझे खुशी है कि जो दर्शक इसे सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, उन्हें अब अपने घर के आराम से यह फिल्म देखने का मौका मिलेगा।

मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म दर्शकों से जुड़ पाएगी, उनके बीच बातचीत शुरू करेगी और फिल्म देखने के काफी समय बाद तक उनके साथ बनी रहेगी।

पॉक्सो केस में एक्टर रोहित चंदेल जेल से रिहा

2 महीने पहले गिरफ्तार हुए थे, 16 साल की लड़की से छेड़छाड़-मारपीट का आरोप; चार्जशीट में धर्म-पेशा गलत

'पांड्या स्टोर' और सैराब जैसे पॉपुलर शोज फेम एक्टर रोहित चंदेल को पॉक्सो केस में जमानत मिल गई है। उन पर 16 साल की लड़की का पीछा करने, बार-बार फोन करने, परेशान करने और मारपीट करने का आरोप है। मुंबई पुलिस ने उन्हें जुलाई में गिरफ्तार किया था। रोहित चंदेल पर प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज एक्ट यानी पॉक्सो के तहत केस दर्ज है। वह करीब दो महीने से जेल में थे। रोहित चंदेल को पहले जमानत मिलने में मुश्किल हुई थी। केस के कागजात में कुछ गड़बड़ियां सामने आई थीं। खबरों के मुताबिक, दस्तावेजों में उनके पेशे को एक्टर की जगह गलत तरीके से बिजनेसमैन बताया गया था। चार्जशीट में उनका धर्म भी गलत दर्ज किया गया था। उनके मेडिकल रिकॉर्ड में भी गलती थी। उसमें उनकी वैवाहिक स्थिति मैरिड लिखी गई थी, जबकि रोहित चंदेल ने खुद को अविवाहित बताया है। एक्टर के वकील ने कहा था कि सरकारी कागजात में हुई गलतियों का केस पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए। हालांकि, 22 जुलाई को रोहित चंदेल की दूसरी जमानत अर्जी खारिज कर दी गई थी। इसके बाद 16 साल की शिकायतकर्ता ने ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के सामने अपना बयान दर्ज कराया था। रोहित के खिलाफ 10 जुलाई को पॉक्सो एक्ट (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज) के तहत शिकायत दर्ज हुई थी। 10 जुलाई को ही उन्हें दहिसर स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में पेश किया गया। फिलहाल एक्टर कस्टडी में हैं। शुक्रवार को मुंबई के पूर्वी उपनगर की रहने वाली नाबालिग की शिकायत मिलने पर पंत नगर पुलिस स्टेशन ने एक्टर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 78 (पीछा करना) और 115(2) (चोट पहुंचाने का इरादा) भी लगाई हैं। एक्टर पर आरोप हैं कि वह नाबालिग लड़की को अपने नंबर से कॉल कर बार-बार परेशान कर रहे थे। नाबालिग ने उनका फोन उठाना बंद किया, तो एक्टर दूसरे नंबर से बार-बार कॉल कर परेशान करने लगे। शिकायत के अनुसार, 5 जुलाई को रोहित ने लड़की को उसके घर के पास जबरदस्ती रोकने की कोशिश की और बाद में उसका पीछा भी किया। जब नाबालिग ने विरोध किया, तो एक्टर ने बहस करते हुए उसे गालियां दीं और मारपीट की। 'सैराब' एक्ट्रेस किशोरी शहाणे ने को-स्टार रोहित की गिरफ्तारी पर रिएक्शन दिया। टेलीचक्कर से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब उन्होंने यह खबर पढ़ी, तो पहले लगा कि यह शो के प्रमोशन का हिस्सा है, क्योंकि सीरियल में भी ऐसा ही ट्रैक चल रहा है।

कुनिका सदानंद ने पूनम ढिल्लों पर लगाए गंभीर आरोप, बोलीं-

उनकी गाड़ी में CINTAA ऑफिस के पेपर्स रखे जा रहे थे, वीडियो बनाने से भी रोका...

CINTAA के भीतर चल रही कानूनी लड़ाई और कोर्ट के आदेश पर होने वाले चुनाव के बीच एक्ट्रेस कुनिका सदानंद ने आरोप लगाया कि ऑफिस के कुछ दस्तावेज पूनम ढिल्लों की कार में रखे जा रहे थे और उन्हें इसका वीडियो बनाने से रोकने की कोशिश की गई। एक वीडियो में कुनिका सदानंद ने मामले को लेकर कहा, 'मैं CINTAA की आज की स्थिति देखकर बहुत दुखी हूं। मैंने पिछले 40 साल में किसी कमेटी का ऐसा व्यवहार नहीं देखा।' कुनिका ने बताया कि उन्हें CINTAA ऑफिस से दस्तावेज हटाए जाने की जानकारी मिली, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचीं। उनके मुताबिक, मनीष चतुर्वेदी और प्रीति ने फोन कर बताया कि पिछली कमेटी के लोग जल्दबाजी में कागजात ले जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि मामला पुलिस तक पहुंचा, लेकिन पुलिस ने कहा कि दस्तावेजों को रोकने के लिए चैरिटी कमिश्नर का आदेश जरूरी है। कुनिका के अनुसार, दस्तावेजों को टेंपो से कार्तिक कॉम्प्लेक्स स्थित ऑफिस ले जाया जा रहा था। कुनिका ने कहा कि फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज से जुड़े लोगों ने टेंपो को रोक दिया और दस्तावेजों को CINTAA के ऑफिस में रखकर वहां ताला लगा दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग दस्तावेजों

को पूनम ढिल्लों की कार में रख रहे थे। कुनिका के मुताबिक, इसका वीडियो बनाया गया और पुलिस से प्रक्रिया रोकने के लिए कहा गया।कुनिका ने बताया कि पुलिस ने कुछ दस्तावेज दिखाए, जिनमें कुछ कोर्ट के कागजात थे। उन्होंने कहा कि अगली सुनवाई 16 तारीख को है, इसलिए दस्तावेजों को लॉक करके रखने का सुझाव दिया गया था। उन्होंने पद्मिनी कोल्हापुरे के कथित बयान का भी जिक्र किया। कुनिका के अनुसार, पद्मिनी ने कहा कि वह कागजात सुरक्षित रखने के लिए ले जा रही थीं। कुनिका ने सवाल उठाया कि उन्हें दस्तावेज किससे सुरक्षित रखने थे।

सोनी सब के शो हस्तिनापुर के वीर के कलाकारों ने हिंदी दिवस के मौके पर हिंदी की समृद्धि और हमेशा रहने वाले आकर्षण का सम्मान किया

एक ऐसी दुनिया में, जहाँ बातचीत अक्सर कई भाषाओं के बीच होती है, हिंदी वह भाषा है, जो भावनाओं को आवाज देती है, अभिव्यक्ति को गहराई देती है और कहानियों को जिंदा रखती है। इस हिंदी दिवस पर, सोनी सब के हस्तिनापुर के वीर के कलाकार मनीष वाधवा, तोरल रसपुत्रा, विवाना सिंह और आयुध भानुशाली भाषा की खूबसूरती और समृद्धि का जश्न मनाते हुए साझा कर रहे हैं कि उनके किरदारों ने उन्हें इस भाषा से कैसे जोड़ने में मदद की। मनीष वाधवा, जो भीष्म पितामह का किरदार निभा रहे हैं, ने साझा किया, 'हम भाग्यशाली हैं कि हमारे देश में इतनी सुंदर भाषाएँ हैं और मेरा मानना है कि जिस भाषा को हम रोज बोलते हैं, उसे जानना और समझना बेहद जरूरी है। मेरे लिए स्पष्ट शब्दावली और भाषा की अच्छी समझ न केवल संवादों को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने में मदद करती है, बल्कि मुझे अपने विचारों और भावनाओं को और प्रभावी ढंग से व्यक्त करने का अवसर भी देती है। भीष्म पितामह के लिए समृद्ध हिंदी बोलना मेरे लिए एक सुंदर सीखने का अनुभव रहा है। इस भाषा में एक गहराई और गरिमा है, जो भीष्म जैसे किरदार के लिए बिल्कुल उपयुक्त है।' आयुध भानुशाली, जो दुर्योधन का किरदार निभा रहे हैं, ने साझा किया, 'मैं छह साल की उम्र से हिंदी टेलीविजन शो कर रहा हूँ, इसलिए वर्षों में यह भाषा स्वाभाविक रूप से मेरे काम और एक अभिनेता के रूप में मेरी सीखने का बड़ा हिस्सा बन गई है। हमारे शो हस्तिनापुर के वीर के लिए हमने वर्कशॉप्स कीं, जिन्होंने मेरी उच्चारण और भाषा की समझ को बेहतर बनाने में बहुत मदद की। मुझे लगता है कि इससे मेरी हिंदी और मजबूत हुई है। यह वर्कशॉप न केवल शो में मेरे प्रदर्शन को बेहतर बना रही है, बल्कि मेरी भाषा कौशल को भी विकसित कर रही है।' विवाना सिंह, जो गांधारी का किरदार निभा रही हैं, ने साझा किया, 'हिंदी को उसके शुद्ध रूप में बोलना मेरे लिए एक शानदार सीखने का अनुभव रहा है। नियमित अभ्यास, मार्गदर्शन और हमारे उच्चारण सहायक के सहयोग से मैं अपने उच्चारण और प्रस्तुति को सुधारने में सक्षम रही हूँ। इसने मुझे भाषा की समृद्धि और हमारे किरदारों को इतने शक्तिशाली शब्दों के माध्यम से व्यक्त करने की खूबसूरती को सराहने में भी मदद की है।' तोरल रसपुत्रा, जो कुंती का किरदार निभा रही हैं, ने साझा किया, 'हमारे सेट पर एक हिंदी ट्यूटर हैं, जो हमें संवादों, उच्चारण और कुछ शब्दों के अर्थ समझने में मदद करते हैं। यह बहुत उपयोगी रहा है, क्योंकि शो में हम जो हिंदी बोलते हैं, वे हमारी रोजमर्रा की बातचीत में इस्तेमाल होने वाली हिंदी से अलग है। मुझे सबसे अच्छा यह लगता है कि यह सीख शो तक सीमित नहीं रहती। मैं व्यक्तिगत रूप से अब इस बात के प्रति अधिक सजग हो गई हूँ कि मैं कैसे बोलती हूँ और कौन से शब्द इस्तेमाल करती हूँ, यहाँ तक कि सेट के बाहर भी। हिंदी दिवस हमें भाषा का सम्मान करने की एक प्यारी याद दिलाता है।'

हस्तिनापुर के वीर देखना न भूलें, सोमवार से शनिवार रात 9:00 बजे, सिर्फ सोनी सब पर।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर मनोविज्ञान विभाग ने आयोजित की जागरूकता कार्यशाला

रायगढ़, (प्रतिदिन राजधानी)

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर किरोड़ीमल शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ में मनोविज्ञान विभाग द्वारा एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस हर साल 10 सितंबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य आत्महत्या की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर संवाद को प्रोत्साहित करना है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सोफिया अमरेला के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संकट और आत्महत्या की रोकथाम के संबंध में जानकारी दी गई।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता श्री पी. अतीत राव, हेल्थ कंसल्टेंट, जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (डीएमएचपी), शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, रायगढ़ ने आत्महत्या के प्रमुख कारणों, मानसिक एवं सामाजिक प्रभावों, चेतावनी संकेतों तथा रोकथाम के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि व्यक्ति के व्यवहार में होने वाले बदलावों और चेतावनी संकेतों को समय रहते पहचानना बेहद जरूरी है। ऐसे समय में व्यक्ति की बात बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनना तथा आवश्यकता होने पर उसे विशेषज्ञ सहायता तक पहुंचाना आत्महत्या की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कार्यशाला में विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से संवादात्मक एवं इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए मानसिक स्वास्थ्य एवं आत्महत्या रोकथाम से जुड़े सवाल पूछे तथा विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। उन्हें तनाव, भावनात्मक संकट और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहने तथा जरूरत पड़ने पर समय पर सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि बात करें, सुनें और साथ दें– आत्महत्या को रोका जा सकता है। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. शारदा घोगरे, सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग रहीं। उन्होंने कार्यक्रम की भूमिका एवं विषय–वस्तु पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आत्महत्या की रोकथाम के लिए जागरूकता, संवेदनशीलता, संवाद और समय पर सहायता अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि किसी परेशान व्यक्ति की बात ध्यान से सुनना और उसे अकेला महसूस न होने देना भी सहायता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यशाला में महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करने तथा आत्महत्या की रोकथाम के लिए सकारात्मक और सहयोगात्मक वातावरण बनाने पर जोर दिया गया।

छात्राओं की स्वास्थ्य जांच से उपचार तक की सुविधा, गर्ल्स कॉलेज में लगा विशेष स्वास्थ्य शिविर

रायगढ़, (प्रतिदिन राजधानी)

कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम एवं महाविद्यालय प्रबंधन के संयुक्त तत्वावधान में किशोरी मोहन त्रिपाठी शासकीय कन्या महाविद्यालय, रायगढ़ में दो दिवसीय विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर के माध्यम से महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं की स्वास्थ्य जांच, आवश्यक उपचार, रक्त जांच एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि शिविर में करीब 1500 छात्राओं को स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस दौरान छात्राओं की सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ आंखों की जांच तथा स्त्री रोग संबंधी समस्याओं की जांच एवं उपचार की सुविधा दी जा रही है। शिविर स्थल पर मोबाइल मेडिकल यूनिट भी उपलब्ध है, जिसके माध्यम से छात्राओं को आवश्यक चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

हीमोग्लोबिन सहित विभिन्न रक्त जांच की सुविधा

शिविर में हीमोग्लोबिन सहित आवश्यक रक्त जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। जांच के आधार पर चिकित्सकों द्वारा छात्राओं को आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श दिया जा रहा है। उपचार की आवश्यकता वाली छात्राओं को चिकित्सकीय सलाह के अनुसार निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की जा रही हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों से जांच और परामर्श

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. दिशा ठाकुर ने बताया कि शिविर में छात्राओं की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच कर आवश्यक परामर्श और उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। स्त्री रोग से संबंधित समस्याओं की पहचान के साथ आवश्यक चिकित्सा एवं दवाइयां प्रदान की जा रही हैं। इसी तरह आंखों की जांच के माध्यम से दृष्टि संबंधी समस्याओं की पहचान की जा रही है। रक्त जांच के जरिए हीमोग्लोबिन सहित आवश्यक स्वास्थ्य मानकों की स्थिति का परीक्षण किया जा रहा है।

समय पर स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान पर जोर

दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य छात्राओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ–साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान और आवश्यक उपचार सुनिश्चित करना है।

मेहनत, नवाचार और टीम भावना से कृषि महाविद्यालय ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

धमतरी, (प्रतिदिन राजधानी)

कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक व्यवस्था के क्षेत्र में धमतरी जिले को महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ङ्घष्टक्र) के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (ङ्घश्वक्च) ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर तथा उसके अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों को पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रत्यायन प्रदान किया है। इनमें कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कुरूद भी शामिल है। आईसीएआर द्वारा प्रदान किए गए 3.15 स्कोर के साथ 'ए' ग्रेड कृषि शिक्षा की गुणवत्ता और संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों का महत्वपूर्ण प्रमाण है। आईसीएआर की अधिसूचना के अनुसार यह प्रत्यायन 29 मार्च 2024 से 28 मार्च 2029 तक प्रभावी रहेगा। राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड की 43वीं बैठक में 24 अगस्त 2026 को लिए गए निर्णय के आधार पर यह मान्यता प्रदान की गई है। प्रत्यायन के दायरे में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के साथ कृषि महाविद्यालय रायपुर तथा कुरूद सहित अन्य संबंधित संस्थानों के स्वीकृत शैक्षणिक कार्यक्रम शामिल हैं।

कुरूद कृषि महाविद्यालय की उपलब्धि जिले के लिए गौरव का विषय

कृषि प्रधान धमतरी जिले में कृषि महाविद्यालय, कुरूद की यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है।

महाविद्यालय द्वारा कृषि शिक्षा, विद्यार्थियों के व्यावहारिक प्रशिक्षण, अनुसंधान गतिविधियों तथा कृषक हितैषी तकनीकों के प्रसार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को इससे और मजबूती मिलेगी। आईसीएआर का 'ए' ग्रेड संस्थान में उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों, शिक्षण व्यवस्था, मानव संसाधन, अनुसंधान एवं अकादमिक गुणवत्ता के प्रति सकारात्मक प्रमाणिकता को दर्शाता है।

33 बिंदुओं पर हुई स्कूल शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा, शैक्षणिक गुणवत्ता और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

रायगढ़, (प्रतिदिन राजधानी)

जिले में स्कूल शिक्षा व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने और शैक्षणिक योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए जिला स्तरीय प्राचार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिजीत बबन पठारे ने सृजन सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिले के शासकीय विद्यालयों की शैक्षणिक एवं विभागीय गतिविधियों की 33 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की। बैठक में योजनाओं की प्रगति, विद्यार्थियों से जुड़ी सुविधाओं, पोर्टल आधारित कार्यों, परीक्षा एवं पाठ्यक्रम की स्थिति तथा विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों के उपयोग की जानकारी ली गई। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री श्यामानंद साहू, डीएमसी श्री आलोक स्वर्णकार, समस्त एपीसी, बीईओ एवं जिले के सभी प्राचार्य उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सीईओ श्री अभिजीत बबन पठारे ने कहा कि विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करना अधिकारियों एवं प्राचार्यों की सामूहिक जिम्मेदारी है। शासन द्वारा विद्यार्थियों के हित में अनेक योजनाएं और कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। यह सुनिश्चित किया जाए कि इन योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक समय पर पहुंचे। उन्होंने शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, पाठ्यक्रम समय पर पूर्ण करने तथा परीक्षा परिणाम बेहतर बनाने के लिए निरंतर मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल स्तर पर किसी भी प्रकार की कमी सामने आने पर उसका तत्काल समाधान किया जाए। विभागीय योजनाओं की प्रगति केवल कागजी कार्रवाई या पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका वास्तविक प्रभाव विद्यालयों और विद्यार्थियों के स्तर पर दिखाई देना चाहिए। उन्होंने सभी प्राचार्यों को अपने–अपने विद्यालयों की नियमित समीक्षा करने तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में एक विकासखंड शिक्षा अधिकारी के अनुपस्थित रहने पर जिला पंचायत सीईओ ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को बैठकों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में शिक्षा विभाग से संबंधित 33 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर बारीकी से चर्चा की गई। इसमें सेवा संकल्प अभियान, इंस्पायर अवार्ड, एमबीयू अपडेशन, माय भारत पोर्टल पंजीयन, बालवाड़ी मॉनिटरिंग एवं एनएमवी की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान, सत्र 2026–27 की निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों की प्राप्ति एवं वितरण, पाठ्यक्रम पूर्णता तथा छात्रवृत्ति पंजीयन की स्थिति की जानकारी ली गई।

बदहाल सड़कों पर फूटा गुस्सा, मंत्री के बंगले का घेराव, आश्वासन पर माने

अंबिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

शहर की जर्जर और बदहाल सड़कों को लेकर गुरुवार को सामाजिक कार्यकर्ताओं का आक्रोश सड़क पर उतर आया। शहर की प्रमुख सड़कों पर जगह–जगह बने गड्ढों और बारिश के दौरान बढ़ रही परेशानी से नाराज सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कैबिनेट मंत्री एवं अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल के गांधी चौक स्थित सरकारी बंगले का घेराव कर दिया। बारिश के बीच प्रदर्शनकारियों ने बंगले के बाहर जमकर नारेबाजी करते हुए तत्काल सड़कों की मरम्मत और निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि अंबिकापुर शहर की कई प्रमुख सड़कें लंबे समय से बदहाल स्थिति में हैं। सड़कों पर

बड़े–बड़े गड्ढे होने के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के बाद गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और गंभीर हो गई है। लगातार शिकायत और विरोध के बावजूद सड़कों की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं होने से सामाजिक कार्यकर्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही थी।

प्रदर्शन के दौरान मंत्री राजेश अग्रवाल अंबिकापुर में मौजूद नहीं थे। वे उस समय सूरजपुर में थे। मंत्री के बंगले के घेराव की जानकारी मिलने के बाद वे कुछ देर में अंबिकापुर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से सीधे मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शहर की बदहाल सड़कों को लेकर अपनी नाराजगी जताते हुए जल्द से जल्द निर्माण एवं मरम्मत कार्य शुरू कराने की मांग रखी। मंत्री राजेश अग्रवाल ने प्रदर्शनकारियों को भरोसा दिलाया कि बारिश थमते ही शहर की सड़कों के निर्माण और मरम्मत का काम शुरू कराया जाएगा। उन्होंने सड़क की मौजूदा स्थिति को लेकर कहा कि वे स्वयं इससे शर्मिंदा हैं, लेकिन अब शहर की सड़कों की दशा और दिशा बदलने वाली है। मंत्री के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारियों ने अपना आंदोलन समाप्त कर दिया।

प्रदर्शन समाप्त होने के बाद मंत्री ने आंदोलन में पहुंचे सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ

दहेज प्रताड़ना: नवविवाहिता की तालाब में मिली लाश

बलरामपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

बलरामपुर–रामानुजगंज जिले के सनावल थाना क्षेत्र के ग्राम सेमरवा में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में तालाब में लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मृतिका की पहचान 19 वर्षीय संगीता यादव के रूप में हुई है। संगीता का विवाह करीब चार माह पहले 12 मई को ग्राम सेमरवा निवासी दिलीप यादव के साथ हिंदू रीति–रिवाज से हुआ था।

मृतिका के मायके पक्ष का आरोप है कि शादी के बाद से ही संगीता को दहेज की मांग को लेकर ससुराल में प्रताड़ित किया जा रहा था। पति और ससुराल पक्ष द्वारा मारपीट एवं विवाद किए जाने की शिकायत के बाद दोनों पक्षों के बीच बैठक कर समझौता भी कराया गया था। इसके बावजूद विवाद पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ।

मृतिका के पिता गंगा यादव निवासी पचावल (बराईटाड़) ने आरोप लगाया कि घटना के दिन

संगीता के पति ने करीब दोपहर 3 बजे परिजनों को बताया कि उसकी पत्नी घर से भाग गई है। करीब आधे घंटे बाद उसने बताया कि संगीता घर से लगभग 50 मीटर दूर स्थित तालाब में कूद गई है। सूचना मिलने के बाद मायके पक्ष और पुलिस को जानकारी दी गई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही तालाब से शव बाहर निकाल लिया गया था।

मायके पक्ष ने संगीता के शरीर पर चोट के निशान होने का भी दावा किया है। परिजनों के अनुसार उसका एक हाथ टूटा हुआ था तथा पसली और गर्दन में भी चोट के निशान दिखाई दे रहे थे। इन्हीं परिस्थितियों के आधार पर मायके पक्ष ने पति पर मारपीट के बाद हत्या कर शव तालाब में फेंकने का गंभीर आरोप लगाया है।

घटना की जानकारी 9 सितंबर को मिलने के बाद परिजन सेमरवा पहुंचे। बेटी का शव देखकर परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग की है।

सनावल थाना प्रभारी बृजलाल भारद्वाज ने बताया कि मामले में उचित वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस जांच में यह स्पष्ट होना बाकी है कि नवविवाहिता की मौत हत्या, हादसे या किसी अन्य परिस्थिति में हुई।

साल चिरान से भरी गाड़ी जब्त, मुख्य तस्कर बंदी

अम्बिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

वन सुरक्षा को लेकर वन विभाग की टीम ने देर रात गश्त के दौरान अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए साल चिरान से भरी गाड़ी को जब्त किया है। कार्रवाई में मुख्य तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। वन विभाग के अनुसार पूछताछ में लकड़ी तस्करी से जुड़े नेटवर्क का भी खुलासा हुआ है।

वनमंडलाधिकारी बलरामपुर आलोक वाजपेयी के निर्देश और उप वनमंडलाधिकारी राजपुर के मार्गदर्शन में गठित विशेष टीम ने 9 सितंबर की रात राजपुर–ओंकरा–धौरपुर–करदोनी मार्ग पर घेराबंदी की। रात करीब 11.30 बजे टीम ने संदिग्ध रूप से गुजर रहे वाहन क्रमांक यूपी टी 64 बीटी 3521 को रोककर तलाशी ली। वाहन से अवैध रूप से परिवहन की जा रही 80 नग साल चिरान, जिसकी मात्रा 1.209 घनमीटर

बताई गई है, बरामद हुई।

वन विभाग ने वाहन और लकड़ी को जब्त कर वन अपराध प्रकरण दर्ज किया है। जब्त वाहन की अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपये और साल चिरान की कीमत करीब 80 हजार रुपये आंकी गई है। मामले में संबंधित वन अधिनियमों और वनोपज परिवहन एवं काष्ठ चिरान नियमों के तहत कार्रवाई की गई है।

पूछताछ में सामने आया तस्करी का नेटवर्क

गिरफ्तार आरोपी की पहचान अंजय टोप्पो पिता जयमल टोप्पो, निवासी ग्राम करदोनी, जिला सरगुजा के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने पटना–शंकरगढ़ क्षेत्र के कैलाश कोड़ाकू, सोनू, अंतू समेत करीब 15 ग्रामीणों से 400 रुपये प्रति नग की दर से 80 नग चौखट की लकड़ी खरीदी गांवों में करीब 600 रुपये प्रति नग की दर से बेचने की तैयारी थी। वन विभाग के अनुसार, गिरोह में जंगल से पेड़ काटने और अवैध रूप से चिराई करने वाले लोगों का अलग–अलग नेटवर्क सक्रिय है।

सिलफिली कॉलेज में एचआईवी पीड़ितों से भेदभाव समाप्त करने दिलाई शपथ

सूरजपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

एचआईवी/एड्स से प्रभावित लोगों के प्रति समाज में संवेदनशीलता, सम्मान एवं सहयोग की भावना को बढ़ावा देने तथा इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं महाविद्यालयीन स्टाफ ने एचआईवी/एड्स प्रभावित व्यक्तियों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करने और उन्हें सम्मान एवं सहयोग देने का संकल्प लिया। रेड रिबन नोडल अधिकारी शालिनी शांता कुजूर ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता एवं सामाजिक संवेदनशीलता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अमित सिंह बनाफर ने कहा कि एचआईवी/एड्स को लेकर समाज में अभी भी कई भ्रांतियां एवं गलत धारणाएं प्रचलित हैं। इन भ्रांतियों को दूर करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विद्यार्थियों से एचआईवी/एड्स के संबंध में सही जानकारी समाज में प्रसारित करने कराने की अपील की।

करोड़ों की जमीन हड़पने फर्जी वारिस खड़ा करने का आरोप, पीड़ित ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

अंबिकापुर,, (प्रतिदिन राजधानी)

सरगुजा जिले के ग्राम रनपुरखुर्द में करोड़ों रुपये की शासकीय एवं निजी भूमि को कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए हड़पने का मामला सामने आया है। मामले में पीड़ित रामाधार राजवाड़े ने मुख्यमंत्री, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक समेत शासन–प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत सौंपकर निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। शिकायत में भू–माफियाओं और कथित फर्जी वारिसों की मिलीभगत से भूमि हड़पने का आरोप लगाया गया है।

शिकायत के अनुसार ग्राम रनपुरखुर्द स्थित खसरा नंबर 93/4, रकबा 0.745 हेक्टेयर भूमि पर रामाधार राजवाड़े पिछले करीब 40 वर्षों से काबिज होकर खेती–बाड़ी करते आ रहे हैं। बताया गया है कि उक्त भूमि

स्वर्गीय महेन्द्र प्रसाद, पिता नानसाय कंवर के नाम थी। महेन्द्र प्रसाद की वर्ष 2003 में अविवाहित एवं निःसंतान मृत्यु होने का दावा शिकायत में किया गया है।

पीड़ित का आरोप है कि भूमि पर कब्जा करने के उद्देश्य से कुछ लोगों ने कथित रूप से फर्जी वंशावली तैयार कर अमरसाय सिंह और मानकुंवर आदि के परिजनों को महेन्द्र प्रसाद का वारिस बताया।

रामाधार राजवाड़े ने आरोप लगाया है कि मामले की जांच के दौरान कथित रूप से महत्वपूर्ण साक्ष्य सामने आने के बावजूद निचले स्तर के कुछ कर्मचारियों एवं अधिकारियों की मिलीभगत से जांच संबंधी दस्तावेजों और फाइलों में हेरफेर किया गया। इससे कथित भू–माफियाओं और फर्जी वारिसों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया।

प्रधानमंत्री ने 9/11 हमलों के पीड़ितों को याद किया, आतंकवाद से निपटने के अटूट संकल्प को दोहराया

FILE PHOTO

FILE PHOTO

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 9/11 के दर्दनाक हमलों की 25वीं बरसी पर पीड़ितों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है और उन परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त की है जिनकी जिंदगी इन भयानक हमलों से हमेशा के लिए बदल गई।

श्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद ने दुनिया भर में अनगिनत जिंदगियों को छीना है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सीमा पार आतंकवाद का शिकार होने के कारण, भारत पिछले कई दशकों से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भले ही आतंकवाद का खतरा लगातार बदल रहा है, लेकिन आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों का विरोध करने का भारत का संकल्प अटल है। उन्होंने इस खतरे से निपटने के सभी प्रयासों के साथ एकजुटता व्यक्त की।

प्रधानमंत्री ने 2014 में 9/11 मेमोरियल एंड म्यूजियम की अपनी यात्रा की कुछ झलकियां भी साझा कीं।

एक्स पर एक पोस्ट में, श्री मोदी ने कहा;

"9/11 के दर्दनाक हमलों के 25 साल बाद, हम पीड़ितों को याद करते हैं और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उन परिवारों के साथ एकजुटता से खड़े हैं जिनकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई। आतंकवाद ने दुनिया भर में अनगिनत जिंदगियों को छीना है। सीमा पार आतंकवाद का शिकार होने के कारण, भारत पिछले कई दशकों से इस लड़ाई में सबसे आगे रहा है।

हालांकि आतंकवाद का खतरा लगातार बदल रहा है, लेकिन इसके सभी रूपों और अभिव्यक्तियों का विरोध करने का हमारा संकल्प अटल

प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान रूस के राष्ट्रपति से मुलाकात की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के अवसर पर रूस के राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। इस साल यह उनकी दूसरी बैठक थी। दोनों नेताओं ने इससे पहले 31 अगस्त, 2026 को बिश्केक में 26वें एससीओ शिखर सम्मेलन के मौके पर मुलाकात की थी।

दोनों नेताओं ने राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, कौशल और जन-जन के बीच संबंधों को लेकर द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने रूस की अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक प्रदर्शनी 'इनोप्रोम इंडिया' का स्वागत किया, जो भारत में पहली बार 9-11 सितंबर 2026 तक आयोजित की गई और व्यापार और औद्योगिक संबंधों को और विस्तारित करने में इसके महत्व पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने इनोप्रोम इंडिया प्रदर्शनी का भी दौरा किया और प्रतिभागियों के साथ बातचीत की।

दोनों नेताओं ने 2026 के लिए भारत की अध्यक्षता में बहुपक्षीय क्षेत्र, विशेष रूप से ब्रिक्स में भारत-रूस जुड़ाव पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र में संघर्षों सहित आपसी हित के प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी दृष्टिकोण साझा किए, जिसने समुद्री व्यापार और भारतीय नाविकों की सुरक्षा को प्रभावित किया है। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि बातचीत और कूटनीति ही संघर्षों को हल करने में आगे बढ़ने का रास्ता है और भारत शांति प्रयासों में सहायता के लिए तैयार है।

दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के प्रयास में लगे रहने पर सहमति व्यक्त की, जो भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं की पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण विकास दर्ज कर रही है और अनुकूलन दिखाया है।

राष्ट्रपति श्री पुतिन ने प्रधानमंत्री को 24वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूस आने का निमंत्रण दिया। प्रधानमंत्री ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया। शिखर सम्मेलन की तारीखें आपसी सुविधा के अनुसार राजनयिक चैनलों के माध्यम से तय की जाएंगी।

मानसून के मौसम में भी कैप्टिव खदानों में उत्पादन बढ़ रहा है

नई दिल्ली। कोयला उत्पादन में कैप्टिव खदानें एक मुख्य आधार रही हैं और इनका उत्पादन लगातार बढ़ा है। वित्त वर्ष 2024-25 में कैप्टिव खदानों का उत्पादन 167.44 एमटी से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 184 एमटी हो गया, जो 10.10 प्रतिशत की वृद्धि है। कमर्शियल खदानों के साथ, जिनका उत्पादन लगभग 26 एमटी रहा, कैप्टिव और कमर्शियल सेगमेंट ने मिलकर वित्त वर्ष 2025-26 में 210 एमटी उत्पादन किया, जबकि पिछले वर्ष यह 190.95 एमटी था। कुल घरेलू कोयला उत्पादन में कैप्टिव और कमर्शियल खदानों की हिस्सेदारी लगभग 21 प्रतिशत है, जो वित्त वर्ष 2025-26 में 1,039 एमटी रहा और लगातार दूसरे वर्ष एक बिलियन टन से अधिक बना हुआ है। मौजूदा वर्ष में भी यह बेहतरीन प्रदर्शन जारी है। 10 सितंबर 2026 तक कैप्टिव खदानों ने 68.98 एमटी कोयले का उत्पादन किया, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 की इसी अवधि में यह 65.78 एमटी था। यह लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि यानी 3.2 एमटी की अतिरिक्त वृद्धि को दर्शाता है, और यह ऐसे आधार पर आया है जो पिछले वर्ष की तुलना में खुद 10.12 प्रतिशत अधिक था। यह लाभ वर्ष के पहले पांच महीनों में दर्ज किया गया है, जिसमें मानसून का महीना भी शामिल है—वह अवधि जब खनन और कोयला निकासी सबसे कठिन होती है। कैप्टिव खदानों से डिस्पैच भी पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर रहा है। कैप्टिव खदानों ने पिछले वर्ष के 71.43 एमटी के मुकाबले 75.68 एमटी का प्रेषण किया, जो 5.94 प्रतिशत की वृद्धि और 4.25 एमटी की बढ़ोतरी को दर्शाता है। शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि मानसून के लौटने के साथ ही रफ्तार और तेज हो रही है। 1 सितंबर से 10 सितंबर 2026 के बीच के दस दिनों में, कैप्टिव खदानों ने 4.12 एमटी का उत्पादन किया और 4.21 एमटी कोयला भेजा। इस बेस में लगातार नई क्षमता जोड़ी जा रही है। वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान नौ कैप्टिव और कमर्शियल खदानों से उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ग्रामीण विकास योजनाओं की निगरानी के लिए मणिपुर का दौरा करेंगे

नई दिल्ली। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय (MoRD) के वरिष्ठ अधिकारियों ने बिष्णुपुर और चूड़ाचंदपुर जिलों में चल रही विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं के कार्यान्वयन और प्रगति की निगरानी के लिए 8 से 10 सितंबर 2026 तक मणिपुर का दो दिवसीय क्षेत्रीय दौरा किया। इस दौरे का नेतृत्व मणिपुर में MoRD योजनाओं के लिए केंद्र सरकार के राज्य नोडल क्षेत्र अधिकारी, श्री अल्ताफ हुसैन हाजी, उप महानिदेशक, MoRD , और श्री राजेश कुमार, उप निदेशक, MoRD नई दिल्ली ने किया।

इस दौरे के दौरान, अधिकारियों ने स्वयं सहायता समूहों (SHGs), लाभार्थियों और विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं से जुड़े हितधारकों के साथ बातचीत की। उन्होंने योजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की और उनकी पहुंच को और बेहतर बनाने तथा यह सुनिश्चित करने के तरीकों पर चर्चा की कि इच्छित लाभ अधिक से अधिक लाभार्थियों तक पहुंचें। जिला प्रशासनों को जनता के लाभ और समग्र कल्याण के लिए चल रही ग्रामीण विकास योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लाने और उन्हें सुदृढ़ करने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने जमीनी स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया ताकि ग्रामीण समुदाय विभिन्न योजनाओं और उनके लाभों के बारे में बेहतर जानकारी प्राप्त कर सकें।

लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त करने और लाभार्थियों को अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं और विभागों के बीच अधिक समन्वय पर भी जोर दिया गया।

इस संवाद के दौरान, राज्य नोडल अधिकारी श्री अल्ताफ हुसैन हाजी ने लाभार्थियों द्वारा उठाई गई शिकायतों को सुना, जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) के तहत किस्तों के भुगतान में देरी और राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (NSAP) के तहत पेंशन भुगतान में देरी शामिल थी। उन्होंने संबंधित जिला अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने और समस्याओं का शीघ्र समाधान करने का निर्देश दिया।

दौरे पर आए अधिकारियों ने पाया कि दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। SHG सदस्यों में उत्साह और प्रतिबद्धता देखी गई, जिसके चलते वे जल्द से जल्द लखपति दीदी बनने का लक्ष्य हासिल करना चाहते थे ।

यात्रा के अंतिम चरण में, श्री अल्ताफ हुसैन हाजी ने मणिपुर सरकार के ग्रामीण विकास सचिव श्री सुमंत सिंह से मुलाकात की।

12 हजार किमी लंबी तटरेखा से चमकेगी नीली अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और पारिस्थितिकी पर डॉ. जितेंद्र सिंह का जोर

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 'सीसेस 2026' सम्मेलन में कहा कि भारत की 12,000 किमी लंबी तटरेखा नीली अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी संभावना है। उन्होंने पारिस्थितिकी और सुरक्षा को एक साथ जोड़ने पर जोर दिया।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि भारत की तटरेखा को केवल सीमा नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था और तकनीक के परस्पर जुड़े स्थान के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने वैज्ञानिक ज्ञान और पर्यावरणीय स्थिरता के संयोजन को जरूरी बताया।

मंत्री ने बताया कि भारत अब गहरे समुद्र के अज्ञात संसाधनों की खोज के लिए स्वदेशी क्षमताओं का निर्माण कर रहा है। हाल ही में लॉन्च हुआ अनुसंधान पोत 'ओआरवी सागर मंथन' इस दिशा में आत्मनिर्भरता का बड़ा कदम है।

समुद्र की गहराई में उतरेंगे रोबोट

डॉ. सिंह ने कहा कि समुद्र की गहराई का पता लगाने के लिए विशेष रोबोट और सबमर्सिबल विकसित किए जा रहे हैं। यह तकनीक धातु, खनिज और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं खोलेगी।

12 सितंबर से सफाई अभियान

'स्वच्छ सागर सुरक्षित सागर' अभियान इस वर्ष 12 से 19 सितंबर तक चलेगा। इसमें नागरिकों और गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी के साथ तटों की सफाई और सुरक्षा की प्रतिज्ञा ली जाएगी।

सफाई कर्मचारियों को स्वरोजगार के लिए 30 लाख तक का लोन, महिलाओं को ब्याज में 1% की छूट

NSKFDC ने अब तक 6.10 लाख लाभार्थियों को बांटे 3,365.93 करोड़ रुपये, व्यक्तिगत लोन की सीमा 30 लाख तय

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम (NSKFDC) देशभर में सफाई कर्मचारियों, कचरा बीनने वालों और मैला ढोने की प्रथा से जुड़े व्यक्तियों के लिए स्वरोजगार योजनाएं चला रहा है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधीन यह निगम पात्र लाभार्थियों को रियायती ब्याज दरों पर वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रहा है।

योजना के तहत व्यक्तिगत लाभार्थी को 30 लाख रुपये तक का ऋण दिया जा रहा है। वहीं, लाभार्थियों का समूह होने पर 75 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता का प्रावधान है। ऋण पर ब्याज दर 6 से 9 प्रतिशत प्रतिवर्ष रखी गई है, जिसे 3 से 10 साल की अवधि में चुकाना होगा।

महिला लाभार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए ब्याज दर में 1 प्रतिशत की विशेष छूट दी जा रही है। इसके अलावा, किस्तों का समय पर भुगतान करने वाले लाभार्थियों को 0.5 प्रतिशत की अतिरिक्त राहत भी मिलेगी। यह ऋण राज्य चैनलाइजिंग एजेंसियों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के माध्यम से वितरित किया जा रहा है।

3365 करोड़ का वितरण

निगम ने अपनी स्थापना से 10 सितंबर 2026 तक विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से 3,365.93 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया है। इस पहल से अब तक देशभर के 6,10,902 व्यक्तियों को सीधा लाभ मिला है। इसमें ऋण के साथ-साथ कौशल विकास प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी शामिल हैं।

मैला ढोने की प्रथा का अंत

निगम का मुख्य उद्देश्य मैला ढोने की अमानवीय प्रथा को पूरी तरह समाप्त करना है। इसके लिए सफाई कर्मचारियों और उनके आश्रितों को वैकल्पिक आजीविका के अवसर दिए जा रहे हैं। जागरूकता शिविरों और कार्यशालाओं के जरिए उन्हें मुख्यधारा के समाज से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

अहमदाबाद के राजू ने नशे को दी मात, काउंसलिंग और इलाज से संवारी जिंदगी

अहमदाबाद। अहमदाबाद के 23 वर्षीय राजू (बदला हुआ नाम) ने नशा-मुक्ति केंद्र की मदद से अपनी जिंदगी दोबारा संवार ली है। अनुसूचित जाति समुदाय से ताल्लुक रखने वाले राजू ने दत्तक पिता के निधन और सगी मां के परिवार द्वारा ठुकराए जाने के बाद नशे को सहारा बना लिया था। इसके चलते उसे घर छोड़ना पड़ा और सुरक्षा गार्ड की नौकरी भी गंवानी पड़ी।

24 जुलाई 2024 को राजू को 'नया जीवन-आईआरसीए' में भर्ती कराया गया। यहां व्यक्तिगत काउंसलिंग और रिहैबिलिटेशन सेवाओं के जरिए उसने नशे की लत पर काबू पाया। वर्तमान में राजू नशामुक्त है और एक निजी संस्थान में पूर्णकालिक नौकरी कर रहा है। उसकी आय में भी बढ़ोतरी हुई है, जिससे वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन गया है।

वेतन में वृद्धि के साथ मिली पक्की नौकरी

राजू का सफर दर्शाता है कि सही समय पर उपचार और लगातार फॉलो-अप से नशे की लत से उबरा जा सकता है। अब वह आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रोफेशनल जिंदगी जी रहा है।

भारत मंडपम में सजेगा 'भारत इनोवेट्स एक्सपोजिशन', 37 डीप-टेक स्टार्टअप दिखाएंगे दम

18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के साथ होगा आयोजन, 37 स्टार्टअप्स को मिला वैश्विक निवेशकों से जुड़ने का मौका

नई दिल्ली। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 11 और 12 सितंबर 2026 को 'भारत इनोवेट्स एक्सपोजिशन' का आयोजन किया जा रहा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय मिलकर इस मेगा शो को आयोजित कर रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के डीप-टेक नवाचारों को दुनिया के सामने रखना है।

यह प्रदर्शनी भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम 'मज़बूती, इनोवेशन, सहयोग और सस्टेनेबिलिटी के लिए निर्माण' पर आधारित है। इसमें देश के 37 चुनिंदा डीप-टेक स्टार्टअप्स और वेंचर्स हिस्सा ले रहे हैं। ये स्टार्टअप्स उन 120 वेंचर्स का हिस्सा हैं जिन्होंने जून 2026 में फ्रांस के नीस में आयोजित पहले संस्करण में भाग लिया था।

प्रदर्शनी को ब्रिक्स बिजनेस फोरम के साथ जोड़ा गया है। इससे भारतीय अन्वेषकों को ब्रिक्स देशों के सीईओ, निवेशकों और बिजनेस लीडर्स के साथ सीधे नेटवर्क बनाने का अवसर मिलेगा। इस मंच के जरिए तकनीकी साझेदारी, निवेश चर्चा और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बनाने की तैयारी है।

फ्रांस में मिली थी 254 मिलियन डॉलर की फंडिंग

भारत इनोवेट्स का पहला संस्करण 14-16 जून 2026 को फ्रांस में आयोजित हुआ था। वहां 1,350 बी2बी बैठकों के बाद भारतीय स्टार्टअप्स ने 254.5 मिलियन यूएस डॉलर की फंडिंग प्रतिबद्धता हासिल की थी। उस कार्यक्रम में 29 देशों के 2,000 से ज्यादा प्रतिभागी शामिल हुए थे।

पीएम मोदी और ब्रिक्स नेताओं का दौरा संभावित

इस एक्सपोजिशन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी और ब्रिक्स देशों के राष्ट्राध्यक्षों के आने की उम्मीद है। फिक्की, सीआईआई और एसोचैम के सहयोग से यहां स्ट्रक्चर्ड मैचमेकिंग और बी2बी बैठकें आयोजित की जाएंगी। इससे घरेलू नवाचारों को अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक नतीजों में बदलने में मदद मिलेगी।

शिक्षा मंत्रियों की बैठक में बना रोडमैप

इससे पहले अगस्त 2026 में भुवनेश्वर में 13वीं ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की बैठक हुई थी। इसमें अपनाए गए घोषणापत्र के तहत शोध, नवाचार और स्टार्टअप व्यवस्था को बेहतर बनाने पर सहमति बनी थी। यह प्रदर्शनी उसी प्राथमिकता को आगे बढ़ाने का हिस्सा है, जिसमें शुरुआती बचपन की देखभाल और कौशल विकास जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

रायपुर एयर कार्गो एंड लॉजिस्टिक्स समिट 2026

रायपुर एयर कार्गो सेवा के पुनः शुभारंभ से छग के व्यापार और निर्यात को मिलेगी नई उड़ान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के व्यापारिक एवं औद्योगिक परिदृश्य को समृद्ध बनाने और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 11 सितंबर 2026 को होटल बेबिलॉन इंटरनेशनल में रायपुर एयर कार्गो एंड लॉजिस्टिक्स समिट 2026 का सफल आयोजन संपन्न हुआ। एयर इंडिया SATS (AISATS) द्वारा एयर इंडिया और इंडिगो के सहयोग से आयोजित यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया।

विगत वर्षों से बंद पड़ी एयर कार्गो सेवा के पुनः प्रारंभ होने और रायपुर से ही पूर्ण डोमेस्टिक व इंटरनेशनल कंसाइनमेंट डिस्पैच की सुविधा मिलने से प्रदेश के निर्यातकों, उद्यमियों और व्यापारियों में भारी उत्साह देखा गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने अपने वक्तव्य में कहा, छत्तीसगढ़ एक कृषि प्रधान राज्य होने के साथ–साथ खनिज संसाधनों में भी अग्रणी है। यहाँ के स्थानीय उत्पादों (हस्तशिल्प, वनोपज, कृषि व फार्मा उत्पाद) की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारी मांग है। एयर कार्गो सेवा का पुनः शुरू होना प्रदेश के आयात–निर्यात (IMPORT- EXPORT) क्षेत्र के लिए गेम–चेंजर साबित होगा। प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प की तर्ज पर यह पहल विकसित छत्तीसगढ़ का रोडमैप तैयार करेगी, जिससे स्थानीय व्यापारियों व उद्योगपतियों को एक नया वैश्विक मंच मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान चेम्बर अध्यक्ष सतीश थौरानी एवं चेम्बर पदाधिकारियों द्वारा AISATS तथा एयरलाइंस प्रबंधन को ज्ञापन सौंपकर निम्नलिखित महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए:–

1. सिंगल विंडो डॉक्युमेंटेशन व थ्रू AWB (Air Waybill):– रायपुर से बुक होने वाले अंतर्राष्ट्रीय कंसाइनमेंट्स के लिए थ्रू ए–वे बिल की सुविधा दी जाए।

फायदा:– व्यापारियों को दिल्ली या मुंबई जैसे गेटवे एयरपोर्ट्स पर दोबारा री–डॉक्युमेंटेशन और हैंडलिंग की प्रक्रिया से मुक्ति मिलेगी।

2. प्रतिस्पर्धी एवं एकीकृत माल–भाड़ा दरें (Integrated Freight Rates):– डोमेस्टिक और इंटरनेशनल डिस्पैच के लिए पारदर्शी व प्रतिस्पर्धी टैरिफ तय किया जाए।

फायदा:– स्थानीय व्यापारी अपनी कुल परिवहन लागत का सटीक आकलन कर वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे।

3. कोल्ड–चेन एवं टेम्परेचर–कंट्रोल्ड स्टोरेज:– टर्मिनल पर पेरिशेबल (फल–सब्जी, वनोपज व फार्मा) उत्पादों हेतु कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था हो।

फायदा:– संवेदनशील उत्पाद खराब होने से बचेंगे और उनकी गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनी रहेगी।

4. घरेलू उड़ानों में सुनिश्चित स्पेस कोटा:– रायपुर से प्रमुख महानगरों की उड़ानों में कार्गो के लिए प्राथमिकता स्पेस आरक्षित रहे।

फायदा:– माल की ऑफ–लोडिंग या अनावश्यक देरी की समस्या समाप्त होगी।

5. ट्रेड हेल्पडेस्क एवं संयुक्त कार्यशालाएं:– व्यापारियों को पैकेजिंग मानक व कस्टम्स प्रक्रिया समझाने के लिए हेल्पडेस्क व कार्यशालाएं आयोजित हों।

फायदा:– पहली बार निर्यात कर रहे नए उद्यमियों व एमएसएमई इकाइयों को झिझक दूर करने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चेम्बर महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि AISATS एयर इंडिया और इंडिगो के वरिष्ठ अधिकारीगण, हमारे चेम्बर परिवार के सभी साथी और उपस्थित सम्मानित व्यापारी भाइयों! आज का यह दिन छत्तीसगढ़ के व्यापारिक इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। विगत वर्षों से एयर कार्गो सेवा बंद होने के कारण हमारे प्रदेश का व्यापारी और एमएसएमई वर्ग जो पीड़ा झेल रहा था, आज उस समस्या का एक स्थायी समाधान मिलने जा रहा है।

एक व्यापारी के लिए सबसे महत्वपूर्ण दो चीजें होती हैं –समय (Times) और लागत (Cost) । जब तक रायपुर से सीधे कार्गो डिस्पैच की सुविधा नहीं थी, हमारे व्यापारियों को अपना माल सड़क या रेल मार्ग से मुंबई, दिल्ली या नागपुर जैसे शहरों में भेजना पड़ता था। वहां से कस्टम क्लियरेंस और बुकिंग में जो अतिरिक्त समय और पैसा लगता था, उससे हमारे उत्पाद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में महंगे हो जाते थे। लेकिन आज इस समिट के माध्यम से रायपुर से ही डोमेस्टिक और इंटरनेशनल कंसाइनमेंट डिस्पैच की सुविधा मिलना हमारे लिए एक बहुत बड़ी राहत है। अब रायपुर का माल सीधे और तेजी से अपने गंतव्य तक पहुंचेगा, जिससे व्यापारियों का टर्नअराउंड टाइम (Turnaround Time) घटेगा और कार्यशील पूंजी (Working Capital) तेजी से रोटेट होगी।

समिट में उपस्थित AISATS के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) श्री रामनाथन, मुख्य परिचालन अधिकारी (COO) सलीम चैधरी एवं हेड ऑफ कार्गो राज महामिया, हितेश वर्मा, मनमीत सिंह ब्रह्मा, पी.आर. आनंदराव , श्री शैलेष कुमार ने छत्तीसगढ़ में अपनी सेवाओं के विस्तार पर प्रसन्नता व्यक्त की।

AISATS के अधिकारियों ने कहा कि रायपुर एयर कार्गो टर्मिनल के माध्यम से मध्य भारत के इस महत्वपूर्ण राज्य को एक प्रमुख कार्गो गेटवे के रूप में विकसित किया जा रहा है। एयर इंडिया और इंडिगो की नेटवर्क कनेक्टिविटी के साथ सुरक्षित, त्वरित और अत्याधुनिक लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता जताई गई।

कार्यक्रम में एविएशन, सप्लाई चेन, फ्रेट फॉरवर्डर्स, शिपर्स तथा चेम्बर के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष जसप्रीत सिंह सलूजा, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया सहित सैकड़ों प्रमुख उद्योगपति व व्यापारी उपस्थित रहे। सत्र के समापन के पश्चात नेटवर्किंग और सह–भोज का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया, कार्यकारी अध्यक्ष– राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंह सलूजा, कार्यकारी महामंत्री– विकास आहूजा, उपाध्यक्ष– लोकेश चंद्रकांत जैन, टी. श्रीनिवास रेड्डी, राजकुमार तारवानी, दिलीप इसरानी, महेन्द्र कुमार बारोड़िया, अमरदास खट्टर, श्रीमती सोनिया साहू, राजेश गुरनानी, मंत्री– प्रशांत गुप्ता, धनेश मटलानी, रितेश वाधवा, जतिन नचरानी, राजेंद्र पारख, सरदार गुरजीत सिंह, शंकर पिंजानी, नितेश अग्रवाल, चेम्बर इकाई बिलासपुर कोषाध्यक्ष– अविनाश आहूजा, सदस्य– हितेश टांक, नीलेश तारवानी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

प्रदेश के युवाओं और छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मंत्री टंक राम वर्मा

उच्च शिक्षा मंत्री की पहल पर कॉलेजों में प्रवेश की तिथि बढ़ी, अब 19 सितंबर तक मिलेंगे दाखिले

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के महाविद्यालयों में प्रवेश से वंचित रह गए विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने छात्रहित और विद्यार्थियों की लगातार आ रही मांगों पर संवेदनशीलता एवं सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए कॉलेजों में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। इस निर्णय के बाद अब राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में रिक्त सीटों पर छात्र 19 सितंबर 2026 तक प्रवेश ले सकेंगे।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) से इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश के अनुसार, सत्र 2026–27 के लिए पूर्व में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 निर्धारित की गई थी। हालांकि, कई छात्र–छात्राओं के आवेदन एवं सीटें रिक्त होने की स्थिति को ध्यान में रखते हुए तिथि में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया।

इस ?मामले पर उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं और छात्र–छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। किसी भी मेधावी या इच्छुक छात्र का साल खराब न हो, इसी सोच के साथ प्रवेश की तिथि बढ़ाई गई है। इस निर्णय से उन सभी विद्यार्थियों को अवसर मिलेगा जो किसी कारणवश अब तक दाखिला नहीं ले पाए थे। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि जो छात्र – छात्राएं अभी तक प्रवेश नहीं ले पाए है,ऐसे विद्यार्थी जल्द प्रवेश प्रक्रिया को पूर्ण करें।

भंडारा सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के नागरिकों की मृत्यु पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने जताया शोक

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने महाराष्ट्र के भंडारा जिले में नागपुर–रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए भीषण सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के नागरिकों सहित कई लोगों के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि हादसे में छत्तीसगढ़ के कई नागरिकों, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, के निधन का समाचार अत्यंत हृदयविदारक है। इस दुःखद घटना से मन व्यथित है। दुःख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति एवं संबल प्रदान करें।

समान नागरिक संहिता पर कान्यकुब्ज सभा के अध्यक्ष सुरेश मिश्र ने दिए सुझाव

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता लागू करने को लेकर समाज के विभिन्न वर्गों के साथ चल रहे विचार–विमर्श एवं सुझावों के क्रम में दिनांक 10 एवं 11 सितंबर को सर्किट हाउस में कान्यकुब्ज सभा शिक्षा मंडल के अध्यक्ष सुरेश मिश्र को अपने बहुमूल्य विचार प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया।

सुरेश मिश्र समाज के अग्रणी व्यक्तित्व होने के साथ–साथ विभिन्न सामाजिक एवं सेवा क्षेत्रों से लंबे समय से जुड़े हुए हैं। विभिन्न समाजों के साथ उनके व्यापक जुड़ाव और अनुभव के कारण UCC जैसे महत्वपूर्ण विषय पर उनकी समझ और दृष्टिकोण विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहे।

उन्होंने समान नागरिक संहिता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार एवं सुझाव समिति के समक्ष प्रस्तुत किए। उनके विचारों को UCC समिति के सदस्य एम. के. राउत, IAS एवं वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार ने सराहा तथा इस महत्वपूर्ण चर्चा को आगे भी जारी रखने की बात कही।

इस अवसर पर कान्यकुब्ज सभा शिक्षा मंडल के कार्यकारिणी सदस्य आशीष बाजपेयी जी भी उपस्थित रहे और उन्होंने भी UCC से संबंधित अपने महत्वपूर्ण विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए। यह संवाद केवल कानून पर चर्चा नहीं, बल्कि एक समान, संतुलित और न्यायपूर्ण नागरिक व्यवस्था की दिशा में समाज की भागीदारी का महत्वपूर्ण प्रयास है।

नारायणपुर में 'वन शहीद दिवस' पर वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि

वन मंत्री केदार कश्यप की गरिमामय उपस्थिति में हुआ कार्यक्रम

'एक पेड़ शहीदों के नाम' अभियान के तहत हुआ वृक्षारोपण, वन मंत्री ने मैदानी वनकर्मियों का बढ़ाया उत्साह

नारायणपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वन मंत्री केदार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में आज दिनांक 11 सितंबर 2026 को नारायणपुर स्थित कोटुमहर बायोडायवर्सिटी पार्क के परिसर में 'वन शहीद दिवस' का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के वन मंत्री श्री केदार कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

समारोह के दौरान वनों, वन्यजीवों और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर वन शहीदों को याद किया गया और उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप जी की प्रेरणा से इस अवसर पर 'एक पेड़ शहीदों के नाम' अभियान के अंतर्गत पार्क परिसर में पौधारोपण किया गया। वृक्षारोपण के माध्यम से शहीदों की स्मृति को जीवंत रखने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में माननीय वन मंत्री जी ने वन विभाग के मैदानी कर्मचारियों से सीधी मुलाकात की। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी जंगलों की रक्षा में जुटे वनकर्मियों के समर्पण और साहस की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। श्री कश्यप जी के मार्गदर्शन और सतत प्रोत्साहन से जिले में वन एवं वन्यजीव संरक्षण के कार्यों को एक नई दिशा और ऊर्जा मिल रही है।

इस अवसर पर वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

शासकीय नवीन महाविद्यालय लखनपुर में हुआ दीक्षारंभ कार्यक्रम

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का किया स्वागत, उज्ज्वल भविष्य के लिए दी शुभकामनाएं

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)।

शासकीय नवीन महाविद्यालय लखनपुर में सत्र 2026–27 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए शुक्रवार को 'दीक्षारंभ कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माननीय मंत्री श्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए और उन्होंने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों में नए शैक्षणिक सत्र को लेकर उत्साह और उमंग देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों का स्वागत किया गया तथा उन्हें महाविद्यालयीन जीवन की नई यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी गईं। मंत्री श्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें प्रोत्साहित किया तथा नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं का स्वागत किया।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्रवेश जीवन के एक महत्वपूर्ण पड़ाव की शुरुआत है। विद्यार्थी इस अवसर को केवल पढ़ाई और परीक्षा तक सीमित न रखें, बल्कि अपने व्यक्तित्व, ज्ञान और क्षमताओं के विकास के लिए इसका उपयोग करें। उन्होंने कहा कि आज का विद्यार्थी ही आने वाले समय में समाज और देश की दिशा तय करेगा। इसलिए विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति गंभीर रहते हुए अनुशासन, मेहनत और सकारात्मक सोच को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। महाविद्यालयीन जीवन विद्यार्थियों को अपने सपनों को पहचानने और उन्हें साकार करने का अवसर देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी रुचि के क्षेत्र में निरंतर सीखते रहें, नई चुनौतियों को अवसर के रूप में स्वीकार करें और अपने माता–पिता, गुरुजनों तथा क्षेत्र का नाम रोशन करने का प्रयास करें।

श्री अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण और छोटे शहरों से आने वाले विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता है तो केवल उसे सही दिशा देने और निरंतर प्रयास करने की। उन्होंने

विद्यार्थियों से किया संवाद

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों के बीच पहुंचकर उनसे संवाद भी किया। उन्होंने विद्यार्थियों की अभिरुचियों और उनके भविष्य के लक्ष्यों के बारे में जानकारी ली तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। छात्र–छात्राओं ने भी उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की।

परंपरागत रूप से हुआ स्वागत

दीक्षारंभ कार्यक्रम की शुरुआत गरिमामय वातावरण में हुई। मंच पर अतिथियों का स्वागत किया गया। नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में स्वागत एवं अभिनंदन की परंपरा के साथ उन्हें महाविद्यालयीन जीवन से परिचित कराने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों का तिलक एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत करते हुए उन्हें नई शैक्षणिक यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

नए विद्यार्थियों में दिखा उत्साह

दीक्षारंभ कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नवप्रवेशित छात्र–छात्राएं शामिल हुए। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर ने नए विद्यार्थियों को महाविद्यालय के वातावरण से जुड़ने, शिक्षकों एवं सहपाठियों से परिचित होने तथा अपने नए

'टीस' की संवेदनाओं से 'हण्डा' के लोक रंग तक, रंग परब का यादगार समापन

अंतिम दिन हिंदी नाटक और लोकनाट्य की सशक्त प्रस्तुतियों ने बांधा समां

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित 'रंग परब' नाट्य श्रृंखला का अंतिम दिन हिंदी नाटक और छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य की प्रभावशाली प्रस्तुतियों के नाम रहा। मुक्ताकाशी मंच पर आयोजित समापन दिवस में 'टीस' और 'हण्डा' नाटकों ने दर्शकों को भावनाओं, सामाजिक सरोकारों और लोक संस्कृति के विविध रंगों से जोड़ा। दोनों प्रस्तुतियों में कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय, संवाद और मंचीय अभिव्यक्ति के माध्यम से रंगमंच की विविधता और उसकी सामाजिक भूमिका को प्रभावी ढंग से सामने रखा।

अंतिम दिन की पहली प्रस्तुति हिंदी नाटक 'टीस' की रही। आचार्य रंजन मोडक, लोकेश साहू एवं साथियों द्वारा प्रस्तुत इस नाटक ने मानवीय संवेदनाओं और जीवन के विभिन्न पहलुओं को मंच पर प्रभावशाली ढंग से उकेरा। कलाकारों ने अपने अभिनय और संवादों के माध्यम से पात्रों की भावनात्मक स्थितियों को जीवंत किया। प्रस्तुति में मानवीय भावनाओं के साथ सामाजिक परिस्थितियों और जीवन से जुड़े संवेदनशील पक्षों को इस तरह सामने रखा गया कि दर्शक नाटक से भावनात्मक रूप से जुड़ते चले गए।

'टीस' की प्रस्तुति की विशेषता कलाकारों की सहज और प्रभावशाली अभिनय शैली रही। मंच पर पात्रों की भावनाओं, संवादों और घटनाक्रम के बीच बेहतर तालमेल ने नाटक को प्रभावशाली बनाया। प्रस्तुति ने यह रेखांकित किया कि रंगमंच केवल कहानी कहने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को दर्शकों तक सीधे पहुंचाने वाली सशक्त कला विधा भी है।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.– 0771–2223399, मो.–6262904444